শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 169 | गुवाहाटी | सोमवार, 9 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कार्बी आंग्लांग में 18 करोड़ की हेरोइन जब्त, दो धराए पेज 3 | मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर-2023 को किया संबोधित पेज 4 | योगी सरकार में गुंडों के लिए नहीं है कोई स्थान : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5 | आठ महीने की सरकार है, फिर भाजपा आ रही है, मेरा नाम याद... पेज 8

अभाविप के 28वें प्रदेश अधिवेशन में शामिल हुए मुख्यमंत्री, कहा-

वामपंथियों ने विकृत किया, फिर से लिखा जाना चाहिए इतिहास

गुवाहाटी (हिस)/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को गौहाटी कॉमर्स कॉलेज के प्रांगण में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के 28वें प्रदेश अधिवेशन में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि छात्रसंघ को विश्वविद्यालय में देश में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की इमारत को मजबूत करने के लिए काम करने की जरूरत है। उन्होंने वामपंथी इतिहासकारों पर भारतीय इतिहास को पराजय और समर्पण की कहानी बताकर उसे *विकृत* करने का आरोप लगाया और कहा कि देश की विजयगाथा को दर्ज करने के लिए इतिहास फिर से लिखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वामपंथी विचारधारा के लोग दशकों तक राज्य को भाषायी आधार पर विभाजित करने की कोशिश करते रहे हैं और लोगों को अपनी *धार्मिक समानताएं* अपनाकर ऐसी कोशिशों को हराना चाहिए। अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि छात्र शक्ति ही सबसे बड़ी शक्ति है जो राष्ट्र की शक्ति से मेल खाती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रशंसा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रसंघ हमेशा स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर आधारित राष्ट्र निर्माण और युवा नेताओं के निर्माण के लिए प्रयासरत रहा है। उन्होंने सम्मेलन में भाग लेने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि छात्रसंघ को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अग्रणी बनना चाहिए। डॉ शर्मा ने कहा कि अभाविप देश की वास्तविक आवश्यकताओं के अनुरूप देश के मूल्यों और मूल्यों पर आधारित सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की इमारत को मजबूत करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत एक युवा राष्ट्र है जहां युवा छात्रों में देश को महान बनाने की क्षमता है, उन्होंने अभाविप के सदस्यों और अन्य छात्र नेताओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र की पुनर्निर्माण प्रक्रिया को तेज करने के लिए एक रोडमैप बनाने के लिए काम करें ताकि इसकी आंतरिक जीवन शक्ति को फिर से खोजा जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में एक मजबूत अर्थव्यवस्था की मजबूत नींव और आत्मनिर्भर भारत की नींव बनाने के तरीकों पर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन को एक मजबूत राष्ट्र के लिए युवा शक्ति का उपयोग करने के लिए देश के लिए एक गति की शुरुआत करनी चाहिए। छात्रों की ताकत को दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वे दिन गए जब आंदोलन का बोलबाला था। अब समय बदल गया है जब छात्र कार्य संस्कृति में खुद को शामिल कर समाज को बेहतर बनाने के लिए अपनी शक्ति का तेजी से उपयोग कर रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उच्च शिक्षा में व्यावसायिक शिक्षा के एकीकरण को आसान बनाने के लिए नीति को राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के साथ तैयार किया गया है। उन्होंने छात्र निकाय को सूत्रधार के रूप में काम करने और एनईपी 2020 के प्रावधानों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए भी कहा कि जिसमें देश के मानव संसाधनों को कुशल और उद्यमी संसाधनों में बदलने की क्षमता है। उधर वाम मोर्चे पर प्रहार करते -शेष पृष्ठ दो पर

क्रॉस कंट्री नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप से स्थानीय युवा होंगे प्रेरित : डॉ. शर्मा

कामरूप (असम) (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को असम एथलेटिक एसोसिएशन के तत्वावधान में कामरूप (ग्रामीण) जिला के शुवालकुची में आयोजित 57वीं क्रॉस कंट्री नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप 2023 स्थल का दौरा किया। इस चैंपियनशिप में देशभर के 669 एथलीट भाग ले रहे हैं, इनमें 383 पुरुष और 286 महिलाएं हैं। चैंपियनशिप स्थल पर मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि एथलीटों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए यह चैंपियनशिप एक मंच प्रदान कर रहा है। यह आयोजन क्षेत्र के स्थानीय युवाओं को खेल के करियर को विकल्प के रूप में देखने के लिए भी प्रेरित करेगा। उन्होंने इतने बड़े स्तर पर आयोजन की मेजबानी में उत्सुकता के लिए शुवालकुची के निवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप की मेजबानी की पहल करने के लिए असम एथलेटिक एसोसिएशन की भी प्रशंसा की। असम ओलंपिक संघ के सचिव लक्ष्य कोंवर और अन्य पदाधिकारी और विशिष्ट अतिथि भी इस मौके पर उपस्थित थे।

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

भाजपा गंगा की तरह, डुबकी लगाओ पापों से छुटकारा पाओ : माणिक साहा

अगरतला। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को वाम दलों के नेताओं से भाजपा में शामिल होने की अपील की। साहा ने कहा कि उनकी पार्टी गंगा नदी की तरह है और इसमें डुबकी लगाने से उन्हें सभी पापों से छुटकारा मिल जाएगा। वह दक्षिण त्रिपुरा के काकराबान में जन विश्वास रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में जीत को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि मैं लोगों से अपील करता हूं कि जो अभी भी स्टालिन और लेनिन की विचारधारा में विश्वास करते हैं, वे भाजपा में शामिल हों, क्योंकि यह गंगा की तरह है। यदि आप गंगा में -शेष पृष्ठ दो पर

भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था : ओम बिरला

कोटा-बूंदी के लोगों को दिया जाएगा 1500 करोड़ रुपए बैंक लोन : वित्त मंत्री

कोटा (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था है और ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं सबसे बढ़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था देश के लोगों के योगदान से लगातार मजबूत हो रही है। बिरला रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र कोटा-बूंदी के कोटा में क्रेडिट आउटरीच कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण मौजूद रहीं। बिरला ने वित्त मंत्री को देश के नौजवानों, महिलाओं, किसानों और पशुपालकों को आत्मनिर्भरता के पथ पर आगे बढ़ने को लेकर प्रोत्साहित करने के लिए भी उनका अभिवादन किया। उन्होंने देश के युवा, महिला, किसान, कर्मठ, परिश्रमी लोगों के आर्थिक सशक्तीकरण के संदर्भ में कहा कि देश के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

दुनिया में परचम लहरा रहे 30 प्रवासी भारतीयों को पुरस्कृत करेंगी राष्ट्रपति

इंदौर (हि.स.)। देश के सबसे स्वच्छतम शहर इंदौर में आयोजित तीन दिवसीय प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन का 10 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य में समापन होगा। समापन समारोह में राष्ट्रपति मुर्मू 30 प्रवासी भारतीयों को भारत सरकार की ओर से प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) से सम्मानित करेंगी। इस पुरस्कार के लिए ऐसे प्रवासी भारतीयों का चयन भी किया गया, जिन्होंने भारत और विदेश के लिए उत्कृष्ट कार्य किए हैं। चयनित प्रवासियों में बिजनेस, चिकित्सा, शिक्षा, तकनीकी, कला-संस्कृति और राजनीति आदि क्षेत्रों में -शेष पृष्ठ दो पर

मध्य सेनेगल में दो बसों के बीच हुई भीषण टक्कर, 40 की मौत, 78 घायल

सेनेगल। मध्य सेनेगल में रविवार को भीषण सड़क हादसा हो गया। इस हादसे में कम से कम 40 लोगों के मारे जाने की खबर है। जबकि 78 अन्य लोग घायल हो गए है। बता दें कि मध्य सेनेगल में दो बस आमने-सामने से टकरा गई। जिसकी वजह से दोनों बसों में सवार कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति मैकी सॉल ने बताया कि सड़क हादसा कैफरीन क्षेत्र के गनीबी गांव में तड़के करीब साढ़े तीन बजे हुआ। इस हादसे में कम से कम 40 लोग मारे गए और दर्जनों घायल हो गए। उन्होंने बताया कि मैं गनीबी में आज हुए दुखद सड़क हादसे से बहुत दुखी हूं, -शेष पृष्ठ दो पर

घने कोहरे से थमी ट्रेनों की रफ्तार, 480 से अधिक प्रभावित

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली सहित पूरे उत्तर भारत में गलन भरी शीतलहर का प्रकोप जारी है। दिल्ली के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान 1.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली के प्राथमिक मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के अधिकांश स्थानों तथा जम्मू-कश्मीर के कुछ पर्यटन स्थलों की तुलना में भी कम है। इस ठंड और कोहरे की वजह से सबसे ज्यादा असर ट्रेनों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

सुख का आधार धर्म है।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

पीएम ने परशुराम कुंड महोत्सव की झलकियां साझा कीं

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड महोत्सव की कुछ झलकियां साझा की हैं। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू के ट्वीट को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि एक आनंदमय अनुभव की तरह दिखता है, अरुणाचल प्रदेश के बारे में जानने का एक अनूठा अवसर।

जोशीमठ : एक्शन में केंद्र, पीएमओ ने की हाई लेवल मीटिंग

देहरादून। उत्तराखंड के जोशीमठ संकट पर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने हाई लेवल मीटिंग की है। यहां जमीन धंसने और कई स्थानों पर घरों में दरारें पड़ने की घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने रविवार दोपहर को इस संकट पर उच्चस्तरीय बैठक की। सरकारी बयान के अनुसार, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने कैबिनेट सचिव, केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक में जोशीमठ -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तरकाशी और नैनीताल में भी धंस सकती है जमीन

देहरादून। उत्तराखंड के जोशीमठ में आई प्राकृतिक त्रासदी की वजह से लोगों को रीलोकेट किया जा रहा है। अगर इस इवेंट को देखते हुए हम एक्सपर्ट की राय मानें तो यह एकमात्र इवेंट नहीं है। एक्सपर्ट का कहना है कि जोशीमठ की ही तरह जो भी शहर हिमालय की तलहटी में बसे हुए हैं उनमें भी भू-धंसाव देखा जा सकता है। पहाड़ों पर बसे कई -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में हिंसा : प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर दवाओं के बक्से फेंके

बीजिंग। चीन में कोविड टेस्ट किट बनाने वाली फैक्ट्री में रविवार को हिंसा हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर दवाओं के बॉक्स फेंके। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये लोग नौकरी से निकाले जाने और सैलरी न मिलने से नाराज थे। इन्होंने विरोध प्रदर्शन किया तो पुलिस ने रोका और इसकी वजह से हिंसा हुई। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, चूंगचींग शहर में कोविड टेस्ट किट बनाने वाली जायबायो कंपनी ने कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया और सैलरी भी नहीं दी। इसके बाद फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शनकारी सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए। हिंसा के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। प्रोटेस्ट कर रहे लोग पुलिस पर दवाओं के खाली बक्से और स्टूल फेंक रहे हैं। पुलिसकर्मी भागते नजर आ रहे हैं। उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact
97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE
Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन आईबीएफपीएल फरवरी में होगी शुरू

गुवाहाटी। भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन (आईबीएफपीएल) अगले महीने चालू हो सकती है। 130 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 377.08 करोड़ रुपए की लागत आई है। अंतर्राष्ट्रीय तेल पाइपलाइन आईबीएफपीएल के माध्यम से असम स्थित नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) के पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में स्थित विपणन टर्मिनल से बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसी) के परबतीपुर डिपो तक ईंधन पहुंचाया जाएगा। एनआरएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भारत की वित्तपोषित इस द्विपक्षीय परियोजना का यांत्रिक कार्य पिछले साल 12 दिसंबर को पूरा हो चुका है। इसे फरवरी, 2023 में इसे चालू करने का लक्ष्य रखा है। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए भारत और बांग्लादेश के प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में सितंबर, 2018 में इस पाइपलाइन का शिलान्यास हुआ था। पूर्वोत्तर की सबसे बड़ी रिफाइनरी कंपनी के इस वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना सही मायने में एक इंजीनियरिंग चमत्कार है। हमने कई बाधाओं का सामना किया, लेकिन दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग और तकनीकी समझ के साथ यह अंतर्राष्ट्रीय परियोजना पूरी हो सकी है। अधिकारियों ने कहा कि आईबीएफपीएल को भारत और बांग्लादेश के बीच सच्ची दोस्ती के कारण सफलतापूर्वक लागू किया गया है और यह दो दक्षिण-एशियाई देशों के बीच अच्छे संबंधों का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2017 में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ बैठक में इस 10 लाख टन सालाना क्षमता की पाइपलाइन के वित्तपोषण की सहमति जताई थी। आईबीएफपीएल के निर्माण की कुल लागत 377.08 करोड़ रुपए है। इसमें से एनआरएल का निवेश पाइपलाइन के भारत के हिस्से के लिए 91.84 करोड़ रुपए है, जबकि बांग्लादेश के हिस्से के लिए शेष 285.24 करोड़ रुपए अनुदान सहायता के रूप में भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित किए जा रहे हैं। पड़ोसी देश के विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के अवसर पर असम विधानसभा द्वारा हाल ही में तैयार एक हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश इस साल के अंत में एनआरएल से गैस और तेल आयात करना शुरू कर देगा।

पाकिस्तान से लगी सीमा पर रडार युक्त ड्रोन तैनात

नई दिल्ली/जम्मू। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जम्मू-क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पहली बार रडार ड्रोन तैनात किए हैं। इनसे आतंकवादियों द्वारा घुसपैठ में इस्तेमाल की जाने वाली सुरंगों की मौजूदगी का पता लगाया जा सकेगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हाल ही में सुरक्षा बलों के द्वारा सुरंग का पता लगाने का अभ्यास किया गया। इसके तहत स्वदेश निर्मित तकनीकी उपकरण का इस्तेमाल किया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी आतंकवादी भारतीय क्षेत्र में घुसने में सक्षम न हो। इन सुरंगों का इस्तेमाल मादक पदार्थों, हथियारों, गोला-बारूद की तस्करी आदि के लिए भी किया जाता है। बीएसएफ ने पिछले तीन साल में भारत-पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर जम्मू मोर्चे के करीब 192 किलोमीटर में कम से कम पांच सुरंगों का पता लगाया है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, दो ऐसी सीमा-पार सुरंगों का पता 2020 और 2021 में लगाया गया था, जबकि 2022 में भी एक सुरंग मिली थी। ये सभी जम्मू के इंद्रेश्वर नगर सेक्टर में पाई गई थीं। बीएसएफ के एक अधिकारी ने कहा कि बल ने जम्मू मोर्चे पर सुरंगों का आए दिन पता चलने के मद्देनजर खतरे का मुकाबला करने के लिए एक स्मार्ट तकनीकी उपकरण खरीदा है। पाकिस्तान से भारत में घुसपैठ करने के लिए आतंकियों द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली इन गुप्त संरचनाओं की जांच के लिए क्षेत्र में एक से अधिक रडार युक्त ड्रोन तैनात किए गए हैं। यहां कार्यरत अधिकारियों ने कहा कि भारतीय निर्माता द्वारा विकसित किए गए रडार तैनात किए जा रहे हैं। ये सुरंगों की मौजूदगी का पता लगाने तथा उनकी लंबाई को मापने के लिए मजबूत रेडियो तरंगों का प्रयोग करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि रडार के विशिष्ट विवरण का खुलासा नहीं किया जा सकता है, लेकिन नए उपकरण सुरंग का पता लगाने में सैनिकों की काफी मदद मिलेगी। इसकी प्रभावशीलता का अभी अध्ययन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस मोर्चे पर ऐसे इलाकों तक बेहतर पहुंच प्रदान करने के लिए ड्रोन पर रडार लगाए गए हैं, जहां तक जमीनी टीम का पहुंचना मुश्किल है। आमतौर पर छिपी सुरंगों की निगरानी सीमा बाड़ से करीब चार सौ मीटर दूर तक की जाती है। ड्रोन को बीएसएफ की सुरंग रोधी निगरानी दल द्वारा दूर से नियंत्रित किया जाता है। हाथ से इस्तेमाल होने वाले उपकरणों के साथ फ्लाइंग रडार की भी मदद ली जाती है। एक अधिकारी ने बताया कि एक समस्या जो इन रडार के सामने आती है, वह धूल की मात्रा है जो ड्रोन के उड़ने के कारण उत्पन्न होती है और वे नीचे जमीन को स्कैन करने के लिए ड्रोन से निकलने वाली रेडियो तरंगों से टकराती है। यह एक शुरुआत है। नए उपकरणों को भी सटीक बनाया जाना है।

सड़क हादसे में युवक की मौत से नाराज लोगों ने किया पथावरोध

जोरहाट (हि.स.)। एक सड़क हादसे को लेकर जोरहाट जिला के मरियानी में रविवार को उत्तेजना का माहौल उत्पन्न हो गया। पथावरोध के चलते घंटों इलाके में वाहनों का लंबा जाम लग गया। घटना के अनुसार मरियानी के कठकटिया में एक बीती रात हुए सड़क हादसे से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान ढेकियाजुली चाय बागान के मनोज तांती के रूप में हुई थी। इस घटना को लेकर आज सुबह मरियानी-जोरहाट मार्ग को अवरूद्ध कर लोगों ने जमकर हंगामा किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि मरियानी के कठकटिया स्थित ईस्टर्न फ्लोर मिल प्रबंधन के द्वारा अवैध रूप से जोरहाट-मरियानी मुख्य मार्ग पर ट्रकों को पार्क किये जाने के चलते बीती रात सड़क दुर्घटना हुई। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि सड़क किनारे वाहनों की अवैध पार्किंग को पूरी तरह से बंद करने तथा मृत व्यक्ति को क्षतिपूर्ति देने की भी मांग की गयी। लोगों का आरोप है कि आटा मिल में प्रतिदिन भारी संख्या में ट्रक आते हैं, जिसके चलते सड़क हर समय बंद रहती है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों को समझाते हुए आश्वासन दिया, कि उनकी मांगों पर कार्रवाई की जाएगी। जिसके बाद पथावरोध समाप्त हुआ।

जुरिया में तस्करी के आरोप में पति-पत्नी गिरफ्तार

नागांव (हि.स.)। नगांव जिलांतर्गत जुरिया में पुलिस ने शनिवार रात जुरिया के बलिकटिया में मादक पदार्थ के साथ पति-पत्नी को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान सैफुल इस्लाम और गुल नेहार के रूप में हुई है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि इन दोनों के पास से मादक पदार्थों से भरी साबुनदानी के तीन बाक्स जब्त किए गये हैं। जब्त मादक पदार्थ की मात्रा 35 ग्राम बताई जा रही है। अधिक जानकारी के लिए पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। साथ ही इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

अनजान बीमारी से मरे सैकड़ों पशु

डिब्रूगढ़ (हि.स.)। जिलांतर्गत मोरान के खोवांग क्षेत्र में एक अनजान बीमारी से चरवाहों और पोल्ट्री किसानों के बीच दहशत बनी हुई है। इस अनजान बीमारी से अब तक सैकड़ों बकरियां, बत्तख और मुर्गियों की मौत हो चुकी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार क्षेत्र के बाघटली पथार, बाहनी पथार, बरपत्थार बाम गांव, हल्दीबाड़ी, कोंवर गांव, दिघलिया होला, खोवांग सोनोवाल गांव जैसे गांवों में अनजान बीमारी के कारण अब तक सैकड़ों बकरियों, बत्तख और मुर्गियों की मौत हो चुकी है। प्रभावित बकरियों के शरीर पर चिकेन पॉक्स जैसे कुछ लक्षण दिखाई देते हैं और उनके चेहरे सूज जाते हैं और दो-तीन दिन में उनकी मृत्यु हो जाती है। उन्होंने दावा किया कि बकरियों के इलाज के लिए पशु चिकित्सकों की मदद ली है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। खोवांग के आठाबारी, समूवा गांव, अजारगुड़ी, निज खोवांग समेत कई गांवों के स्थानीय चरवाहे, बत्तख और मुर्गी पालक इस बीमारी को लेकर परेशान हैं।

आने वाले वर्षों में वन अर्थ वन फैमिली वन फ्यूचर पर विमर्श होगा : तोमर

वाराणसी (हि.स.)। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को कहा कि आज पूरी दुनिया में जलवायु परिवर्तन की चर्चा हो रही है। इसके लिए मानव जाति ही जिम्मेदार है। ऐसे परिस्थिति में किसी न किसी को आगे आकर सुधार करना ही होगा, भारत की संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम के सिद्धांतों पर आधारित है, पूर्वजों के इस ज्ञान को और अधिक शक्ति प्रदान करने की आवश्यकता है। केन्द्रीय कृषि मंत्री काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन सभागार में आयोजित तीन दिवसीय अन्तर राष्ट्रीय संगोष्ठी सुफलाम -पृथ्वी तत्व के दूसरे दिन उद्घाटन सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन आज की सबसे ब ?ी चुनौती है। इससे बचाव के लिए सारी दुनिया भारत की तरफ देख रही है। कार्बन उत्सर्जन दुनिया के लिए चिंता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पंच भूतों के संरक्षण के लिए भारत अथवा दुनिया के हर राजनीतिक मंच पर भारतीय ज्ञान को रख रहे हैं। अच्छी बात है कि उत्पादन के संदर्भ में कई क्षेत्रों में भारत नंबर एक पर है, परंतु फिर भी हमें सरकार और समाज के साथ मिलकर पृथ्वी पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को रोकने के लिए काम करना होगा। तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पूरा ध्यान प्राकृतिक खेती पर है। जिस प्रकार दुनिया के राजनीतिक मंच पर योग को स्थापित किया गया और दुनिया ने उसे स्वीकार किया। इसी प्रकार से मोटे अनाज को भी मान्यता मिली है। वर्ष 2023 संयुक्त राष्ट्र संघ ने मोटे अनाज का वर्ष घोषित किया है। वर्तमान में जी-20 की अध्यक्षता भी भारत के पास है यह प्रसन्नता का विषय है। आने वाले वर्षों में वन अर्थ वन फैमिली वन फ्यूचर पर विमर्श होगा। गोष्ठी में जगतगुरु ज्ञानेश्वर महाराज ने कहा कि वैदिक परम्परों में पांच तत्वों को महत्व दिया गया है, भूमि को माता कहा गया है, क्योंकि वो सबकी पोषक है, दूसरी हमारी गौ माता है। यदि हम भू-माता और गौमाता की रक्षा नहीं करेंगे तो तमाम समस्याएं प्रकट होती रहेंगी। भूमि-पुत्र किसान, भूमि से जुड़ा रहता है; भूमि ही उसकी अन्नदाता है।

पृष्ठ एक का शेष

वामपंथियों ने विकृत ...

हुए उन्होंने कहा कि वामपंथियों ने हमेशा हमारे इतिहास को विकृत करने की कोशिश की है क्योंकि वह भारत को पराजित *जाति* के रूप में दिखाना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने उन राजाओं और नायकों को नजरअंदाज किया, जिन्होंने विरोध किया और मुगल हमलों को सफलतापूर्वक शिकस्त दी और केवल उनके बारे में लिखा जो पराजित हुए थे। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह, छत्रपति शिवाजी, दुर्गा दास राठौड़ और लंचित बरफुकन के उदाहरण दिए, जिन्होंने मुगल सेनाओं के खिलाफ सफल अभियान चलाया। उन्होंने आरोप लगाया कि वामपंथी इतिहासकारों ने इतिहास लिखते समय उनके कारनामों को छोड़ दिया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि इतिहास को नए सिरे से लिखा जाए। उन्होंने कहा कि हमें इतिहास के छात्रों को इसे फिर से लिखने के लिए प्रेरित करना चाहिए जो पराजय और गुलामी की कहानी न हो बल्कि गौरव और उपलब्धि की कहानी हो। इससे हमारी नई पीढ़ी को देश निर्माण की ओर बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। शर्मा ने वामपंथी बुद्धिजीवियों पर असम के लोगों को भाषायी आधार पर बांटने का भी आरोप लगाया क्योंकि राज्य में कई भाषाएं बोली जाती हैं। उन्होंने कहा कि भाषा एक महत्वपूर्ण तत्व है लेकिन यह किसी समुदाय और धर्म की इकलौती पहचान नहीं हो सकती तथा इतिहास भी समान रूप से अहम भूमिकाएं निभाता है। उन्होंने कहा कि भाषा तभी जीवित रहेगी जब हमारा धर्म और संस्कृति जीवित रहेगी। उन्होंने असमिया भाषी वक्ताओं से राज्य की अन्य भाषाओं को अपनाने तथा यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि सभी जनजातियों और समुदायों को समान महत्व मिले। मुख्यमंत्री ने आर्थिक आत्म-निर्भरता की आवश्यकता पर भी जोर दिया और युवाओं से कौशल विकास, उद्यमशीलता तथा कृषि पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि एक समुदाय को सांस्कृतिक पहचान और राजनीतिक गौरव की आवश्यकता होती है। लेकिन अगर हम आर्थिक रूप से प्रगति नहीं करते हैं तो हम *आत्म निर्भर* नहीं बन सकते जिस पर हमारे प्रधानमंत्री ने बहुत जोर दिया है। शर्मा ने युवाओं से खेती का बीड़ा उठाने तथा अपनी जमीन खेती के लिए दूसरों को न देने का भी अनुरोध किया। उन्होंने दावा कि गलत तरीके से यह धारणा बनाई गई कि असम और पूर्वोत्तर ऐतिहासिक रूप से भारत के शेष हिस्से से जुड़ा हुआ नहीं है, जिसने आजादी के बाद देश के इस हिस्से में विचारों की *एक अलग धारा* को जन्म दिया। शर्मा ने कहा कि हम अब असम में विशेष भौगोलिक और राजनीतिक चरण में है। हमारे सामने कई चुनौतियां हैं और हमें इतिहास की सही समझ के साथ इनसे निपटना होगा। इस अवसर पर अभाविप, असम प्रदेश अध्यक्ष रॉबिन काकती, प्रदेश सचिव सिमांत कुमार वैश्य, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव दिलीप कुमार सैकिया, देश भर से अभाविप के सदस्य और अन्य लोग उपस्थित थे।

भाजपा गंगा की...

पवित्र स्नान करते हैं तो आपके सभी पाप नष्ट हो जाएंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने आगे कहा कि ट्रेन में डिब्बे अभी भी खाली हैं। खाली डिब्बे में बैठें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हम सभी को उस मंजिल तक ले जाएंगे, जहां हमें पहुंचना चाहिए था। विपक्षी माकपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि कम्युनिस्टों ने लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया। वर्षों तक त्रिपुरा में शासन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम्युनिस्ट शासन के दौरान कोई लोकतंत्र नहीं था। वे हिंसा और आतंक की रणनीति में भरोसा करते हैं। दक्षिण त्रिपुरा जिले में वामपंथी शासन के दौरान कथित तौर पर 69 विपक्षी नेताओं की हत्या कर दी गई थी। काकराबान कोई अपवाद नहीं था, जहां बहुत सारी राजनीतिक हत्याएं हुईं। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत पर भरोसा जताते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 5 जनवरी को जिस जन विश्वास रैली को हरी झंडी दिखाई थी, वह विपक्षी दलों को आकर्षित करेगी। उन्होंने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनावों के दौरान त्रिपुरा में शाह द्वारा प्रेष्ठ प्रमुख (पृष्ठ प्रभारी) के विचार को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया था। इसने 25 साल बाद कम्युनिस्ट किले को ध्वस्त किया। इस बार जन विश्वास रैली भी विपक्ष के साथ ऐसा ही करेगी। चुनाव के बाद वे माइक्रोस्कोप से ही दिखाई देंगे।

कोटा-बूंदी के ...

परिश्रमी लोग आर्थिक रूप से मजबूत होंगे तो पूरे आर्थिक तंत्र में नई ऊर्जा और ताकत आएगी और देश अधिक सशक्त और समृद्ध बनेगा। मोदी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि ऋण के माध्यम से अर्थतंत्र में अंतिम व्यक्ति को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जा सकेगा। अभावग्रस्त और वंचित लोगों के स्वाभिमान और आत्मसम्मान की भावना का सम्मान करते हुए बिरला ने कहा कि जब आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को सरकार द्वारा, कम दरों पर ऋण उपलब्ध होगा तो वो सम्मान के साथ अपनी आय को बढ़ा, अपने परिवार की आर्थिक समृद्धि का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे। बिरला ने कहा कि महिलाओं को सरकार द्वारा मिली आर्थिक मदद उनका और सम्पूर्ण समाज का भविष्य संवार सकते हैं। कोटा-बूंदी क्षेत्र में पूरे साल खाद, पानी की उपलब्धता है और जमीन उपजाऊ है जिससे यहां कृषि के साथ पशुपालन भी बढ़ी मात्रा में सफल हो सकता है।

दुनिया में परचम लहरा ...

योगदान देने वाली शख्सियत के नाम हैं। प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार (पीबीएसए) भारत सरकार की ओर से प्रवासी भारतीयों को दिया जाने वाला सर्वोच्च सम्मान है। इसके लिए नामों का चयन जो ज्यूरी करती है उसके अध्यक्ष उपराष्ट्रपति और उपाध्यक्ष विदेश मंत्री होते हैं। जिन प्रवासी भारतीयों का सम्मान के लिए चयन किया गया है, उनमें प्रो. जगदीश चेन्नुपति (ऑस्ट्रेलिया), विज्ञान और प्रौद्योगिकी/शिक्षा, प्रो. संजीव मेहता (भूटान) शिक्षा, प्रो. दिलीप लौंडो (ब्राजील) कला और संस्कृति/शिक्षा, डॉ. अलेक्जेंडर मलाइकेल जॉन (ब्रुनेई) दारुस्सलाम मेडिशन, डॉ. वैकुंठम अय्यर लक्ष्मणन (कनाडा) समाजसेवा, जोगिंदर सिंह निज्जर (क्रोएशिया) कला और संस्कृति/शिक्षा, प्रो. रामजी प्रसाद (डेनमार्क) सूचना प्रौद्योगिकी, डॉ. कन्नन अम्बलम (इथियोपिया) समाजसेवा, डॉ. अमल कुमार मुखोपाध्याय (जर्मनी) समाजसेवा/चिकित्सा, डॉ. मोहम्मद इरफान अली (गुयाना) राजनीति/समाजसेवा, रीना विनोद पुष्करणा (इजराइल) व्यवसाय/समाजसेवा, डॉ. मकसूदा सरफी श्योतानी (जापान) शिक्षा, डॉ. राजगोपाल (मैक्सिको) शिक्षा, अमित कैलाश चंद्र लठ (पोलैंड) व्यवसाय/समाजसेवा, परमानंद सुखुमल दासवानी (कांगो गणराज्य) समाजसेवा, पीयूष गुप्ता (सिंगापुर) व्यवसाय, मोहनलाल हीरा (दक्षिण अफ्रीका) समाजसेवा, संजयकुमार शिवभाई पटेल (दक्षिण सूडान) व्यवसाय/समाजसेवा, शिवकुमार नदेसन (श्रीलंका) समाजसेवा, डॉ. देवनचंद्रभोज शरमन (सूरीनाम) समाजसेवा, डॉ. अर्चना शर्मा (स्विटजरलैंड) विज्ञान प्रौद्योगिकी, न्यायमूर्ति फ्रैंक आर्थर सीपरसाद (त्रिनिदाद और टोबैगो) समाजसेवा/शिक्षा, सिद्धार्थ बालचंद्रन (संयुक्त अरब अमीरात) व्यवसाय/समाजसेवा, चंद्रकांत बाबूभाई पटेल (यूके) मीडिया, डॉ. दर्शन सिंह धालीवाल (अमेरिका) व्यवसाय/समाजसेवा, राजेश सुब्रमण्यम (अमेरिका) व्यवसाय, अशोक कुमार तिवारी (उज्बेकिस्तान) व्यवसाय शामिल हैं।

मध्य सेनेगल में ...

जिसमें 40 लोगों की मौत हो गई और कई गंभीर रूप से घायल हो गए। मैं पीड़ितों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राष्ट्रपति ने तीन दिनों का शोक घोषित किया है। उन्होंने कहा कि वह सड़क सुरक्षा उपायों पर चर्चा करेंगे। बता दें कि सड़क हादसा राष्ट्रीय सड़क संख्या-1 पर हुआ। सरकारी वकील के मुताबिक, सार्वजनिक बस का टायर पंक्चर होने की वजह से दूसरी बस से जाकर टकरा गई। जिसकी वजह से बस पलट गई। इस हादसे में 78 लोग घायल हो गए जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि खराब सड़कों, खराब कारों और ड्राइवरों द्वारा नियमों का पालन नहीं करने के कारण पश्चिम अफ्रीकी देश में नियमित रूप से दुर्घटनाएं होती हैं। साल 2017 में दो बसों के दुर्घटनाग्रस्त होने से कम से कम 25 लोग मारे गए थे।

घने कोहरे से थमी...

पर पड़ा है। रेलवे ने रविवार को कहा कि कोहरे के कारण 480 से अधिक रेलगाड़ियों की आवाजाही पर असर पड़ा है। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि कोहरे के कारण करीब 335 रेलगाड़ियों के आवागमन में देरी हुई है। 88 ट्रेन रद्द कर दी गई हैं। 31 रेलगाड़ियों का मार्ग बदलना पड़ा और 33 रेलगाड़ियों की यात्रा को गंतव्य से पहले समाप्त कर दिया गया। जो ट्रेनें लेट हुईं उनमें पुरी-नई दिल्ली पुरुषोत्तम एक्सप्रेस 4.30 बजे तक लेट हुई, गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस 4.30 बजे, मालदा टाउन-दिल्ली फरक्का एक्सप्रेस 2.15 बजे, बरौनी-नई दिल्ली क्लोन स्पेशल 4.10 बजे तक, दरभंगा-नई दिल्ली बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस 4.10 बजे, गोरखपुर-बठिंडा गोरखधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस दोपहर 2.50 बजे, हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस 4.30 बजे, बनारस नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस 3.40 बजे, सहरसा नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस दोपहर 1.30 बजे, रीवा-आनंद विहार टर्मिनल सुपरफास्ट एक्सप्रेस 5 घंटे, आजमगढ़-दिल्ली कैफियत सुपरफास्ट एक्सप्रेस 4.20 बजे, भागलपुर-आनंद विहार टर्मिनल विक्रम शिला एक्सप्रेस 3.50 बजे, राजेंद्रनगर टर्मिनल-नई दिल्ली संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस 2.30 बजे, छत्रपति-शिवाजी-महाराज टर्मिनस अमृतसर एक्सप्रेस 4.50 बजे, दौलतपुर चौक-दिल्ली हिमाचल एक्सप्रेस 2.30 बजे। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास पालम वेधशाला में सुबह साढ़े पांच बजे बहुत घने कोहरे के कारण दृश्यता घटकर 50 मीटर रह गई।

जोशीमठ : एक्शन में ...

जिला प्रशासन और उत्तराखंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी वीडियो कांफ्रेंस के जरिए बैठक में शामिल हुए। इसके अलावा बैठक में एनडीआरएफ के बड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। रविवार शाम को बैठक खत्म होने के बाद मुख्य सचिव और डीजीपी दोनों देहरादून के लिए निकल गए। बैठक में उत्तराखंड के मुख्य सचिव ने जोशीमठ के हालातों को लेकर पीएमओ को सारी जानकारी दी। केंद्र सरकार की एजेंसियां और एक्सपर्ट शॉर्ट, मीडियम और लॉन्ग टर्म प्लान तैयार करने में राज्य सरकार की मदद कर रहे हैं। एनडीआरएफ की एक और एसडीआरएफ की 4 टीम लोगों की मदद के लिए जोशीमठ पहुंच गई है। प्रभावित परिवारों को लगातार सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। वहीं सेक्रेटरी बॉर्डर मैनेजमेंट और एनडीएमए सोमवार को जोशीमठ का दौरा करेंगे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, आईआईटी रुड़की, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी और सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञों की टीम इस मामले पर स्टडी करेगी और अपनी रिकमेंडेशन देगी। इससे पहले उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जमीनी स्तर पर स्थिति का जायजा लेने के लिए शनिवार को जोशीमठ का दौरा किया था। मुख्यमंत्री ने उन घरों का भी दौरा किया, जिनकी दीवारों और छत में चौड़ी दरारें आ गई हैं। इससे एक दिन पहले उन्होंने करीब 600 प्रभावित परिवारों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का निर्देश दिया था। धामी ने कहा था कि जोशीमठ सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान है और इसे बचाने के सभी प्रयास किए जाएंगे। जोशीमठ बद्रीनाथ और हेमकुंड साहिब जैसे प्रसिद्ध तीर्थस्थलों और अंतर्राष्ट्रीय स्कीइंग स्थल औली के लिए प्रवेश द्वार है और इसके सामने बहुत बड़ी चुनौती आ खड़ी हुई है। वहीं उत्तराखंड सरकार ने हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) और देहरादून स्थित भारतीय सुदूर संवेदन संस्थान (आईआईआरएस) से सेटेलाइट तस्वीरों के जरिए जोशीमठ क्षेत्र का अध्ययन करने और फोटो के साथ विस्तृत रिपोर्ट सौंपने का अनुरोध किया है। इस बीच, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को पुनर्वास के लिए जोशीमठ में कोटि फार्म, पादप संस्थान और बागवानी विभाग की जमीन और पीपलकोटि के सेमालडाला क्षेत्र की उपयुक्तता का परीक्षण करने को भी कहा गया है। जोशीमठ के प्रभावित क्षेत्रों के दौरे से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लौटकर आने के बाद ये अनुरोध किये गए हैं। धामी ने शनिवार रात को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी।

चीन में हिंसा...

हेलमेट और सेफ्टी गियर्स पहन रखे हैं। वीडियो में लोगों नारेबाजी करते हुए सुना जा सकता है। वो कह रहे हैं कि हमारा पैसा वापस करो। एक यूजर ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि ये जीरो-कोविड पॉलिसी हटाने का नतीजा है, अब कोरोना काल में इस्तेमाल होने वाले प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियों कर्मचारियों को निकाल रही हैं। क्योंकि उनके मुताबिक, अब प्रोडक्शन कम होगा, इसलिए कंपनी में ज्यादा लोगों की जरूरत नहीं। चाइना कम्युनिस्ट पार्टी पर नजर रखने वाली ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट जेनिफर जेंग ने भी सोशल मीडिया पर झड़प का वीडियो शेयर किया है। उनके मुताबिक, कोरोना टेस्ट किट बनाने वाली कंपनी मे करीब 10 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया जिसके बाद प्रदर्शन शुरू हुए। हिंसा के वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर ट्रेंड होने लगा। इसे चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म वीबो पर बैन कर दिया गया। चीन का ये प्लेटफॉर्म ट्विटर की तरह है। दरअसल, 3 साल तक कड़े कोरोना नियम लागू करने वाली चीन सरकार ने यू-टर्न ले लिया था और जीरो कोविड पॉलिसी हटा दी थी। इसके बाद कोरोना के मामले बढ़ गए। सरकार ने संक्रमितों रियल टाइम डेटा जारी करने से भी इनकार कर दिया। इसके बाद सरकार ने तर्क दिया कि कोरोना से खतरा नहीं है, इसलिए जीरो कोविड पॉलिसी हटाई गई। अब प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना है कि सरकार के इस बयान के बाद कंपनी प्रोडक्शन कम कर रही है और लोगों को निकाल रही है। जिससे वो बेरोजगार हो रहे हैं। चीन में बिगड़ते हालात ये बताते हैं कि टेस्ट किट्स की जरूरत है और उन्हें नौकरी से नहीं निकाला जाना चाहिए। नवंबर में झेंग्झौ में आईफोन बनाने वाले फॉक्सकॉन टेक्नोलॉजी के प्लांट में सैकड़ों कर्मचारी कड़ी कोरोना पाबंदियों को लेकर सुरक्षाकर्मियों से भिड़ गए थे। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट कहा गया था कि कोरोना के चलते प्लांट में एक महीने से कड़ी पाबंदियां हैं। कर्मचारी खाने, दवा और सैलरी को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

उत्तरकाशी और नैनीताल...

शहर ऐसी घटनाओं के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। इसका बड़ा कारण उस जगह की भूविज्ञान को समझे बिना मानवों की गतिविधियों का बढ़ना है। जोशीमठ में भी कुछ इसी तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। यहां पर जमीन लगातार धंस रही है, यह सब हो रहा है क्योंकि लगातार बारिश और बाढ़ के कारण यहां की नींव कमजोर हुई और कटाव बढ़ा है। वहीं इस परिस्थिति में ह्यूमन एक्टिविटी भी एक बड़ी वजह है। मेन सेंट्रल थ्रस्ट (एमसीटी-2) के फिर से सक्रिय होना इस त्रासदी की मुख्य वजह है। यह जियोलॉजिकल दोष है जिसमें भारतीय प्लेट ने हिमालय के साथ-साथ यूरेशियन प्लेट के नीचे धकेल दिया है। कुमाऊं यूनिवर्सिटी के जियोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. बहादुर कोटलिया ने बताया कि यहां पर एमसीटी-2 जोन रीएक्टिवेट हो गया है। इसी वजह से जोशीमठ का ग्राउंड धंस रहा है। इसे कोई भी जियोलॉजिस्ट प्रिडिक्ट नहीं कर सकता है कि यह कब होने वाला है। हम सरकारों को पिछले दो दशकों से यह चेतावनी देते हुए आ रहे हैं, लेकिन किसी ने भी इन पर ध्यान नहीं दिया। आप भूविज्ञान से नहीं लड़ सकते हैं। आप प्रकृति से न तो लड़ सकते हैं न ही जीत सकते हैं। उन्होंने इस दौरान यह चेतावनी दी है कि यह जो हो रहा है वह सिर्फ जोशीमठ तक ही सीमित नहीं रहेगा। जोशीमठ की ही तरह नैनीताल में भी पर्यटकों की वजह से कई बड़े निर्माण किए जा रहे हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

काया कञ्चन की बनी, माटी में मिली जाय।
जन्म मरन चक्कर पड़ो, हाथ मीजि पछताय॥ 53॥

शब्दार्थ : (काया) शरीर (कञ्चन) सोना (माटी) मिट्टी, पृथ्वी (चक्कर) घुमाव, भ्रमण (हाथ मीजि) हाथ मलना, चिन्ता (पछताय) पश्चाताप।

भाष्य : यह स्वर्ण के समान चमकती हुई काया अंत में मृत्यु को प्राप्त हो कर मिट्टी में मिल जाएगी और जन्म-मरण के चक्र में पड़ेगी, जिससे महान त्रिताप को सहन कर अंत में प्रभु के भजन बिना हाथ मलकर पश्चाताप करना पड़ेगा इसलिए भविष्य में भजन करेंगे, इस अज्ञानपूर्ण विश्वास को छोड़कर अभी महाप्रभु की भक्ति करके मानव-जीवन को सफल करें।

जीवन जन्म अमूल्य है, बड़ भागिन तन पाय।
जीवन जन्म जहाज लो, भवसागर तर जाय॥ 54॥

शब्दार्थ : (जीवन-जन्म) मनुष्य-जीवन (जहाज) बड़ी नौका जो समुद्र में चलती है।

भाष्य : मनुष्य-जीवन अमूल्य है। यह बड़े भाग्य से प्राप्त होता है। मनुष्य-जीवन को भक्ति रूपी जहाज के द्वारा भवसागर से पार कर लें। महाप्रभु की भक्ति से ही यह जीव भवसागर से पार होता है।

विषय न फल नर देह का, है मतिमन्द अभाग।
देव सदाफल गुरु कृपा, पावहु विमल विराग॥ 55॥

शब्दार्थ : (मतिमन्द) अज्ञानी जीव (विमल) पवित्र (विराग) प्रकृतिपार, विषयातीत, अनुभव चेतन-पथ।

भाष्य : है अज्ञानी जीव! यह मनुष्य देह इंद्रिय-सुख के लिए नहीं है इसलिए पवित्र वैराग्य ले, सद्गुरु-कृपा से अनुभव चेतन-पथ द्वारा परब्रह्म की भक्ति करें। विमल वैराग्य प्रकृति-पथ से उपरम होने पर योग के द्वारा चेतन स्वरूप के असंग होने पर प्राप्त होता है।

॥ इति स्वर्वेद चतुर्थ मंडल, षष्ठ अध्याय भाष्य समाप्त॥

कार्बी आंग्लांग में 18 करोड़ की हेरोइन जब्त, दो धराए

कार्बी आंग्लांग (निसं)। जिले में रविवार को एक वाहन से करीब 18 करोड़ रुपए की हेराइन जब्त की गई। इस मामले में दो लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, असम पुलिस और सीआरपीएफ की टीम ने एक संयुक्त अभियान के दौरान ये गिरफ्तारियां कीं और हेरोइन की जब्ती की। कार्बी आंग्लांग के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव कुमार सैकिया ने कहा, मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास की विशेष जानकारी के आधार पर दिलई तीनाली में एक चेक प्वाइंट स्थापित किया गया था। सुबह करीब साढ़े दस बजे एक पिक-अप वैन को रोका गया। चेकिंग के दौरान 286 साबुन के डिब्बों में पैक 3.5 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई। उन्होंने बताया कि हेरोइन की कीम करीब 18 करोड़ रुपए आंकी गई है। एसपी संजीव कुमार ने बताया कि इस मामले में बारपेटा जिले के दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि वाहन मणिपुर से आ रहा था। यह पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है कि खेप कहां जा रही थी। अभियान पर सफलता को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने ट्वीट कर पुलिस को बधाई दी। उन्होंने अपने ट्वीट में लिखा, आज कार्बी आंग्लांग पुलिस ने दिलई तीनाली में एक चार पहिया वाहन रोका और साबुन के 286 पैकेट जब्त किए, जिसमेंम 3.5 किलो हेरोइन थी, जो अब तक की सबसे ज्यादा है। दो आरोपियों को भी पकड़ा है। असम पुलिस का शानदार काम। इसे जारी रखें।

लखीमपुर में 500 हेक्टेयर वन भूमि को खाली कराने के लिए चलेगा अभियान : अधिकारी

लखीमपुर। असम के लखीमपुर जिले में 500 हेक्टेयर से अधिक वन भूमि को खाली कराने के लिए प्रशासन मंगलवार को अभियान चलाएगा। इस अभियान से करीब 100 परिवार प्रभावित हो सकते हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने अभियान के लिए रविवार को 'मॉक ड्रिल' की। पावा आरक्षित वन की 2,560.25 हेक्टेयर में से केवल 29 हेक्टेयर जमीन ही इस समय किसी भी प्रकार के अतिक्रमण से मुक्त है। अधिकारियों ने कहा कि पहले चरण के तहत 10 जनवरी की कवायद में आधासोना और मोहाघुली गांवों में 500 हेक्टेयर क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। मई 2021 में सत्ता संभालने के बाद से हिमंत बिश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार राज्य में अलग-अलग जगहों पर बेदखली अभियान चला रही है। पिछले महीने इस तरह के दो अभियान चलाए गए थे। नगांव के बटाद्रवा में 19 दिसंबर अभियान में 5,000 से अधिक कथित अतिक्रमणकारियों को हटा दिया गया था। सितंबर, 2021 में दरांग जिले के ढालपुर क्षेत्र में भी बेदखली अभियान चलाया गया, जिसके कारण हिंसा हुई। घटना में दो लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। लखीमपुर के मंडल वन अधिकारी (डीएफओ) अशोक कुमार देव चौधरी ने कहा कि पहले चरण में 10 जनवरी को आधासोना और मोहाघुली गांवों में पावा आरक्षित वन क्षेत्र को खाली करने के लिए अभियान चलाया जाएगा।उन्होंने कहा कि पिछले दशकों में पावा आरक्षित वन भूमि पर 701 परिवारों ने कब्जा कर लिया है। अवैध रूप से बसने वालों में राज्य के विभिन्न हिस्सों के लोग और साथ ही बाढ़ और कटाव के कारण विस्थापित हुए स्थानीय लोग शामिल हैं।

रंगिया में भोगाली मेला आमार बाजार का शुभारंभ

रंगिया (निसं)। भोगाली बिहू की पूर्व संध्या पर रंगिया नगर के वार्ड नं 4 में एक भोगाली मेला का आयोजन किया गया है। इस मेले मे असम राज्य शहरी आजीविका मिशन के 10 स्वयं सहायता समूहों की बहुत सी महिलाओं ने भोगाली बिहू पर व्यवहार की जाने वाली विभिन्न सामग्रियों की दुकानें लगाई है। मेले का उद्घाटन शुक्रवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने समारोहपूर्ण रूप से किया। इस मौके पर रंगिया के महकमाधिपति जावीर राहुल सुरेश, रंगिया महकमा पुलिस अधिकारी सीजल अग्रवाल, रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, रंगिया पौरसभा के कार्यवाहक अधिकारी चंपक डेका, रंगिया पौरसभा के अभियंता बसंत डेका, भाजपा अध्यक्ष सुबल पाल सहित बहुत से प्रशासनिक अधिकारी, रंगिया पौरसभा पार्षद और स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे। आमार बाजार नामक यह भोगाली मेला रंगिया के बीचों बीच वार्ड नं 4 स्थित नाईट सेल्टर प्रांगण में आयोजित किया गया है जिसमें विभिन्न प्रकार के स्थानीय खाद्य पदार्थ जैसे कि लाडू, पीठा, चूंगा पीठा, चि ?वा, दही आदी सहित कई तरह की स्थानीय मिठाईयों की दुकानें उपलब्ध हैं। इसके अलावा मेले में महिलाओं के अपने द्वारा बुने हुए कपड़े और घरेलू सजावट के सामान भी शामिल किये हैं।

अलग-अलग अभियानों में 25 किग्रा गांजा व हेरोइन जब्त

शोणितपुर (हि.स.)। शोणितपुर जिला की पुलिस अलग-अलग अभियानों में 25 किग्रा गांजा सहित हेरोइन जब्त किया है। मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल होने वाली स्विफ्ट डिजायर कार (एएस-12क्यू-4027) को भी जब्त किया है। वहीं दोनों मामलों में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर महाभैरव पुलिस चौकी और बरघाट पुलिस चौकी की पुलिस ने संयुक्त छापेमारी कर महाभैरव पुलिस चौकी अंतर्गत गोटलंग नामापारा गांव के अनवर हुसैन पुत्र मन्नास अली के आवास से टिन बॉक्स में छुपाकर रखे गये 25 किलो 786 ग्राम गांजा जब्त किया। उल्लेखनीय है कि रविवार को दिन के 12.30 बजे स्विफ्ट डिजायर वाहन के माध्यम से नशीले पदार्थों के परिवहन की सूचना मिलने के बाद तेजपुर परुवा चौराहे पर वाहन को पुलिस ने रोक कर उसमें सवार चार व्यक्ति बहार अली, अंशुमान बसुमतारी, दिव्यज्योति राभा और दुमूर लाल पनिका को गिरफ्तार कर लिया। चारों से पूछताछ के बाद चारों ने बताया कि गांजा को गोटलोंग गांव के अनवर हुसैन को बेचा है। जिसके बाद पुलिस ने छापा मारकर गांजा जब्त किया। इस बीच बरघाट थाना प्रभारी सीमांत पाठक के नेतृत्व में पुलिस की एक टीम कालियाभोमोरा पुल पर छापा मारकर नगांव से तेजपुर की ओर जा रहे सामागुड़ी थाना अंतर्गत बगामूर गांव निवासी रसीदुल इस्लाम के पास से पुलिस ने साबुनदानी में छुपाए गये 24 ग्राम हेरोइन को बरामद किया। साथ ही रसीदुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर तस्कर पूछताच कर रही है।

हाजो स्पोर्ट्स एसोसिएशन की स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न

हाजो (निसं)। असम विधानसभा अध्यक्ष बिस्वजीत दैमारी ने रविवार को सुरेन दास मेमोरियल कॉलेज में हाजो स्पोर्ट्स एसोसिएशन के स्वर्ण जयंती समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दैमारी ने कहा कि खेल अब केवल मनोरंजन ही नहीं बल्कि एक पेशा भी है। युवा पीढ़ी को खेलों में प्रेरणा मिले तो असम आगे बढ़ेगा। राज्य में हर किसी के पास प्रतिभा है। घातक एम्स के अवैध कब्जे के लिए हितेश बसुमतारी की गिरफ्तारी के बारे में उन्होंने आगे कहा कि पुलिस जांच करेगी और कानून के अनुसार कार्य करना जारी रखेगी। इस बीच स्वर्ण जयंती समारोह में लॉन बॉल एथलीट नयनमनी सैकिया ने खेल रैली का उद्घाटन किया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए, एथलीट ने कहा कि असम में खेलों के बुनियादी ढांचे में सुधार हुआ है। राज्य में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

धुबड़ी में ट्रक से प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद, दो गिरफ्तार

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिलांतर्गत के छगलिया में पुलिस ने एक ट्रक से भारी मात्रा में कफ सिरप बरामद किया है। पुलिस ने ट्रक जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया है कि छगलिया पुलिस ने शनिवार संदेह के आधार पर एक ट्रक को रोककर तलाशी ली। यह ट्रक पश्चिम बंगाल से अवैध रूप से भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीला कफ सिरप लेकर असम में घुसा था। छगलिया पुलिस ने ट्रक से बरामद प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ ट्रक को जब्त कर लिया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में एक केस दर्ज कर शुरू कर दी है।

रंगिया में मछली पालन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

रंगिया (निसं)। कामरूप जिला कृषि विज्ञान केंद्र के सौजन्य से रंगिया के गरियाकोट में शनिवार को मछली पालन पर किसान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। असम कृषि विश्विद्यालय के अधीन आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर मे कामरूप कृषि विज्ञान केंद्र के मीन विशेषज्ञ पराग सैकिया, एपार्ट के नोडल अधिकारी बिराज कुमार शर्मा, कार्यकारी विशेषज्ञ हाबिबा जाहान, रंगिया में मीन अधिकारी अरशाद अली उपस्थित रहे जिन्होंने इस मौके पर प्रशिक्षण प्रदान किया। गरियाकोट मीन उन्नयन समिति के अध्यक्ष राकेश डेका और सचिव रूपम डेका ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। शिविर में प्रशिक्षकों ने उपस्थित मीन पालकों को मीन पालन के जरिये किस तरह स्वावलंबी बन सकते है इसके बारे मे अवगत किया। उन्होंने मछलियों के वजन, आकृति की वृद्धि तथा मौसम के बदलाव के अलावा मछलियों के विभिन्न रोगों और उपचारों पर प्रकाश डाला।

भोगाली बिहू के स्वागत को तैयार सरभोग के व्यापारी

बरपेटा (हि.स.)। सर्दी के मौसम में असमिया समाज के प्रसिद्ध त्योहार भोगाली बिहू की धूम पूरे राज्य में दिखने लगी है। जब भोगाली बिहू की बात होती है, तो बरपेटा के सरभोग का दही सभी के मन यादें ताजा हो जाती है। भोगाली बिहू में सरभोग की भैंस के दूध से तैयार होने वाली दही नहीं होने पर बिहू अधूरा लगता है। इसे देखते हुए दुग्ध नगरी के नाम से मशहूर सरभोग के दुग्ध व्यापारी भोगाली बिहू के लिए भैंस के दूध से दही तैयार करने में जुटे हैं। दुग्ध व्यापारी पहले से ही मिट्टी के बर्तन और बांस का चोंगा तैयार करने में व्यस्त हैं। वह दही तैयार करने के लिए सत्र (वैष्णव मठ) नगरी बरपेटा के सुंदरीदिया से मिट्टी के बर्तन पहले ही एकत्र कर चुके हैं। इसके अलावा मानाह राष्ट्रीय उद्यान में उपलब्ध बांस की विशेष किस्मों को एकत्रित कर दही तैयार करने के लिए उसे तैयार किया गया है। मानाह नेशनल पार्क के पास भैंस के दूध या अन्य स्थानों से दूध से मिट्टी के बर्तन और बांस के चोंगा में बिहू के लिए दही बनाने के कार्य में सभी दुग्ध व्यवसायी जुटे हुए हैं। वर्तमान में एक-एक व्यापारी दो से तीन हजार लीटर भैंस के दूध से दही बनाने के लिए तैयार हैं। बिहू के मद्देनजर भैंस पालकों को पहले ही दही के लिए आर्डर दिए गए हैं। अगर सब कुछ ठीक रहा तो व्यापारी सोमवार से ही दही बनाने का कार्य आरंभ करेंगे। बिहू के दौरान, राज्य के अन्य हिस्सों के साथ ही राजधानी गुवाहाटी में सरभोग से भैंस के दूध की दही बेचने के लिए भेजी जाएगी। विशेष रूप से सरभोग रेलवे स्टेशन से ट्रेन के जरिए बिहू के समय गुवाहाटी में दही को भेजा जाता है। हालांकि, दुग्ध कारोबारी पिछले दो साल में कोरोना के डर और कोरोना महामारी में हुए नुकसान से अभी तक उबर नहीं पाए हैं। हालांकि, दुग्ध व्यवसायियों को लगता है कि इस बार उनका कारोबार बेहतर होगा।

भारी मात्रा में गांजा समेत दो तस्कर गिरफ्तार

उदालगुड़ी (हि.स.)। उदालगुड़ी जिला के माजबाट पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर रविवार की सुबह भारी मात्रा में गांजा समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि जिला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूर्य जीवन बरुवा द्वारा दी गई गुप्त सूचना के आधार पर माजबाट थाना प्रभारी राजीव गोहाईं ने थाना क्षेत्र के रंगापानी इलाके में अभियान चलाकर अरुणाचल प्रदेश से गुवाहाटी की ओर जा रही कार (एएस-01ईडब्लू 0141) की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 221 किग्रा गांजा बरामद किया गया। इस मामले में कार में सवार दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रातूल अली और काहिद अली के रूप में की गई है। जब्त गांजा की कीमत लगभग 20 लाख रुपए आंकी गई है। घटना के संबंध में पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रंगिया के राइजमेल का वार्षिक उत्सव आज से

रंगिया (निसं)। इतिहास प्रसिद्ध रंगिया राइजमेल के वार्षिक उत्सव का आयोजन हरवर्ष की तरह इसबार भी भव्य कार्यक्रमों के साथ किया गया है। राइजमेल कृषक शहीद स्मृतिरक्षा समिति के सौजन्य से परंपरागत रूप से यह कार्यक्रम 9 और 10 जनवरी को दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा। सोमवार को (आज) प्रथम दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ रंगिया पौरसभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर द्वारा ध्वजारोहण और योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा मंगलाचरण के साथ सुबह 10.30 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात असम के युवा नेता स्व. मोहन चन्द्र कलिता की छवि पर उनके पुत्र तथा परिवार के लोगों द्वारा माल्यार्पण किया जाएगा। इसके अलावा सुबह 12 बजे लाचितोर देशप्रेम विषय पर संगोष्ठी जिसका संचालन पीबी आंचलिक कनिष्ठ महाविद्यालय, इतिहास विभाग के प्रवक्ता भवेश बैश्य द्वारा किया जाएगा। इस मौके पर ददरा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के अवसरप्राप्त अध्यक्ष तथा शराईघाट जर्नलिस्ट फोरम के अध्यक्ष परेश बैश्य, रंगिया शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के अध्यक्ष डा0 पार्थ फुकन महंतो, कामरूप जिला पत्रकार संस्था के सचिव तरनिचरण कलिता उपस्थित रहेंगे। वहीं दूसरे दिन का कार्यक्रम रंगिया ग्राम स्वराज परिषद के सदस्यों द्वारा शहीद बेदी के सामने रामधुन और सर्वधर्म प्रार्थना के साथ सुबह 10 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात सुबह 10.30 बजे कृषक शहीद स्मृति रक्षा स्तम्भ पर रंगिया के महकमाधिपति द्वारा श्रद्धांजलि और स्मृति तर्पण तथा सुबह 11 बजे रंगिया राइजमेल में भाग लेने वाले वीर योद्धाओं के नाम फलक, आर्ट गैलरी, 15 प्रशिद्ध स्वतंत्रता सेनानियों के आलोक चित्र का उद्धघाटन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा जिसमें असम लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष भारत भूषण देव चौधुरी सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे। वहीं सुबह 12 बजे खुली बैठक, रंगिया राइजमेल समिति के व्योज्येष्ठ व्यक्तियों का स्वागत समारोह का आयोजन किया जाएगा जिसमे रंगिया राइजमेल स्मृति रक्षा समिति के अध्यक्ष तथा राज्य सभा के सांसद भुवनेश्वर कलिता, रंगिया के विधायक भवेश कलिता, असम साहित्य सभा की उपाध्यक्ष मृणालीनी देवी, असम स्वतंत्रता सेनानी सम्मेलन के अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा, कमलपुर के विधायक दिगंतो कलिता, अवसरप्राप्त आयुक्त सचिव तथा अनुभवी साहित्यकार थानेश्वर मालाकर, असम सरकार के इतिहास और पुरातत्व विभाग और गवेषणा केंद्र की संचालिका अनिता चौधुरी उपस्थित रहेंगी। इस दो दिवसीय उत्सव का समापन अवसरप्राप्त शिक्षक परमेश्वर बुजर बरुआ द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ संध्या 4 बजे किया जाएगा।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के तत्वाधान में गुवाहाटी में निकाली गई साइकिल रैली

गुवाहाटी(विभास)। आचार्यश्री महाश्रमण के आशीर्वाद से तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के तत्वाधान में सभी के लिए शिक्षा एवं स्वास्थ्य का संदेश देने के लिए रविवार को भारत तथा विश्व के लगभग 75 शाखाओं में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। गुवाहाटी में भी लगभग 7 किलोमीटर की यह साइकिल रैली फैंसी बाजार स्थित तेरापंथ धर्मस्थल से शुरू हुई, फिर कमारपट्टी होते हुए गुवाहाटी क्लब सर्किल से वापस तेरापंथ धर्म स्थल पहुंची। साइकिल रैली का शुभारंभ नवकार मंत्र से किया गया। तत्पश्चात सभा के मंत्री रायचंद पटावरी, टी पी एफ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्मल कोटेचा, टी पी एफ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज नहाटा ने झंडा दिखाकर साइक्लोथोन को रवाना किया। साइक्लोथोन के पश्चात स्थानीय तेरापंथ धर्म स्थल में एक योग तथा प्रेक्षा ध्यान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें ताराचंद तथा अजय भंसाली ने विभिन्न योगासनों तथा ध्यान का अभ्यास कराया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष संतोष पुगलिया ने कहा कि साइकिल यात्रा का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को शिक्षा में सहयोग करना व अपने आप को फिट रखने का संदेश देना था। टीपीएफ के सचिव पुखराज सेठिया ने इस कार्यक्रम मे सहभागिता के लिए सभी का धन्यवाद किया। इस मौके पर समाज के विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी तथा सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

मानस राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की गणना करेंगे 450 ट्रैप कैमरे

बाक्सा (हि.स.)। प्रकृति की मनोरम भूमि एवं विश्व ऐतिहासिक स्थल के रूप में प्रसिद्ध मानाह राष्ट्रीय उद्यान में वार्षिक वन्यजीव निगरानी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। मूल रूप से बाघों की गणना के लिए मानाह में जोड़े गये पहले पानबारी रेंज सहित राष्ट्रीय उद्यान में 450 से अधिक ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। जानकार मिली है कि बाघों के विचरण वाले संभावित क्षेत्रों में हर दो वर्ग किलोमीटर में एक कैमरा स्टेशन स्थापित किया गया है। पहली बार, मानाह के अधिकारियों ने अपने बल पर कैमरे स्थापित करने की इस प्रक्रिया को अंजाम दिया है, हालांकि, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया ने पानबारी क्षेत्र में कैमरा ट्रैपिंग में मानाह अधिकारियों की सहायता की है। इसके अलावा भारतीय वन्य प्राणी प्रतिष्ठान के तत्वावधान में कैमरा ट्रैपिंग का प्रशिक्षण दिया गया है। इस पूरी कैमरा ट्रैपिंग प्रक्रिया में कुल 8 टीमों ने हिस्सा लिया। करीब 45 दिन के बाद कैमरे को हटाकर उनकी जांच की जाएगी। तथ्यात्मक विश्लेषण के अंत में, मनाह में बाघ के नवीनतम स्थान के बारे में मार्च में परिणाम जारी होने की उम्मीद है। सभी को एक ही उम्मीद है कि शायद इस बार भी राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या फिर से बढ़ेगी। भारत सरकार के एनटीसीए से सीएसआर ग्रांट से अनुदान के रूप में मिले एक करोड़ रुपए में से 80 लाख रुपए के इस बार मानाह प्रबंधन ने कैमरों की खरीद की है। पिछली बाघ गणना के दौरान मानाह में 52 वयस्कों और आठ शावकों सहित कुल 60 बाघ पाए गए थे, जिनमें से 27 नए बाघ थे। माना जा रहा है कि इस बार भी राष्ट्रीय उद्यान में बाघों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि बाघ संरक्षण के क्षेत्र में मानाह राष्ट्रीय उद्यान को पहले ही एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुका है।

विवेक एक्सप्रेस इस साल मई से सप्ताह में चार दिन चलेगी

गुवाहाटी (विभास)। पूर्वोत्तर सीमा रेल ने भारत की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन 15906/15905 (डिब्रूगढ-कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस के मौजूदा फेरे सप्ताह में दो दिन से बढ़ाकर सप्ताह में चार दिन करने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 15906 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) विवेक एक्सप्रेस जो वर्तमान में शनिवार और मंगलवार को चल रही है, 7 मई, 2023 से प्रत्येक शनिवार, रविवार, मंगलवार और गुरुवार को चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 15905 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस जो वर्तमान में गुरुवार और रविवार को चल रही है, 11 मई, 2023 से प्रत्येक बुधवार, गुरुवार, शनिवार और सोमवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 15906 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) विवेक एक्सप्रेस डिब्रूगढ़ से 19:25 बजे प्रस्थान कर यात्रा के चौथे दिन कन्याकुमारी 22:00 बजे पहुंचती है। वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 15905 (कन्याकुमारी-डिब्रूगढ़) विवेक एक्सप्रेस कन्याकुमारी से 17:20 बजे प्रस्थान कर यात्रा के चौथे दिन डिब्रूगढ़ 20:50 बजे पहुंचती है। इस ट्रेन में 01 एसी टू टीयर, 04 एसी थ्री टियर, 11 स्लीपर क्लास, 03 जनरल सीटिंग, 01 पैंट्री कार और 02 पावर कम लगेज रेक शामिल हैं। डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी विवेक एक्सप्रेस भारतीय रेल की सबसे लंबी दूरी की ट्रेन है, जो भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम के डिब्रूगढ़ से भारत के दक्षिणी राज्य तमिलनाडु में कन्याकुमारी तक चलती है। ट्रेन 4189 किलोमीटर की दूरी तय करती है और भारत के नौ राज्यों से होकर गुजरती है। यह ट्रेन वर्तमान में दूरी और समय दोनों के हिसाब से भारत की सबसे लंबी रूट की ट्रेन है। इस ट्रेन के रूट पर 59 स्टेशनों पर ठहराव है। विवेक एक्सप्रेस की पहली सेवा 19 नवम्बर, 2011 को शुरू की गई थी। पिछले 11 वर्षों से यह ट्रेन लगातार लोगों की सेवा कर रही है। ट्रेन के मौजूदा समय और ठहराव अपरिवर्तित रहेंगे। इस ट्रेन के ठहराव और समय का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट और एनटीईएस पर उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर-2023 को किया संबोधित

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली छावनी में आज राष्ट्रीय कैडेट कोर की तरफ से गणतंत्र दिवस शिविर-2023 का आयोजन किया गया। इस शिविर में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह समेत अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद थे। इस दौरान केजरीवाल ने एनसीसी आरडी कैंप में आयोजित विभिन्न गतिविधियों को देखा। मुख्यमंत्री को गेट नंबर-1 करियप्पा परेड ग्राउंड और एकता द्वार के जरिए एनसीसी कैंप क्षेत्र तक पायलट किया गया। वहीं डीजी एनसीसी द्वारा सीएम की अगवानी की गई। सबसे पहले सीएम केजरीवाल को गार्ड ऑफ ऑनर से सलामी दी गई।

सलामी के बाद मुख्यमंत्री ने डीजी एनसीसी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने एनसीसी बैंड द्वारा प्रस्तुत बैंड का भी आनंद लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने एनसीसी को 75 वर्ष पूरे करने पर बधाई दी। आगे उन्होंने कहा कि एनसीसी की इस यात्रा का हर कदम समृद्ध विरासत और परंपरा से ओत-प्रोत रहा है। एनसीसी ने हमारे देश के साथ-साथ खुद को विकसित और रूपांतरित किया है। केजरीवाल ने आगे कहा कि आज आप सभी के साथ समय साझा करके मुझे बहुत खुशी हो रही है। आपका प्रशिक्षण, आपको अनुशासन, भाईचारा, एक धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण, साहस की भावना और आप के अंदर समाज के लिए निःस्वार्थ सेवा के आदर्शों के साथ आत्मसात करता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हमारे देश को इन मूल्यों की बहुत जरूरत है। मैं इस बात से आश्वस्त हूं कि एनसीसी द्वारा हमारे युवाओं को देश के एक जिम्मेदार, सामाजिक रूप से जागरूक और अनुशासित नागरिक बनने के लिए तैयार किया जा रहा है। केजरीवाल ने आगे कहा कि आप सभी ने कठिन चयन प्रक्रिया के बाद इस कार्यक्रम में भाग लिया है। दिल्ली सरकार ने हमेशा एनसीसी के विकास को प्रोत्साहित किया है और जहां भी आवश्यकता पड़ी है, मदद के लिए आगे रही है। हम आगे भी मदद करते रहेंगे। केजरीवाल ने कहा कि समाज के प्रति उत्कृष्ट योगदान देने को लेकर आप सबकी अधिक रुचि को देखकर मैं आपका बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। कोविड-19 के चुनौतीपूर्ण समय के दौरान आपके उत्कृष्ट योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। आप सभी के द्वारा हाल ही में पुनीत सागर की पहल सराहनीय है।

एनसीसी आरडीसी के बारे में एक नजर- एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर हर साल दिल्ली कैंट स्थित करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित किया जाता है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कुल 2155 कैडेट शिविर में भाग ले रहे हैं। इसके अलावा, मित्र देशों (अर्जेंटीना, ब्राजील, फिजी, कजाकिस्तान, किर्गिज गणराज्य, मंगोलिया, मॉरीशस, मालदीव, मोजाम्बिक, नेपाल, न्यूजीलैंड, रूस, सेशेल्स, सूडान, ताजिकिस्तान, यूके, यूएसए, उज्बेकिस्तान और वियतनाम) से 32 अधिकारी और 166 कैडेट एनसीसी के अतिथि के रूप में 15 से 29 जनवरी तक गणतंत्र दिवस शिविर में भाग लेते हैं।

कंझावाला एक्सीडेंट केस में आरोपियों ने माना उन्हें पता था कार में नीचे फंसी है अंजलि

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के कंझावला एक्सीडेंट मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। आरोपियों ने दिल्ली पुलिस को बताया है कि उन्हें पता था कि एक्सीडेंट के बाद में अंजलि गाड़ी के नीचे फंसी हुई है। मगर आरोपियों ने गाड़ी रोक कर अंजलि को बचाने की जगह लगातार गाड़ी चलाना तय किया। आरोपियों का कहना है कि अंजलि के गाड़ी के नीचे आने से वे डर गए थे इसलिए उन्होंने गाड़ी नहीं रोकी। पुलिस को इस मामले में पांचों आरोपी लगातार गुमराह कर रहे थे। गिरफ्तारी के बाद से ही आरोपियों ने कहा था कि उन्हें नहीं पता था कि अंजलि गाड़ी के नीचे आ गई है। अब माना जा रहा है कि आरोपियों के कबूलनामे के बाद धाराओं में बदलाव किया जाएगा। आरोपियों के इस कबूलनामे के बाद पुलिस की जांच एंगल में भी बदलाव होने की संभावना है। पुलिस ने इस मामले में पहले दीपक खन्ना (26) अमित खन्ना

(25) कृष्ण (27) मिथुन (26) और मनोज मित्तल को गिरफ्तार किया था। बाद में आशुतोष और अंकुश खन्ना को भी गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अंकुश खन्ना के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धाराओं 201 212 182 और 120बी के तहत मामला दर्ज किया। गौरतलब है कि रविवार तड़के अंजलि सिंह (20) की स्कूटी को एक कार ने टक्कर मार दी थी और युवती को सुल्तानपुरी से कंझावला तक लगभग 12 किलोमीटर घसीटती हुई ले गई। घटना में युवती की मौत हो गई थी। दूसरी ओर पुलिस सूत्रों ने बताया कि दुर्घटना के पीड़िता की दोस्त को इससे पहले उत्तर प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वह जमानत पर है। सूत्रों ने बताया उसे दो अन्य लोगों के साथ छह दिसंबर 2020 को आगरा रेलवे स्टेशन पर एक ट्रेन में गांजा ले जाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

लीटर में आटा रुपये में आबादी संबित पात्रा ने वीडियो शेयर कर राहुल को बताया महाज्ञानी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की एक बार फिर जुबान फिसल गई और उन्होंने आबादी की गिनती रुपए में कर डाली। दरअसल राहुल गांधी हरियाणा में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान देश की आर्थिक स्थिति के मुद्दे पर भाषण दे रहे थे। इस दौरान भाजपा और केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार करते-करते कांग्रेस नेता की जुबान फिसल गई। उन्होंने कहा देश की जो आर्थिक स्थिति है उसके बारे में बताना चाहता हूं। राहुल गांधी ने कहा देश की आबादी 140 करोड़ रुपये है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। भाजपा नेता और प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस वीडियो को शेयर कर चुटकी ली है। भाजपा नेता संबित पात्रा ने वीडियो शेयर करते हुए ट्विटर पर लिखा लीटर में आटा और रुपए में आबादी ऐसे गजब के महाज्ञानी हैं राहुल गांधी। राहुल गांधी इससे पहले

भी कई बार जुबान फिसलने के चलते हंसी का पात्र बन चुके हैं। पिछले साल राहुल गांधी ने एक भाषण में आटे की कीमत लीटर में बताई थी। महंगाई पर केंद्र सरकार को घेरते हुए राहुल गांधी ने कहा था आटा 22 रुपए लीटर बिकता है। इस दौरान राहुल गांधी की काफी किरकिरी हुई थी। राहुल गांधी ने बीते साल एक और गलत बयान देकर अपनी फजीहत करवाई थी। महाराष्ट्र की आर्थिक राजधानी मुंबई के नार्सी मुंजी संस्थान में राहुल छात्रों को संबोधित कर रहे थे कि तभी उन्होंने कहा कि एक दिन आप इस देश को चलाएंगे संस्थानों पर राज करेंगे आप माइक्रोसॉफ्ट में स्टीव जॉब्स की भूमिका में होंगे। बस यहीं राहुल से गलती हो गई। स्टीव जॉब्स माइक्रोसॉफ्ट में नहीं ऐपल के भी सीईओ थे।

पीएम मोदी के नेतृत्व में गुजरात के विकास की पतंग लगातार नई ऊँचाइयाँ पार कर रही है : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2023 के शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई काइट फेस्टिवल की परम्परा आज वैश्विक पहचान बनी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात के विकास की पतंग लगातार दो दशकों से नई ऊँचाइयाँ पार कर रही है। उन्होंने कहा कि पतंग महोत्सव आकाश को पार करने नई ऊँचाइयों को पार करने का अवसर है। पतंग उन्नति प्रगति तथा उड़ान की प्रतीक है और काइट फेस्टिवल जैसे गुजरात के त्योहार इंटरनेशनल अट्रैक्शन बने हैं। अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव 2023 की चर्चा करते हुए पटेल ने कहा कि हम इस वर्ष का पतंग महोत्सव जी-20 की थीम ह्यवसुधैव कुटुम्बकम्ह्ल के साथ मना रहे हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत पहली बार जी-20 देशों की बैठकों की मेजबानी कर रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत की छवि वैश्विक मंचों पर जिस प्रकार सुदृढ़ व उज्ज्वल बनाई है उसके कारण ऐसे वैश्विक महासम्मेलन भारत में आयोजित होने लगे हैं। इतना ही नहीं गुजरात को भी जी-20 की लगभग 15 बैठकों की मेजबानी करने का अवसर मिला है। यह हमारे गुजरात के लिए एक गौरव की बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के दृष्टिवान नेतृत्व में हमने भारत में डिजिटल इकोनॉमी से लेकर डिफेंस के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव देखे हैं। भारत विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन चुका है और सबसे ऊँची दर से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस अमृतकाल में भारत के विकास को अधिक ऊँचाई पर ले जाकर विकसित राष्ट्र के निर्माण का हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री ने विश्वास भी व्यक्त किया

कि गुजरात प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इस संकल्प को साकार करने के लिए पूरी तरह सज्ज है। भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात के विकास की यात्रा अविरत रखने के लिए हमने पर्यटन तथा रोजगार जैसे विषयों पर विशेष बल दिया है। आज का यह काइट फेस्टिवल इसका उदाहरण है। उन्होंने गुजरात के पतंग उद्योग के विषय में कहा कि प्रधानमंत्री ने हमारे परम्परागत त्योहारों-उत्सवों को जनभागीदारी के साथ लोकोत्सव के रूप में मनाने की नूतन परम्परा दी है। इसके परिणामस्वरूप दो दशक पहले जहाँ गुजरात में पतंग व्यापार केवल 8 से 10 करोड़ रुपए का था वहीं अब देश की काइट इंडस्ट्री में 40 प्रतिशत भागीदारी अकेले गुजरात की है। वार्षिक टर्नओवर 625 करोड़ रुपए का है और लगभग 1 लाख 30 हजार लोग पतंग उद्योग में रोजगार प्राप्त करते हैं। इससे पहले स्वागत संबोधन में पर्यटन मंत्री मुळूभाई बेरा ने कहा कि 14 जनवरी को मनाए जाने वाले मकरसंक्रांति पर्व की महिमा है। उत्तरायण पर्व को बच्चे-बड़े-बूढ़े; सभी साथ मिलकर मनाते हैं तथा इस पर्व का आनंद उठाते हैं। बेरा ने कहा कि 14 जनवरी को सूर्यनारायण के उत्तरार्ध की ओर आने के कारण हम आकाश में पतंग उड़ा कर इस उत्सव को मनाते हैं। उत्तरायण के उत्सव में प्रकृति के जतन का संदेश है। उत्तरायण में आकाश स्वच्छ बनता है जो ईश्वर एवं मानव के बीच संचार को तेज बनाता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग ने अपने कैलेण्डर में उत्तरायण को विशेष स्थान देकर हमारी संस्कृति तथा सभ्यता को एक विशिष्ट पहचान देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि पिछले 2 दशकों में राज्य के विकास की चहुँओर हो रही प्रशंसा में पतंगोत्सव भी अभिन्न है। पतंगोत्सव में देश-विदेश के पतंगबाज सहभागी होते हैं। अहमदाबाद सहित विभिन्न स्थानों पर पतंगोत्सव का आयोजन होता है। अहमदाबाद सहित वडोदरा वडनगर सोमनाथ सोमनाथ राजकोट धोलेरा धोरडो में पतंगोत्सव-2023 का आयोजन किया गया है। अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव से विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। ऐसे उत्सवों के माध्यम से राज्य की अर्थव्यवस्था को वेग मिलने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। उत्तरायण के त्योहार पर आकाश में विभिन्न रंग छा जाते हैं जो धार्मिक विविधता में एकता व उल्लास के रंगों का प्रतीक है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद में साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित पतंगोत्सव में कुल 68 देशों के लगभग 125 पतंगबाज देश के 14 राज्यों के 65 पतंगबाज तथा गुजरात के विभिन्न ज़िलों के 660 स अधिक पतंगबाज सहभागी हुए हैं। यह आवश्यक है कि इस अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव से अन्य राज्य सीख लेकर संस्कृति व प्रकृति का जतन करें। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय पतंगोत्सव में ऑस्ट्रेलिया कनाडा फ्रांस रूस जर्मनी ग्रीस इजराइल मिस्त्र कोलम्बिया डेनमार्क न्यूजीलैण्ड इंडोनेशिया इटली मेक्सिको दक्षिण अफ्रीका बेल्जियम बहरीन इराक मलेशिया पॉलैण्ड मॉरिशस पुर्तगाल स्विट्जरलैण्ड नीदरलैण्ड श्रीलंका नेपाल जॉर्डन ज़िम्बाब्वे अल्जीरिया बेलारूस सहित 68 देशों तथा भारत के 14 राज्यों के पतंगबाज सहभागी बने हैं।

दिल्ली में सर्दी का सितम, सफदरजंग में पारा 1.9

अजय कुमार

-घना कोहरा, सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित

नई दिल्ली, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और समूचा उत्तर-पश्चिम भारत भीषण ठंड की गिरफ्त में है। सर्दी का सितम थमता नजर नहीं आ रहा है। राजधानी की सुबह कोहरे की मोटी चादर में लिपटी रही। दृश्यता भी कम रही। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक दिल्ली के सफदरजंग में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 1.9, आया नगर में 2.6, लोधी रोड में 2.8 और पालम में 5.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश समेत देश के विभिन्न हिस्सों में सुबह घने कोहरे की चादर बिछी रही। पंजाब के अमृतसर, पटियाला और हरियाणा के अंबाला में सुबह 5.30 बजे विजिबिलिटी 25 मीटर, राजस्थान के गंगानगर में 25, पंजाब के भटिंडा में 0, दिल्ली के सफदरजंग और पालम में 50 मीटर, उत्तर प्रदेश के बरेली में 25, आगरा में 0, लखनऊ में 50 मीटर विजिबिलिटी रही। घने कोहरे के चलते सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित है।

उत्तर रेलवे ने कहा है कि कोहरे के कारण 42 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। खराब मौसम के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर करीब 20 उड़ानें देरी से चल रही हैं। एक अधिकारी ने कहा कि सुबह छह बजे तक किसी विमान के मार्ग में परिवर्तन की सूचना नहीं थी। उधर, बेहद कम दृश्यता की वजह से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दिल्ली के मायापुरी थाने के एएसआई शंभू दयाल की मौत, ड्यूटी के दौरान बदमाश ने मारा था चाकू

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। पश्चिम जिले के मायापुरी थाने में तैनात एएसआई शंभू दयाल की रविवार सुबह अस्पताल में मौत हो गई। वे चार दिन से बीएल कपूर अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे थे। आखिरकार रविवार सुबह 8.30 बजे उनकी मृत्यु हो गई। चार दिन पहले मायापुरी थाने के एएसआई शंभू दयाल पर ड्यूटी के दौरान एक बदमाश ने हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया था। रविवार सुबह बीएल कपूर अस्पताल से उनके मौत की खबर आई, जहां उन्होंने सुबह 8:30 बजे आखिरी सांस ली। जानकारी के अनुसार मृतक शंभू दयाल दिल्ली के मधु विहार इलाके में अपने परिवार के साथ रहते थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटियां और एक बेटा है। 57 साल के शंभू दयाल मूल रूप से राजस्थान स्थित सीकर के रहने वाले थे। बीएल कपूर अस्पताल से उनका पार्थिव शरीर उनके गांव ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक चार दिन पहले एक महिला की शिकायत पर वे मायापुरी क्लस्टर इलाके में अनीश

नाम के एक बदमाश को पकड़कर थाने ला रहे थे। उसी दौरान अनीश ने अपने पास छुपाए चाकू से उनपर ताबड़-तोड़ हमला कर दिया। हमले में उनकी छाती, गर्दन और पीठ पर गंभीर घाव लगे थे। फिर भी बहादुरी दिखाते हुए उन्होंने अनीश को भागने नहीं दिया। बाद में मायापुरी थाने की पुलिस ने बदमाश को धर दबोचा। साथ ही शंभू दयाल को बीएल कपूर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मौत हो गई। डीसीपी घनश्याम बंसल ने एएसआई शंभू दयाल की मौत पर उनके परिवार को सांत्वना देते हुए कहा कि वे दिल्ली पुलिस के एक सच्चे सिपाही थे, जिन्होंने घायल होने के बावजूद बहादुरी से बदमाश का मुकाबला किया और उसे मौके से भागने नहीं दिया। दिल्ली पुलिस को उन पर गर्व है।

हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल का विस्तार, सात विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में सुखविंदर सिंह सुक्खू की अगुवाई वाली कांग्रेस सरकार के मंत्रिमंडल का रविवार को विस्तार किया गया। सात विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई। राजभवन में गरिमापूर्ण समारोह में राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मंत्रिमंडल विस्तार में शिमला जिले का दबदबा रहा। शिमला जिले से सबसे ज्यादा तीन मंत्री बने हैं। सर्वाधिक 15 सीटों वाले कांगड़ा जिला को एक मंत्री मिला है। सबसे पहले सोलन से विधायक धनीराम शांडिल को शपथ दिलाई गई। उनके बाद ज्वाली के विधायक चन्द्र कुमार, फिर शिलाई के विधायक हर्षवर्धन चौहान, किन्नौर के विधायक जगत सिंह नेगी, जुब्बल कोटखाई के विधायक रोहित ठाकुर, कसुम्पटी के विधायक अनिरुद्ध सिंह और सबसे आखिर में शिमला ग्रामीण के विधायक विक्रमादित्य सिंह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। विक्रमादित्य सिंह पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह के पुत्र हैं। हर्षवर्धन और जगत सिंह ने अंग्रेजी, बाकी ने हिंदी में शपथ ली। मंत्रिमंडल विस्तार में वरिष्ठता और अनुभव के

साथ युवा चेहरों को तरजीह दी गई है। क्षेत्रीय और जातीय संतुलन को भी साधा गया है। सुक्खू मंत्रिमंडल में 82 वर्षीय धनीराम शांडिल सबसे उम्रदराज और 33 वर्षीय विक्रमादित्य सिंह सबसे युवा मंत्री हैं। धनीराम शांडिल और चन्द्र कुमार को छोड़कर अन्य पांच विधायक पहली बार मंत्री बने हैं। धनीराम शांडिल और चन्द्र कुमार पूर्व वीरभद्र सरकार में मंत्री रहे हैं। सुक्खू मंत्रिमंडल में अधिकतम 10 मंत्री बनाए जा सकते हैं। अभी मंत्रिपरिषद में तीन पद रिक्त हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में शिमला संसदीय क्षेत्र से पांच, कांगड़ा और मंडी संसदीय क्षेत्र से एक-एक मंत्री बने हैं। हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से कोई भी मंत्री नहीं बनाया गया है। इसकी वजह यह है कि मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री दोनों हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से हैं। प्रदेश में कांग्रेस के सत्तासीन होने के लगभग एक माह बाद मंत्रिमंडल विस्तार किया गया है। मंत्रिमंडल विस्तार से एक घंटा पहले सुक्खू सरकार ने छह विधायकों को मुख्य संसदीय सचिव नियुक्त किया है। 68 सदस्यीय हिमाचल विधानसभा चुनाव के 08 दिसम्बर 2022 को घोषित नतीजों में कांग्रेस 40 सीटें जीतकर सत्ता पर काबिज हुई है। भाजपा को 25 सीटें मिली हैं। तीन सीटों पर निर्दलीय जीते हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर 11 दिसंबर, 2022 को शपथ ली थी।

भारत की प्रगति में प्रवासी भारतीय विश्वसनीय भागीदार: शिवराज सिंह चौहान

- मुख्यमंत्री ने कहा-अतिथि देवो भव की भावना के साथ आपका मप्र में स्वागत है

इंदौर, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 17वें प्रवासी भारतीय दिवस में भाग लेने इंदौर आए अतिथियों का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि इंदौरवासियों ने आपके स्वागत के लिए पूरे शहर को रंगोली और विद्युत साज-सज्जा से जगमगाया है। मध्यप्रदेश देश का दिल है और आप हमारे दिल के टुकड़े हैं। अतिथि देवो भव की भावना के साथ मध्यप्रदेश में आपका स्वागत है। मुख्यमंत्री चौहान रविवार को युवा प्रवासी भारतीय दिवस के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सारी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। आजादी के अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए प्रवासी भारतीय विश्वसनीय भागीदार हैं। प्रवासी भारतीयों ने अपनी गतिशीलता, कड़ी मेहनत और व्यवहार से पूरी दुनिया में भारत का डंका बजाया है, अलग विलक्षण पहचान दी है, इसीलिए मैं आपका सम्मान करता हूं। मुख्यमंत्री ने युवाओं को नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करते

हुए कहा कि निश्चित लक्ष्य, कठोर परिश्रम, धैर्य के साथ चुनौतियों का सामना करते हुए आगे बढ़ने का साहस रखने से ही सफलता मिलती है। गूगल, मास्टर कार्ड, एबोड, माइक्रोसॉफ्ट जैसी तकनीक प्रधान संस्थाओं का संचालन भारतीय युवाओं के हाथों में है। सुंदर पिचाई, इंदिरा नूई जैसे लोगों ने सफलता का नया इतिहास रचा है। भारतीय युवाओं ने तकनीक और नवाचार के दम पर दुनिया में अपना लोहा मनवाया है। चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश 19.76 प्रतिशत की विकास दर के साथ लगातार आगे बढ़ रहा है। हम शीघ्र ही युवा नीति ला रहे हैं। शिक्षा के साथ उद्यमिता के विकास के लिए ग्लोबल स्किल पार्क की स्थापना की जा रही है। केवल इंदौर में ही पंद्रह सौ से अधिक स्टार्टअप आरंभ हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने प्रवासी भारतीय युवाओं को अपने नवाचार के क्रियान्वयन के लिए मध्यप्रदेश आमंत्रित करते हुए कहा कि आपका कोई भी ऐसा नवाचार हो, जिसे आप क्रियान्वित करने के इच्छुक हो तो मध्यप्रदेश सरकार आपको हरसंभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

वायु सेना की फाइटर पायलट अवनि देश के बाहर पहली बार करेंगी युद्धाभ्यास

- भारत और जापान की वायु सेनाओं के बीच हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' 12 जनवरी से

- चार सुखोई-30 एमकेआई, दो सी-17 और एक आईएल-78 टैंकर विमान हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत और जापान की वायु सेनाओं के बीच हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' जापान के हयाकुरी एयरबेस में 12 जनवरी से शुरू होगा। इस संयुक्त अभ्यास में पहली बार वायु सेना की फाइटर पायलट अवनि चतुर्वेदी देश के बाहर युद्धाभ्यास में हिस्सा लेंगी। वायु रक्षा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए होने वाली इस एक्सरसाइज में भारत के चार सुखोई-30 एमकेआई, दो सी-17 परिवहन विमान और एक आईएल-78 टैंकर विमान हिस्सा लेंगे। वायु सेना के विंग कमांडर आशीष मोघे ने बताया कि भारतीय वायु सेना जापान के साथ संयुक्त हवाई अभ्यास 'वीर गार्जियन' में हिस्सा लेने के लिए तैयार है। यह अभ्यास जापान के हयाकुरी एयर बेस में 12 से 26 जनवरी के बीच होगा। यह युद्धाभ्यास जापान के ओमिटामा में हयाकुरी एयरबेस और इसके आसपास के हवाई क्षेत्र औरसयामा में इरूमा एयरबेस में किया जाएगा।संयुक्त अभ्यास में भाग लेने वाले भारतीय दल में चार सुखोई-30 एमकेआई, दो सी-17 परिवहन विमान और एक आईएल-78 टैंकर

विमान शामिल होंगे। जापानी एयर सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेएएसडीएफ) के चार एफ-2 और चार एफ-15 विमान इस युद्धाभ्यास में भाग लेंगे। देश के बाहर होने वाले इस युद्धाभ्यास में पहली बार वायु सेना की फाइटर पायलट अवनि चतुर्वेदी हिस्सा लेंगी।

हालांकि, उन्होंने इससे पहले भारत आने वाली विदेशी वायु सेनाओं के साथ युद्धाभ्यास में हिस्सा लिया है, लेकिन विदेशी आसमान में फाइटर जेट उड़ाने का उनका पहला अनुभव होगा। अवनि चतुर्वेदी फाइटर जेट उड़ाने वाली पहली भारतीय महिला पायलट हैं। युद्ध की स्थिति में अवनि सुखोई जैसे विमान भी उड़ा सकती हैं। उनके पति विनीत छिकारा भी भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग लेफ्टिनेंट हैं। अवनि के अलावा वायु सेना की महिला मेडिकल अफसर भी जापान जाने वाले भारतीय दल का हिस्सा होंगी। जापान की राजधानी टोक्यो में 8 सितंबर, 2022 को आयोजित दूसरी विदेश और रक्षा मंत्रिस्तरीय 2 2 बैठक के दौरान भारत एवं जापान आपसी द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ाने तथा अधिक सैन्य अभ्यासों में शामिल होने पर सहमत हुए थे। इसके बाद यह पहला संयुक्त लड़ाकू जेट अभ्यास भी है, जो दोनों पक्षों के बीच सुरक्षा सहयोग में बढ़ती हुई स्थिति को दर्शाता है। इस तरह यह अभ्यास दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंधों को विस्तार देने तथा रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। विंग कमांडर मोघे ने बताया कि प्रारंभिक अभ्यास में दोनों वायु सेनाओं के बीच विभिन्न हवाई युद्ध अभ्यास आयोजित होंगे। दोनों वायु सेनाएं एक जटिल वातावरण में बहुडोमेन हवाई युद्ध मिशन में शामिल होंगी। इस दौरान सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों का आदान-प्रदान भी होगा। दोनों पक्षों के विशेषज्ञ विभिन्न परिचालन पहलुओं पर अपनी निपुणता और दक्षता साझा करने के लिए भी चर्चा करेंगे। अभ्यास 'वीर गार्जियन' भारत और जापान की दोस्ती को और मजबूत करेगा और दोनों वायु सेनाओं के बीच रक्षा सहयोग बढ़ाएगा।

योगी सरकार में गुंडों के लिए नहीं है कोई स्थान : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ, (हि.स.)। महिलाओं पर अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी करने वाले सपा के ट्विटर हैंडल संचालक पर हो रही कानूनी कार्रवाई में अड़ंगा डालने का आरोप लगाते हुए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अखिलेश यादव और उनके समर्थकों को आड़े हाथ लिया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि सोशल मीडिया पर गुंडई करने वाले लोगों को बचाने के लिए सपा प्रमुख अपने समर्थकों के साथ पुलिस मुख्यालय पर गुंडई करना चाहते हैं। हालांकि वे भूल गए हैं कि यह योगी आदित्यनाथ की सरकार है और यहां कानून को अपना काम करने से कोई नहीं रोक सकता। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश में गुंडों के लिए कोई स्थान नहीं है। सोशल मीडिया हो या कोई भी क्षेत्र किसी को आम नागरिकों के अधिकारों का हनन नहीं करने दिया जाएगा। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज चल रहा है और इससे किसी भी हालत में समझौता नहीं किया जाएगा। सोशल मीडिया पर लोग अपने विचार साझा करते हैं। दो विपरीत विचारधारा के लोग भी आपस में बातचीत करते हैं लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें बलात्कार करने या जान से मारने की धमकी दी जाए। यह बेहद शर्म की बात है और ऐसे गुंडों की पैरवी के लिए एक राजनीतिक दल का प्रमुख भी गुंडों जैसी हरकत कर रहा है। उत्तर प्रदेश की पुलिस अपना काम कर रही है और मामले को देखा जा रहा है। जिस तरह के आरोप हैं वो बेहद गंभीर हैं और किसी को भी किसी आम नागरिक के खिलाफ इस तरह के व्यवहार की अनुमति नहीं दी जा सकती। यूपी पुलिस मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी और अड़ंगा लगाने वालों के साथ भी कानून के हिसाब से निपटेगी। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने पत्रकार वार्ता कर इस पूरे प्रकरण पर कहा कि आरोपी पर पुलिस ने नियमानुसार कार्रवाई की है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी के आरोप में यूपी पुलिस ने सपा के सोशल मीडिया संचालक मनीष जगन अग्रवाल को गिरफ्तार किया है।

उनके समर्थन में अखिलेश यादव अपने समर्थकों के साथ पुलिस मुख्यालय पहुंच गए। उनके समर्थकों ने मुख्यालय के बाहर नारेबाजी और प्रदर्शन भी किया। समाजवादी पार्टी मीडिया सेल के ट्विटर हैंडल के संचालक को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। समाजवादी पार्टी के ट्विटर हैंडल से की गई अभद्र टिप्पणी को लेकर हजरतगंज कोतवाली में तीन केस दर्ज कराए गए थे। बताया गया है कि मनीष जगन अग्रवाल ही सपा का ट्विटर अकाउंट हैंडल करता था और वह सीतापुर का रहने वाला है। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने इस संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद इलेक्ट्रॉनिक फुटप्रिंट तथा सर्विस प्रोवा-इडर से सभी सूचनाएं एकत्रित करने के बाद इस मामले में विधिक और नियमानुसार कार्रवाई की गई है। आरोपी ने मयार्दा की सीमा पार कर ट्वीट किए। अभियुक्त को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 153ए, 295ए, 500, 505 एवं आईटी एक्ट की अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपित पर सिर्फ अभद्र टिप्पणी ही नहीं, बल्कि जान से मारने और बलात्कार जैसी धमकी देने के भी आरोप हैं। छह जनवरी को लखनऊ में बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया इंचार्ज डॉ. ऋचा राजपूत ने समाजवादी पार्टी मीडिया सेल नाम के ट्विटर हैंडल पर रेप और जान से मारने की धमकी दिए जाने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। इसके साथ ही ऋचा राजपूत ने अपने साथ कुछ भी होने पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को जिम्मेदार बताया था।

बीजेपी युवा मोर्चा की सोशल मीडिया प्रभारी ऋचा राजपूत ने अपने शिकायत में कहा था कि समाजवादी पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से जान से मारने और बलात्कार की धमकी दी जा रही है, मुझे कुछ होता है तो उस-की जिम्मेदारी अखिलेश यादव की होगी। ऋचा की शिकायत पर लखनऊ पुलिस ने हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया था।

मुख्यमंत्री योगी पहुंचे वाराणसी, सुफलाम संगोष्ठी में भाग लेने के बाद टेंट सिटी का लेंगे जायजा

वाराणसी,(हि.स.)। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार अपरान्ह वाराणसी पहुंचे। प्रयागराज से मुख्यमंत्री बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवा-ईअड्डे पर आये। यहां राज्यमंत्रियों और भाजपा नेताओं के साथ प्रशासनिक अफसरों ने उनकी अगवानी की। एयरपोर्ट से मुख्यमंत्री बीएचयू में आयोजित तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी सुफलाम में भाग लेने के रवाना हो गये। गोष्ठी में भाग लेने के बाद मुख्यमंत्री सड़क मार्ग से अस्सी घाट जाएंगे। अस्सी घाट से मोटरबोट से वह टेंट सिटी की तैयारियों का जायजा लेंगे। इसके बाद गंगा के रास्ते गंगा द्वार से श्री काशी विश्वनाथ धाम में प्रवेश करेंगे। मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद वह सड़क मार्ग से सर्किट हाउस जाएंगे। सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक के बाद रात में ही वापस लखनऊ लौट जाएंगे। शहर में मुख्यमंत्री की मौजूदगी को देखते हुए उनके कार्यक्रम स्थल के साथ गंगा में भी सुरक्षा का व्यापक प्रबंध किया गया है। वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस जिस मार्ग पर मुख्यमंत्री जायेंगे ,उस पर 15 मिनट पहले यातायात संचालन रोक देगी। उनके जाने के बाद यातायात शुरू हो जायेगा। शव वाहन और एंबुलेंस पर ये प्रतिबंध लागू नहीं होंगे।

2016 लाख की परियोजना से संवरेगी बाढ़ग्रस्त गांवों की सूरत

-सवायजपुर में चार बाढ़ सुरक्षा परियोजना शासन से मंजूर

हरदोई, (हि. स.) सवायजपुर विधानसभा जो पांच बड़ी और कई छोटी नदियों से घिरा हुआ क्षेत्र है। यहां पर प्रतिवर्ष बाढ़ से सैकड़ों गांवों में जन-धन की हानि होती है। विधायक माधवेंद्र प्रताप सिंह रानू के प्रयासों से तकरीबन पांच दर्जन गांवों की सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हो सकेंगे। विधायक के प्रस्तावों को शासन की हरी झंडी मिल गई है, जिसमें तकरीबन 2016 लाख की लागत की चार बाढ़ सुरक्षा परियोजना स्वीकृत हो गई है। सवायजपुर विधानसभा के भरखनी, हरपालपुर और सांडी ब्लॉक के तकरीबन एक सैकड़ा गांवों में हर वर्ष आने वाली बाढ़ से हजारों बीघे खेती बर्बाद हो जाती है। इन गांवों की सूरत सुधारने के लिए विधायक रानू ने शासन को प्रस्ताव भेजे थे। जिन पर उत्तर प्रदेश राज्य बाढ़ नियंत्रण परिषद की स्थायी समिति ने अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आहूत परिषद की बैठक में सवायजपुर विधानसभा के अंतर्गत रामगंगा नदी के किनारे पर बाढ़ से प्रभावित होने वाले संवेदनशील गांव रवियापुर, दुर्जना और बारी के आसपास बाढ़ सुरक्षा के लिए 454.60 लाख की परियोजना तो गंगा नदी के आसपास तेरवाकुल्ली, देवीपुरवा आदि गांवों में 661.96 लाख की परियोजना, गर्रा नदी के किनारे स्थित पाली नगर पंचायत, अतर्जी की 554.77 लाख की परियोजना और गर्रा नदी पर ही कहारकोला,बाबरपुर, मिरकापुर आदि गांवों में 345.00 लाख की बाढ़ सुरक्षा परियोजना को स्वीकृति मिली है। सवायजपुर विधानसभा के क्षेत्र में प्रतिवर्ष बाढ़ आने पर कई गांवों की खेती पानी में समा जाती रही है, और हर वर्ष जन धन की व्यापक हानि होती रही है। बाढ़ से मार्ग कट जाते हैं और कई गांवों का संपर्क मुख्यालय से टूट जाता था। इन परियोजनाओं की स्वीकृति के बाद क्षेत्र में विकास के कार्यों को गति मिलेगी। साथ ही हर वर्ष आने वाली बाढ़ से होने वाली घटनाओं पर भी रोक लगेगी।

बदहाल पड़े अंत्येष्टि स्थलों का जेसीबी से कराया गया समतलीकरण

-अंतिम सत्य के स्थल पर नहीं है, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों का ध्यान

औरैया, (हि. स.)। विचित्र पहल सेवा समिति ने रविवार को बदहाल पड़े गड्ढों में तब्दील यमुना तट पर स्थित अंत्येष्टि स्थलों पर अखिल भारतीय पुरवार पोरवाल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पोरवाल व वन विभाग, कानपुर के रेंजर लक्ष्मी कांत दुबे के आर्थिक सहयोग से द्वितीय चरण का जेसीबी मशीन द्वारा समतलीकरण कराया जा रहा है। समिति के संस्थापक आनन्द नाथ गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि यमुना तट पर समिति द्वारा जन सहयोग से प्रथम चरण का समतलीकरण विगत 17 दिसम्बर को प्रारंभ किया गया था।यमुना नदी में आई बाढ़ के उपरांत श्मशान घाट पर काफी लंबी दूरी तक मिट्टी का कटान होने के कारण लोगों को अपने परिजनों की अंत्येष्टि करने में काफी असुविधा हो रही थी।यमुना तट पर शहर व आसपास ग्रामीण क्षेत्रों की लगभग दस अंत्येष्टियां रोज होती हैं। शवों के साथ यहां हजारों लोगों का प्रतिदिन आवागमन होता है।

गौरतलब है कि सरकार के अथक प्रयासों के बावजूद क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों की अनदेखी के चलते करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र यमुना नदी में अनवरत कई गंदे नाले गिर रहे हैं,जिससे यमुना नदी दिन प्रतिदिन मैली होती जा रही है। यमुना तट पर स्थित अंत्येष्टि स्थलों का समतलीकरण जन सहयोग से कराया जा रहा है,जिससे लोगों को अपने परिजनों की अंत्येष्टि करने में सहूलियत मिलेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से सभासद छैया त्रिपाठी, विनोद यादव (कल्लू), सभासद पंकज मिश्रा, बैंक से सेवानिवृत्त योगेश गुप्ता, सुनील अवस्थी, मोहित अग्रवाल (लकी), यश अवस्थी, सतीश पोरवाल आदि सदस्य मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नर ने किया SOG ऑफिस का उद्घाटन

आगरा, (हि.स.)। आगरा जनपद में यूपी के पहले SOG ऑफिस का उद्घाटन किया गया। पुलिस कमिश्नर डा. प्रीतिंदर सिंह द्वारा पुलिस लाइन में अन्य अधिकारियों संग ऑफिस का उद्घाटन किया गया। इस ऑफिस को अपराधियों के खिलाफ पुलिस को सख्ती से कार्यवाही करने के लिए बनाया गया है। आगरा जनपद में आज रविवार को यूपी के पहले SOG (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ऑफिस का उद्घाटन किया गया है। आगरा पुलिस लाइन में पुलिस कमिश्नर डॉ. प्रीतिंदर सिंह के द्वारा ऑफिस का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान डीसीपी, एसीपी समेत क्राइम ब्रांच, एसओजी, सर्विलांस, साइबर सेल के अधिकारी भी मौजूद रहे। इस ऑफिस को अपराधियों के खिलाफ पुलिस को सख्ती से कार्यवाही करने में मदद के लिए बनाया गया है। यूपी के इस पहले रडऋ ऑफिस के साथ क्राइम ब्रांच, एसओजी, सर्विलांस, साइबर सेल की टीमें संयुक्त तरीके से काम करेंगी। सभी टीमों के एक साथ कोऑर्डिनेशन की मदद से अपराध को कम करने में मदद मिलेगी। इस ऑफिस में मैस, रात को रुकने और तकनीकी से जुड़ी सुविधाएं मिल सकेंगी।

मजदूर नेता रमेश विश्वकर्मा की गोली मारकर हत्या

रामगढ़, (हि.स.)। रजरप्पा थाना क्षेत्र के रजरप्पा में सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र के मजदूर नेता रमेश विश्वकर्मा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस वारदात की तफ्तीश करने एस-डीपीओ किशोर कुमार रजक खुद पहुंचे। रविवार को उन्होंने जांच करने के बाद बताया कि रमेश विश्वकर्मा अपनी पार्टी कार्यालय में बैठे हुए थे, इसी दौरान शनिवार रात 8 बजे अपराधी पहुंचे और उन पर कई गोलियां चला दी। जिससे कि उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस शव को पार्टी कार्यालय से उठाकर ले गई है। वहीं घटनास्थल से देशी कट्टा भी मिला है। रमेश विश्वकर्मा श्रमिक संगठन आरकेएमयू के क्षेत्रीय सचिव थे। वे क्षेत्र में कई आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। सीसीएल रजरप्पा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ते रहते थे। रजरप्पा कोयलांचल के बड़े मजदूर नेता रमेश विश्वकर्मा की निर्मम हत्या से लोग मर्माहत है। क्योंकि मजदूर नेता रमेश विश्वकर्मा हमेशा भ्रष्टाचार और गलत कार्यों के खिलाफ लड़ाई लड़ा है। सीसीएल के रजरप्पा कोलियरी क्षेत्र में होने वाले गलत और अवैध कारोबार का वे बराबर विरोध करते थे। जिसके कारण रमेश विश्वकर्मा रजरप्पा कोयलांचल के मजदूर यूनियन के नेताओं एवं राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं के आंखों के किरकिरी बने हुए थे। रमेश विश्वकर्मा ने कई दफे बड़े मामले को उठाया था। नेता जब उनसे नहीं सके तो पारिवारिक विवाद में उन्हें जेल भी भिजवाया। सीसीएल से उन्हें निलंबित कराया गया। लेकिन रमेश विश्वकर्मा लड़कर सारे मामले को पीछे छोड़ते हुए आगे निकल गए थे। सीसीएल को फिर से उन्हें नौकरी पर रखना पड़ा था। पिछले कुछ समय पूर्व रमेश विश्वकर्मा ने रजरप्पा क्षेत्र के एक आईएएस बनने के गलत मामले में एक लड़की के मामले को भी उजागर किया था। कई ऐसे मामले में रमेश विश्वकर्मा ने लड़ाई लड़ी थी। मजदूर नेता रमेश विश्वकर्मा से फेशियल रजरप्पा क्षेत्र के पदाधिका-री हमेशा परेशान रहा करते थे। सीसीएल के कई गलत कार्यों का उन्होंने उजागर किया था। उनकी हत्या किसी बड़ी साज़िश की ओर इशारा कर रही है।

धनबाद के तोपचांची सब्जी बाजार में बम विस्फोट, सात गंभीर रूप से घायल

धनबाद, (हि.स.)। जिले के तोपचांची थाना क्षेत्र अंतर्गत सुभाष चौक पर रविवार दोपहर बम विस्फोट होने से पांच महिलाओं सहित सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को धनबाद के एसएनएमएमसीएच में भर्ती कराया गया है। बम एक बाइक की डिक्की में रखा था जो धमाके के साथ फट पड़ा। बताया जा रहा है कि धनबाद के गोमो का रहने वाला पिंकू बाइक में विस्फोटक पदार्थ लेकर जा रहा था। वह सुभाष चौक के समीप बाजार में सब्जी लेने के लिए रुका। इस बीच उसके बाइक में रखा विस्फोटक जोरदार आवाज के साथ फट पड़ा। विस्फोट इतना जोरदार था कि उसके धमाके से आसपास की कई दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं।

घटनास्थल पर लगी सब्जी की दुकानें मलबे में तब्दील हो गईं। चारों ओर खून बिखर गया। लोग जमीन पर पड़े दर्द से कराहने लगे। लोग सड़क पर इधर-उधर भागने लगे। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल एसएनएमएमसीएच भेजा गया। इस घटना में पांच महिलाओं समेत सात लोग घायल बताए जाए रहे हैं। इस घटना के लिए जिम्मेवार बताए जा रहे पिंकू कुमार की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। पुलिस घटनास्थल पर छानबीन कर रही है।

ईश्वरनाथ ने हरदोई का नाम किया रोशन, बनाया शीर्षासन में कीर्तिमान

-गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधि बने गवाह

हरदोई, (हि. स.) शतायु होने की ओर बढ़ रहे हरदोई जिले के रहने वाले 86 वर्षीय योग साधक ईश्वरनाथ गुप्ता ने जिले का नाम रोशन करने का काम किया है। ईश्वरनाथ गुप्ता ने योगासन में सबसे मुश्किल समझे जाने वाले शीर्षासन में विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली जनवरी को भारत विकास परिषद, राउरकेला शाखा द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड के प्रतिनिधि और कई गणमान्य व्यक्तियों के समक्ष ईश्वर नाथ गुप्ता ने लगातार छह मिनट तक शीर्षासन में टिके रहकर विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। इस मौके पर पोस्टल स्टॉम्प भी रिलीज किया गया। राउरकेला के कोयलनगर निवासी ईश्वरनाथ गुप्ता के शीर्षासन के वर्ल्ड रिकॉर्ड ने हरदोई का मान भी बढ़ाया है क्योंकि वे हरदोई में ही जन्मे और पले-बढ़े हैं। ईश्वरनाथ गुप्ता का जन्म 14 मई 1936 को हरदोई के मोहल्ला वैटगंज में हुआ था। उन्होंने प्रारम्भिक पढ़ाई हरदोई से और विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई लखनऊ विश्वविद्यालय से की। आ-ईआईटी खड़गपुर से इंजीनियरिंग करने के बाद उन्होंने अपने कार्य जीवन की शुरूआत टाटा स्टील जमशेदपुर से की। 1960 में वे हिन्दुस्तान स्टील लिमिटेड, राउरकेला स्टील प्लांट में आ गए। कालांतर में वे ट्रेनिंग हेतु अमेरिका के बेतेहेलम स्टील प्लांट गए। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने फिर राउरकेला स्टील प्लांट से जुड़ गए। ईश्वरनाथ क्रियायोग एक्सपर्ट हैं और परमहंस योगानंद की योगदा सत्संग सोसाइटी से जुड़े हैं। वे श्रीमद्भागवत गीता के समर्पित अनुयायी हैं और आजकल गीता सार पर कार्य कर रहे हैं। अनु-शासन के पक्के ईश्वरनाथ आज भी प्रतिदिन योग प्राणायाम और ध्यान करते हैं। ईश्वरनाथ गुप्ता के इस कीर्तिमान से हरदोई जिले का नाम विश्व पटल पर रोशन होने से जिलेवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

शीर्षासन कर कीर्तिमान स्थापित करने वाले ईश्वरनाथ गुप्ता

नौकरी नहीं तो राजनीति से संन्यास वाली हेमंत की घोषणा का क्या हुआ : बाबूलाल मरांडी

रांची, (हि.स.)। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने र-विवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जनता से किये गये उनके वादों की याद दिलाई है। बाबूलाल ने 2019 के विधानसभा चुनाव से पहले हेमंत सोरेन के किये गये उस ट्विट को शेयर किया है, जिसमें उन्होंने पांच लाख नौकरी और बेरोजगारी भत्ता देने की बात कही थी। मरांडी ने कहा कि न राज्य में पांच लाख नौकरी मिली, न बेरोजगारों को भत्ता और न ही खुलेआम नौकरी नहीं तो राजनीति से संन्यास लेने की घोषणा करने वाले मुख्यमंत्री का इस्तीफा आया। आखिर मुख्यमंत्री बिना नियोजन नीति के राज्य के युवाओं को कैसे नौकरियां देंगे। मरांडी ने कहा कि सरकार के संरक्षण-सहयोग में पल रहे दलाल, बिचौलिये, माफिया और कुछ बेईमान अफसरों के खिलाफ ईडी की ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद पत्थर चोरी का धंधा मंद पड़ा गया था लेकिन वह धंधा फिर तेज हो गया है। रांची के ओरमांझी में शनिवार को अवैध पत्थर खनन विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत इसी का परिणाम है। रांची-खूंटी रोड पर दस माईल चौक के पास जो अवैध खदान, क्रशर बंद करवाये गये थे, वो फिर तेज गति से काम में लग गये हैं। साहिबगंज और दुमका के इलाके में भी अवैध पत्थर खनन शुरू हो गया है। बाबूलाल ने आरोप लगाया है कि पिंडरगरिया रेलवे साइडिंग पर तो सोरेन राज परिवार ने ऐसा कब्जा किया है कि वहां दूसरे को रेक लोड की इजाजत नहीं है। झारखंड की नदियों से बालू सफाचट करके अब ये लोग अपने कारोबार साम्राज्य का विस्तार बिहार की नदियों तक कर रहे हैं।

कुत्तों का एनकाउंटर करने पर सांसद मेनका गांधी ने जताई आपत्ति

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के बेगूसराय जिला में कुत्ता के काटने से दस लोगों की मौत एवं 40 से अधिक लोगों के घायल होने के बाद देश में पहली बार कुत्तों का एनकाउंटर अभियान चलाया गया। वन एवं पर्यावरण विभाग की टीम द्वारा एनकाउंटर में मार दिया गया। लेकिन अब यह एनकाउंटर करना प्रशासन के लिए मंहगा पर गया है। तेघड़ा अनुमंडल के बछवाड़ा एवं भगवानपुर दियारा क्षेत्र में किए गए कुत्तों के इस अजूबे एनकाउंटर को लेकर राष्ट्रीय पशु अधिकार संरक्षक एक्टीविस्ट सह भाजपा सांसद मेनका गांधी एक्शन में आ गई है। पशु संरक्षक एक्टीविस्ट सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी ने बेगूसराय के डीएम रोशन कुशवाहा तथा तेघड़ा के एसडीओ राकेश कुमार को फोन कर कुत्तों का एनकाउंटर करने पर कड़ी आपत्ति जताई है।

मेनका गांधी के एक्शन में आते ही जिला प्रशासन के आदेश पर कुत्तों के एनकाउंटर अभियान पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। आदमखोर कुत्तों का एनकाउंटर रोक दिए जाने इलाके में एक बार फिर दहशत कायम हो गया है। तेघड़ा एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री सह भाजपा सांसद मेनका गांधी ने फोन कर बेजुबान कुत्तों के एनकाउंटर अभियान में शामिल अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई तथा निलंबित करवाने की बातें कही है। उन्होंने फोन कर जिला प्रशासन पर झूठी कहानी गढ़कर प्रशासन द्वारा निर्दोष कुत्तों को मारने का आरोप लगाया है। मेनका गांधी ने कहा है कि यदि कुत्तों ने ग्रामीणों पर जानलेवा हमला भी किया तो प्रशासन को बेजुबान कुत्तों की गोली मारकर निर्मम हत्या करने का कोई अधिकार नहीं है, इसका उपाय करना चाहिए हत्या नहीं। मेनका गांधी के एक्शन में आने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों में हड़कंप मच गया है। अन्य एनिमल एक्टिविस्टों का भी कहना है कि एक साथ इतनी संख्या में कुत्ते आदमखोर नहीं हो सकते हैं, एनकाउंटर ही इसका विकल्प नहीं है। लोगों को इन आदमखोर कुत्तों से बचाना जरूरी है, लेकिन कुत्ते आदमखोर क्यों हुए, इसका सही कारण क्या है, उसका मंथन करके निष्कर्ष निकाला जाना चाहिए था। फिलहाल डीएम के आदेश पर प्रश-ासन की टीम बैक फूट पर आकर फिलहाल कुत्तों के एनकाउंटर अभियान को रोक दिया है। एसडीओ ने बताया कि विगत दस महीने में बछवाड़ा एवं भगवानपुर दियारा क्षेत्र में आदमखोर कुत्तों ने दस लोगों पर जानलेवा हमला कर मौत की नींद सुला दिया तथा आवारा कुत्तों के काटने से 40 से अधिक लोग घायल हुए हैं। कुत्तों के आतंक से पीड़ित लोगों की शिकायत पर डीएम के आदेश से वन एवं पर्यावरण विभाग के शार्प शूटरों को कुत्तों को मारने के लिए पटना से बुलाया गया था। पटना से आई आखेटक टीम ने बछवाड़ा एवं भगवानपुर के दियारा क्षेत्रों में तेघड़ा एसडीओ और डीएसपी के नेतृत्व में 13 दिन के अंदर तीन ता-रीखों में एनकाउंटर अभियान चलाकर 43 आवारा कुत्तों को ढ़ेर कर दिया। कुत्तों को मारकर प्रशासन की टीम ग्रामीणों में वाहवाही लूट रही थी। इसी बीच राष्ट्रीय पशु अधिकार संरक्षक एक्टीविस्ट सह पूर्व केन्द्रीय मंत्री और भाजपा सांसद मेनका गांधी ने बेजुबान कुत्तों का एनकाउंटर करने वाले दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बातें कहकर सनसनी फैला दी है।

बिहार बोर्ड ने मैट्रिक की परीक्षा के लिए जारी किया एडमिट कार्ड

पटना, (हि.स.)। बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड आज जारी कर दिया गया। यह एडमिट कार्ड बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट secondary biharboardonline.com पर 15 जनवरी तक उपलब्ध रहेंगे। बिहार बोर्ड मैट्रिक परीक्षा का एडमिट कार्ड केवल उन परीक्षार्थियों का जारी किया गया है, जो सेंटअप परीक्षा में शामिल हुए थे। बिहार बोर्ड मैट्रिक की परीक्षा 14 से 22 फरवरी तक होगी। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर स्कूल प्रिंसिपल अपनी लॉगइन आईडी और पासवर्ड से एडमिट कार्ड डाउनलोड करेंगे। इसका प्रिंट आउट निकाल कर हस्ताक्षर के बाद ही छात्रों को दिया जायेगा।

हम पार्टी ने दानिश रिजवान को सभी पदों से किया मुक्त

पटना, (हि.स.)। गंभीर आरोपों में घिरे हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राष्ट्रीय महासचिव दानिश रिजवान को जीतन राम मांझी ने पार्टी के सभी पदों से मुक्त कर दिया है। दानिश को पदों से मुक्त करते हुए जीतन राम मांझी ने कहा है कि अगर दानिश दोषमुक्त हो जाएंगे तो उनको फिर से पार्टी में जगह मिल जाएगी। उल्लेखनीय है कि झा-रखंड के रांची स्थित अरगोड़ा थाना क्षेत्र के सहजानंद चौक के समीप विगत 13 दिसंबर, 2022 को चर्चित महिला सुषमा बड़ाईक को गोली मारी गई थी। इस मामले में पुलिस ने गुरुवार को आरोपित हम पार्टी के राष्ट्रीय प्र-वक्ता दानिश रिजवान को गिरफ्तार किया है। इसके बाद पार्टी की छबि खराब होते देख पार्टी ने आज उन्हें सभी पदों से मुक्त कर दिया। इसे हम पार्टी के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है।

संपादकीय

श्री सम्मेद शिखरजी पर सरकार का स्वागतोग्य निर्णय

झारखंड के पारसनाथ में स्थित श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन केंद्र बनाने के निर्णय पर रोक लगाकर और उसे पवित्र तीर्थ स्थल ही बनाए रखने का निर्णय का सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। जैन समुदाय ही नहीं, अपितु समस्त हिन्दु समाज की ओर से केन्द्र सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि पारसनाथ स्थित पवित्र तीर्थ स्थल श्री सम्मेद शिखरजी को पर्यटन केंद्र बनाए जाने के झारखंड सरकार के निर्णय का जैन समाज की ओर से शांतिपूर्ण विरोध किया जा रहा था। जैन समुदाय के साथ हिन्दू धर्म के अन्य संप्रदाय भी राज्य सरकार के इस निर्णय का विरोध कर तीर्थ स्थल की पवित्रता को बनाए रखने की माँग कर रहे थे। देश के आंदोलनजीवियों को श्री सम्मेद शिखरजी के संरक्षण के लिए चले आंदोलन से सीख लेनी चाहिए। जैन समुदाय के साथ ही खड़े अन्य लोगों ने तो किसी सड़क को महीनों के लिए रोका, न ही स्थायी तंबू लगाए और न ही हिंसक प्रदर्शन किए। महीनों से शांतिपूर्ण ढंग से, बिना किसी को परेशान किए, यह आंदोलन चल रहा था। यही कारण रहा कि छोटे से समूह से शुरू हुआ यह आंदोलन शीघ्र ही अखिल भारतीय आंदोलन बन गया। करोड़ों लोगों ने आंदोलन को अपना समर्थन दिया। बहरहाल, जैन समुदाय के बंधुओं के लिए इस स्थान का कितना अधिक महत्व है, इस बात को ऐसे समझें कि जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने श्री सम्मेद शिखरजी को बचाने के लिए आमरण अनशन करते हुए अपने प्राण तक त्याग दिए। जैन समुदाय से जुड़े लोग श्री सम्मेद शिखरजी के कण-कण को पवित्र मानते हैं। झारखंड के गिरिडीह जिले में पारसनाथ पहाड़ी पर स्थित श्री सम्मेद शिखरजी को पार्श्वनाथ पर्वत भी कहा जाता है। ये जगह लोगों की आस्था से जुड़ी हुई है। संपूर्ण हिन्दु धर्म के लोग श्री सम्मेद शिखरजी के दर्शन करते हैं और 27 किलोमीटर के क्षेत्र में फैले मंदिरों में पूजा करते हैं। यहां पहुंचने वाले लोग पूजा-पाठ के बाद ही कुछ खाते-पीते हैं। जैन समुदाय कितना सात्विक है, यह सब लोग जानते ही हैं। हम यह भी जानते हैं कि जब किसी स्थान को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित कर दिया जाता है, तब वहाँ खान-पान की मर्यादा भंग हो जाती है। ऐसे अनेक धार्मिक पर्यटन स्थल हमारे ध्यान में जहाँ माँस-मदिरा की बिक्री एवं सेवन के साथ ही मौज-मस्ती को देखकर श्रद्धालुजन बहुत दुःखी होते हैं! ऐसी स्थिति में जो श्रद्धालु यहाँ आत्मिक सुख-शांति के लिए आते हैं, उनका मन भीतर से खिन्न हो जाता है। इस प्रकार की गतिविधियां ईश्वर की आराधना में भी बाधाएं उत्पन्न करती हैं। इसलिए इस तीर्थ स्थल को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने का विरोध किया जा रहा था। भले ही झारखंड सरकार ने वादा किया था कि वह यहाँ माँस-मदिरा की बिक्री नहीं होने देगी, लेकिन हम जानते हैं कि बाद में सरकारें कैसे अनैतिक गतिविधियों से मुंह मोड़ लेती हैं। जो सरकार अभी श्रद्धालुओं की माँग सुनने को तैयार नहीं थी, वह बाद में भला ही क्या अनैतिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखती। केंद्र सरकार को साधुवाद कि उसने हस्तक्षेप करते हुए श्रद्धालुओं के हितों की चिंता की और एक पवित्र तीर्थ स्थल की पवित्रता को बचाए रखने का निर्णय लिया। हमारी सरकारों को यह ध्यान रखना होगा कि इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए और भी बहुत प्राकृतिक स्थान हैं, धार्मिक स्थलों को इस प्रकार की गतिविधियों से दूर ही रखें तो अच्छा रहेगा।

> जैन समुदाय के साथ ही खड़े अन्य लोगों ने तो किसी सड़क को महीनों के लिए रोका, न ही स्थायी तंबू लगाए और न ही हिंसक प्रदर्शन किए। महीनों से शांतिपूर्ण ढंग से, बिना किसी को परेशान किए यह आंदोलन चल रहा था। यही कारण रहा कि छोटे से समूह से शुरू हुआ यह आंदोलन शीघ्र ही अखिल भारतीय आंदोलन बन गया। करोड़ों लोगों ने आंदोलन को अपना समर्थन दिया। बहरहाल, जैन समुदाय के बंधुओं के लिए इस स्थान का कितना अधिक महत्व है, इस बात को ऐसे समझें कि जैन मुनि सुज्ञेयसागर महाराज ने श्री सम्मेद शिखरजी को बचाने के लिए आमरण अनशन करते हुए अपने प्राण तक त्याग दिए। जैन समुदाय से जुड़े लोग श्री सम्मेद शिखरजी के कण-कण को पवित्र मानते हैं। झारखंड के गिरिडीह जिले में पारसनाथ पहाड़ी पर स्थित श्री सम्मेद शिखरजी को पार्श्वनाथ पर्वत भी कहा जाता है। ये जगह लोगों की आस्था से जुड़ी हुई है।

अमृत कलश

जीवन संगीत

पिछले वर्ष नव वर्ष की पूर्व संध्या पर करीब 40 मित्र मिलकर पार्टी का मजा ले रहे थे तभी एक मित्र के मन में विचार आया कि क्यों न वहां उपस्थित सभी लोगों से उनके जीवन का श्रेष्ठ गीत जाना जाए। सभी को एक-एक छोटी चिट दी गई। 5 मिनट में ही सबकी चिट तैयार थी। हर पर्ची में व्यक्ति की पसंद का गाना व उसका नाम लिखा था। कुछ पक्षियों पर नजर डालकर पता लगा कि पिछले 3 दशकों में किस के गाने सर्वाधिक लोकप्रिय रहे। एक पर्ची पर नए से गाने की पंक्तियां व पर्ची लिखने वाले का नाम था। गीतकार का कोई पता न था। बहुत सारी पर्चियों के गानों पर मौज-मस्ती, चर्चा व हंसी ठहाकों के बाद यह पर्ची सामने आई। वहां उपस्थित सभी लोग चकित थे। उन्होंने तो यह गीत कभी सुना ही ना था तत्काल वह गीत लिखने वाले व्यक्ति को मंच पर बुलाया गया ताकि वह बता सके कि गीत किसका है व उसे इतना प्रिय क्यों है। वह व्यक्ति मंच पर पहुंचा और शांत स्वर में कहा कि यह गीत उसकी 50वीं सालगिरह पर पिछले सप्ताह उसकी मां ने लिखा व तैयार किया था। उस गीत में उसके जीवन के विभिन्न पहलुओं के साथ जीवन वृत भी शामिल था। उसमें उसके जीवन की प्रत्येक महत्वपूर्ण घटना ली गई थी। उस गाने के बोलों ने वहां बैठे सभी लोगों के दिल को छू लिया। कारण यही था कि वह जीवन संगीत एक स्नेही मां के हार्दिक उद्गार थे। जिन गीतों में व्यक्ति अपने मनोभावों को पिरोता है, अपने अंतस की आवाज को उन्होंने उंडेलता है, उनमें उसकी आत्मा अभिव्यक्त होती है। यह हमारी आत्मा को, हमारी संवेदनाएं को स्पर्श करती है।

बोध कथा

अंधे बुजुर्ग की वाणी

एक समय की बात है एक राजा जंगल में भ्रमण के लिए निकले। भ्रमण करते-करते राजा को प्यास लगी, पानी के लिए इधर-उधर नजर दौड़ने के बाद उन्हें एक झोपडी दिखाई दी। जहां एक अँधा बुजुर्ग आदमी बैठा हुआ था और उसके पास ही जल से भरा हुआ एक मटका रखा हुआ था। राजा ने सिपाहियों को आदेश दिया की वे उस व्यक्ति के पास जाये और एक लोटा जल मांग कर लाएं। सिपाही उस व्यक्ति के पास चले गए और उस व्यक्ति से बोलने लगे – ऐ अन्धे एक लोटा पानी दे दे। अँधा व्यक्ति तुरंत अकड़ कर बोला – चल-चल यहां से निकल, तेरे जैसे सिपाहियों से मै नहीं डरता, तुम लोगों को एक बून्द भी पानी नहीं दूंगा मैं। सिपाही निराश होकर लौट आये। उसके बाद राजा ने सेनापति को पानी लाने के लिए भेजा। सेनापति उस व्यक्ति के पास जाकर बोला – ऐ अन्धे, पानी दे दे, तुझे बहुत सारे रकम इनाम में मिलेगा। अन्धा व्यक्ति फिर अकड़ कर बोला – पहले वाले का यह सरदार मालूम पड़ता है। अन्धे व्यक्ति ने गुस्से से कहा चल यहाँ से निकल, नहीं मिलेगा पानी तुझे। इस तरह सेनापति को भी खाली हाँथ वापस लौटना पड़ा

सेनापति को खाली हाँथ वापस आता देख राजा स्वय चल पड़े उस व्यक्ति के पास पानी मांगने। फिर उस वृद्धजन के पास पहुंचकर सबसे पहले उसे नमस्कार किया और कहा – प्यास से गला सुख रहा है बाबा, एक लोटा पानी दे सकें तो आपकी बड़ी कृपा होगी। अन्धे बुजुर्ग ने सत्कारपूर्वक उन्हें पास बिठाया और कहा " आप जैसे श्रेष्ट व्यक्ति का राजा जैसे आदर है " एक लोटा जल क्या मेरा सब कुछ आपकी सेवा में हाजिर है, कोई और सेवा हो तो बताइये। राजा ने सीतल जल से अपनी प्यास बुझाई फिर नम्र वाणी से पूछा की आपको तो दिखाई नहीं पड़ रहा फिर आपने जल मांगने आये लोगों को कैसे पहचान लिया।

उस अन्धे व्यक्ति ने कहा – वाणी से हर व्यक्ति के स्तर का पता चलता है।

नवनिर्वाचित पार्षद एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंक रहे थे

दिल्ली नगर निगम सदन में हुए हंगामे से उभरते सवाल मांग रहे जवाब

कमलेश पांडे

> पहला, शपथ ग्रहण समारोह के बीच एमसीडी के प्रशासक उपराज्यपाल द्वारा नामित 10 पार्षदों को पहले शपथ दिलाए जाने के सवाल पर आप के नवनिर्वाचित पार्षदों ने जिस तरह से विरोध जताया और फिर बीजेपी पार्षदों ने भी नहले पर दहला वाली प्रतिक्रिया दी, उसके बाद तो दोनों खेमों के बीच एमसीडी सदन में लात-घूंसे और कुर्सियां सबकुछ चलीं। यह सिलसिला आखिर कबतक थमेगा। क्योंकि सदन में संख्या बल में आप और बीजेपी में मामूली सा अंतर है। दूसरा, इस अप्रत्याशित हंगामे से देश की राजधानी दिल्ली में लोकतंत्र एक बार फिर शर्मसार हुआ है, क्योंकि दिल्ली के गौरवशाली राजनीतिक इतिहास में ऐसा मंजर पहले कभी नहीं देखा गया, जब नवनिर्वाचित पार्षद एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंक रहे थे।

दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय सिविक सेंटर में 6 जनवरी 2023 को आहूत शपथ ग्रहण समारोह के दौरान और उसके पश्चात होने वाले महापौर के चुनाव से पहले सत्ताधारी आप और विपक्षी भाजपा के पार्षदों ने जो अपना रौद्र रूप दिखाया है, उससे कई सवाल उपजना लाजिमी है।यदि समय रहते इन सवालों का जवाब मिल जाये तो वह भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ रहेगा। पहला, शपथ ग्रहण समारोह के बीच एमसीडी के प्रशासक उपराज्यपाल द्वारा नामित 10 पार्षदों को पहले शपथ दिलाए जाने के सवाल पर आप के नवनिर्वाचित पार्षदों ने जिस तरह से विरोध जताया और फिर बीजेपी पार्षदों ने भी नहले पर दहला वाली प्रतिक्रिया दी, उसके बाद तो दोनों खेमों के बीच एमसीडी सदन में लात-घूंसे और कुर्सियां सबकुछ चलीं। यह सिलसिला आखिर कबतक थमेगा। क्योंकि सदन में संख्या बल में आप और बीजेपी में मामूली सा अंतर है। दूसरा, इस अप्रत्याशित हंगामे से देश की राजधानी दिल्ली में लोकतंत्र एक बार फिर शर्मसार हुआ है, क्योंकि दिल्ली के गौरवशाली राजनीतिक इतिहास में ऐसा मंजर पहले कभी नहीं देखा गया, जब नवनिर्वाचित पार्षद एक दूसरे पर कुर्सियां और माइक फेंक रहे थे। स्थिति की गम्भीरता का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि ना तो पार्षदों का शपथ ग्रहण हो सका और ना ही मेयर चुनाव। लिहाजा, जब शपथ ग्रहण समारोह और मेयर चुनाव की जब अगली तिथि मुकर्रर होगी तो इस बात की गारंटी कैसे मिलेगी कि इतिहास खुद को नहीं दोहराएगा। तीसरा, जब संख्या बल स्पष्ट है तो फिर भ्रांति किसे और क्यों है? क्योंकि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में चुने हुए पार्षदों की कुल संख्या 250 है, जिनमें से 134 पार्षद आम आदमी पार्टी से चुनकर आये हैं, जबकि 104 पार्षद भारतीय जनता पार्टी से चुनकर आये हैं। वहीं, 9 पार्षद कांग्रेस के हैं, जबकि 3 पार्षद अन्य दलों से या निर्दलीय चुनकर आये हैं। वहीं, 10 पार्षद मनोनीत किये गए हैं। बीजेपी के 7 लोकसभा सांसद और आप के 3 राज्यसभा सांसद हैं। ये सभी वोटिंग के अधिकारी हैं। निगम एक्ट के मुताबिक, मनोनीत पार्षद को जोन में वोट करने का अधिकार है, लेकिन सदन में वोट करने का अधिकार नहीं है। एमसीडी के नए एक्ट में भी वोट का प्रावधान नहीं है। ऐसे में जब

सब कुछ स्पष्ट है तो फिर आप या भाजपा को चिंता करने या दांवपेंच चलाने की कोई जरूरत नहीं है। चौथा, आखिर कबतक थमेगा अनर्गल आरोप-प्रत्यारोप का यह सिलसिला। क्योंकि आप का आरोप है कि भाजपा नामित पार्षदों को वोट करने का अधिकार देना चाहती है। उनके सहारे भाजपा अपना मेयर बनाना चाहती है। एमसीडी की परंपरा के विपरीत चुनकर आने वाले पार्षदों के बजाय, जब नामित पार्षदों का शपथ पहले हुआ तो उसे लेकर विरोध हुआ। इस दौरान आप पार्षद प्रवीण कुमार पर हमला किया गया। भाजपा आप पार्षदों की हत्या करना चाहती है। वह सदन के अंदर जीत हासिल करने के लिए खूनी खेल पर उतर आई है। वहीं भाजपा का आरोप है कि आप पार्षदों ने पूर्व नियोजित योजना के आधार पर हंगामा और मारपीट की। यह दिल्ली के लिए बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हंगामा कर पार्षदों को शपथ लेने से रोक दिया है। भाजपा ने सदन में हुई इस घटना की जांच कराने की मांग करते हुए आप कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की जरूरत बताई है। पार्टी का कहना है कि बीते कुछ दिनों से जिस तरह मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल स्वयं कानूनी प्रावधानों की अवहेलना कर बयानबाजी और पत्राचार कर रहे हैं, वह सीधे अपने पार्षदों को हिंसा करने के लिए उकसावे जैसा है और हुआ भी यही। पांचवां, ऐसे में सीधा सवाल यह है कि जब देश में कानून बनाने वाली सर्वशक्तिमान संस्थाओं के माननीय सदस्यों का आचरण ही ऐसा है, तो आम लोग उनसे क्या सीखेंगे, समझा जा सकता है। वैसे भी दिल्ली को लघु भारत समझा जाता है, इसलिए यहां पर घटित होने वाली हर घटना का असर पूरे राष्ट्र की मानसिकता पर पड़ता है। सवाल यह भी है कि जब उनका आचरण ही ऐसे अनियंत्रित है, तो फिर वो अपने पक्ष में कैसे-कैसे कानून बनाते होंगे, यह समझना मुश्किल नहीं है। शायद देश व देशवासियों की दुर्दशा की वजह भी यही है कि हमारे जनप्रतिनिधि स्थापित मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पित नहीं हैं और सत्ता पाने या उसमें बने रहने के लिए वो किसी भी हद तक जा सकते हैं। छठा, सवाल है कि हमारे संसद के दोनों सदनों, विधान मंडलों और त्रिस्तरीय स्थानीय निकायों से जुड़े सदनों में पक्ष-विपक्ष के बीच हाथापाई से लेकर मारपीट तक, जो कुछ भी होता आया है, उसके आगे भी थमने के आसार नहीं हैं। क्योंकि सदन के भीतर कुछ भी करने और अपेक्षित न्यायोचित कार्रवाई से बचने का विशेषाधिकार इन्होंने खुद से ही हासिल कर रखा है। जनता इन्हें हरा सकती है, लेकिन इनके किसी कुकृत्य के लिए कानूनन सजा नहीं दिला सकती, जब तक कि ये सदन में हों। वैसे तो इनके ऊपर कार्रवाई करने का पूरा अधिकार सदन अध्यक्ष यानी आसन के पास होता है, लेकिन उनके स्तर से भी निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई यदि की गई होती, तो यह सिलसिला कब का थम चुका होता। सातवां, हमारे माननीय सांसदगण, विधायकगण और पार्षदगण को यह सोचना चाहिए कि भारतीय लोकतंत्र में वो राजा के समतुल्य हैं और सभी सुविधाओं का उपभोग कर रहे हैं। वहीं, उनकी देखा देखी यानी यथा राजा तथा प्रजा के तर्ज पर अब समाज में भी कुछ लोग ऐसे ही बेतुके आचरण प्रदर्शित करने लगे हैं। भले ही ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के प्रावधान हैं, लेकिन किसी जनप्रतिनिधि यानी सत्ताधारी वर्ग से जुड़े होने के चलते वो भी सख्त कानूनी कार्रवाई से प्रायः बचते आये हैं। वो भी तभी तक, जब तक कि मामला कोर्ट नहीं पहुंच जाए। आठवां, उम्मीद है कि एमसीडी का यह अप्रत्याशित हंगामा भी देर-सबेर कोर्ट तक जरूर पहुंचेगा और बीजेपी इसी दिशा में सक्रिय हैं। उसे पता है कि आप हर तरह से बीजेपी को बदनाम करके उसका राजनीतिक लाभ उठाती आई है, इसलिए अब असंवैधानिक आचरण प्रदर्शित करने वाले आप नेताओं को वह कोर्ट तक घसीटेगी, ताकि उनके आचरण में बदलाव आए। यदि ऐसा हुआ तो पलटवार स्वरूप आप भी कुछ करेगी।

विपक्ष को जोड़ने की बिखरी हुई कवायद

> देश के बहुत से राज्य हैं, जहां दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की लोकसभा में सौ फीसदी नुमाइंदगी है, तो बहुत से राज्यों में उसने बमुश्किल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रखी है, तो दूसरी तरफ, देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस कई राज्यों में शून्य पर है, कहीं छितराई हुई है, तो कुछ जगहों पर अब भी दम-खम बरकरार है। बहुत से प्रदेश ऐसे हैं, जहां अलग-अलग दलों के अपने-अपने राजनीतिक सूर्य चमक रहे हैं, जिन्हें न तो भाजपा के बादल ढक पाए है और न ही कांग्रेस का कुहासा, कहीं पर उस सूर्य का नाम नवीन पटनायक है, तो कहीं ममता बनर्जी, कहीं स्टालिन या विजयन या फिर के सी चंद्रशेखर और जगन रेड्डी या फिर नाक के नीचे अरविंद केजरीवाल और कभी-कभी 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले राहुल गांधी की राजनीतिक धूप का भी एहसास होता है। यूं तो नीतीश कुमार के आसमान पर भी उजाला दिख रहा है, तो ऐसे में, क्या राजनीतिक वैज्ञानिक आने वाले दिनों में किसी भी साफ राजनीतिक मौसम का अनुमान लगा सकते हैं या फिर वे भी इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते कि दक्षिणी विक्षोभ या पुरवा हवाओं से देश का सियासी मौसम बदल सकता है।

ठिठुरती दिल्ली में जनवरी के कुहासे और धुंधलके में सुबह सबेरे हाथ को हाथ नहीं सूझता है, गाड़ियां रफ्तार के बजाय रेंगती लगती हैं। बहुत से लोगों को अलाव तापते देख लगता है कि देश भर के मौसम का हाल यही होगा, लेकिन न तो दिल्ली में दिन भर ऐसा मौसम रहता है और न ही पूरे देश के मौसम का हाल ऐसा रहता है। दिन में कई बार धूप निकलती है, फिर कई बार बादल और कोहरा उसे ढकने की कोशिश करते हैं, तो तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात समेत बहुत से राज्य ऐसे हैं, जहां ठंड बिल्कुल नहीं है। और तो और, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के साथ-साथ पूर्वोत्तर जैसे पहाड़ी राज्यों में ठंड भले ही कितनी हो जाए, लेकिन दिन भर धूप खिली रहती है। मेरी मंशा आपको मौसम का हाल बताने की नहीं है, बल्कि मौसम मुझे हिन्दुस्तान की राजनीति जैसा लगता है, जहां कहीं धूप है, तो कहीं छांव। देश के बहुत से राज्य हैं, जहां दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा की लोकसभा में सौ फीसदी नुमाइंदगी है, तो बहुत से राज्यों में उसने बमुश्किल अपनी उपस्थिति दर्ज करा रखी है, तो दूसरी तरफ, देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस कई राज्यों में शून्य पर है, कहीं छितराई हुई है, तो कुछ जगहों पर अब भी दम-खम बरकरार है। बहुत से प्रदेश ऐसे हैं, जहां अलग-अलग दलों के अपने-अपने राजनीतिक सूर्य चमक रहे हैं, जिन्हें न तो भाजपा के बादल ढक पाए है और न ही कांग्रेस का कुहासा, कहीं पर उस सूर्य का नाम नवीन पटनायक है, तो कहीं ममता बनर्जी, कहीं स्टालिन या विजयन या फिर के सी चंद्रशेखर और जगन रेड्डी या फिर नाक के नीचे अरविंद केजरीवाल और कभी-कभी 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले राहुल गांधी की राजनीतिक धूप का भी एहसास होता है। यूं तो नीतीश कुमार के आसमान पर भी उजाला दिख रहा है, तो ऐसे में, क्या राजनीतिक वैज्ञानिक आने वाले दिनों में किसी भी साफ राजनीतिक मौसम का अनुमान लगा सकते हैं या फिर वे भी इस संभावना से इनकार नहीं कर सकते कि दक्षिणी विक्षोभ या पुरवा हवाओं से देश का सियासी मौसम बदल सकता है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को भारत जोड़ो यात्रा में कड़ाके की ठंड के बीच सिर्फ टीशर्ट पहनने को आप बहादुरी समझ रहे हैं, तो हो सकता है कि अपनी इस भूल का एहसास आपको कुछ वक्त बाद हो। भारत जोड़ो यात्रा को पूरी तरह से संसदीय सीटों के नतीजे में बदलने के पैमाने पर मत देखिए, लेकिन यह दिवाली से पहले घर की उस सफाई जैसा काम तो है ही, जिससे पुराना घर भी थोड़ा बेहतर लगने लगता है। हां, कांग्रेस और राहुल गांधी, दोनों की छवि इससे बदलने लगी है। जिन-जिन राज्यों से यह यात्रा गुजर रही है, कम से कम उन प्रदेशों में कांग्रेस का कार्यकर्ता जागने लगा है। इस यात्रा ने विरोधियों की उन तमाम कोशिशों को कमजोर करना शुरू कर दिया है, जो राहुल गांधी की छवि एक अपरिपक्व राजनेता के रूप में बनाने में जुटे थे। साथ ही, अब कांग्रेस का जी-23 ग्रुप भी गायब-सा हो गया है। विपक्षी दलों के बहुत से नेता राहुल की उभरती ताकत को समझना चाहते हैं। इसका मतलब कतई यह नहीं समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आकर्षण या लोकप्रियता में कोई कमी आई है। आज भी वह देश के सबसे लोकप्रिय नेताओं में पहले नंबर पर बरकरार हैं। बहुत से राजनीतिक दलों का हाल भी कमोबेश ऐसा ही है, जो समझ रहे हैं कि मोदी के सहारे ही अपनी राजनीतिक गाड़ी को चलाया जा सकता है। विरोधी दलों में कई नेता मोदी से मुकाबला करने से ज्यादा अपनी ऊर्जा इस बात में लगा रहे हैं कि कहीं कोई दूसरा विरोधी दल या नेता उससे आगे न निकल जाए। शायद इसी वजह से हर कोई अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में दिखाई देता है। भारत जोड़ो यात्रा भी इस बात का सुबूत है कि मोटे तौर भाजपा विरोधी किसी राजनीतिक दल ने राहुल गांधी के साथ अपना हाथ जोड़ना जरूरी नहीं समझा है। मतलब साफ है, अनेक नेता नरेंद्र मोदी से पहले राहुल गांधी को ताकतवर होने से रोकना चाहते हैं। मसला सिर्फ राहुल गांधी का नहीं है, यही बात नीतीश कुमार को लेकर भी है, अरविंद केजरीवाल, ममता बनर्जी, नवीन पटनायक या के चंद्रशेखर राव को लेकर भी है। इनमें से किसी नेता को कोई अपने कंधे पर बिठाने या ताकत देने के लिए तैयार नहीं है। सरकार में बैठे लोगों की बात छोड़िए, विपक्ष के नाम पर कमजोर हो चुके अखिलेश यादव और मायावती भी साथ नहीं दिखे हैं। विश्व हिंदू परिषद के चंपत राय ने भले ही राहुल गांधी की तारीफ कर दी, लेकिन इतनी दिलदारी ममता बनर्जी या नीतीश कुमार ने नहीं दिखाई है। साल 2019 में भाजपा को करीब 38 फीसदी वोट मिला था, यानी करीब 62 फीसदी वोट देश भर में ऐसा था, जो मोदी या भाजपा के खिलाफ दिया गया था, क्या इन वोटो को साथ लाया जा सकता है? कांग्रेस को भाजपा से करीब आधा वोट मिले थे, पर विपक्षी एकता में शामिल होने वाले ज्यादातर दलों का कुल वोट भी 20 फीसद तक नहीं पहुंच पाया था। यानी अब भी कांग्रेस ही सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के तौर पर सामने है। देश भर में दो सौ से ज्यादा संसदीय सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है, इनमें से करीब 90 फीसदी सीटों पर कांग्रेस हारी है। बाकी तीन सौ से ज्यादा सीटों पर विपक्षी दलों की क्या रणनीति है, यह अभी तक साफ नहीं हो पाया है। भाजपा ने 2024 के लिए न केवल अपनी रणनीति बनाना, बल्कि उस पर काम करना भी शुरू कर दिया है। करीब उन डेढ़ सौ सीटों पर भाजपा अलग तरीके से तैयारी कर रही है, जो पिछली बार वह हार गई थी, क्या ऐसी ही कोई रणनीति विपक्षी दल बना रहे हैं? क्या वे किसी दोस्ताना मुकाबले के लिए मानसिक या रणनीतिक तौर पर तैयार हो गए हैं? पिछले कुछ नतीजे बताते हैं कि जब भी विपक्षी राजनीतिक दलों ने पूरी शिद्दत के साथ लड़ाई लड़ी, उन्हें जीत हासिल हुई। इस साल अगर जम्मू-कश्मीर में भी चुनाव हुए, तो भाजपा से मुकाबला कर उसे कमजोर करने और विपक्षी एकता दिखाने के दस मोर्चे या मौके गैर-भाजपा दलों को मिलेंगे। शेख सादी की इस बात को याद रखिए कि चिड़िया अगर एका कर लें, तो शेर की भी खाल खींच सकती हैं।

देश दुनीया से

हमारी कोशिश जारी है कि तंगहाली दूर हो

आज खुद ही मैंने देखा कि 39 मौत की रिपोर्ट अखबारों में है और खास तौर से बिहार के बारे में वह रिपोर्ट थी। इसलिए बिहार के मुख्य सचिव से संपर्क स्थापित किया गया। आप जानते हैं कि वहां अभी भी कर्मचारियों ने हड़ताल कर रखी है। इस वजह से कहां-कहां मौतें हुई हैं, यह पहचान करना इस वक्त संभव नहीं था। जितनी भी मौतें हुई हैं, मैंने शुरू में ही कहा और किसी की भावना इससे अलग नहीं हो सकती कि इसमें गरीब मरते हैं और आम तौर से ऐसे लोग होते हैं, जिनके पास घर नहीं हैं, जो भिखमंगे हैं और बेघर हैं। उनकी मौतें ही ऐसे हो जाती हैं, जब काफी ठंडी लहरें चलती हैं, जब 'कोल्ड वेव' चलती है। इससे हम इनकार नहीं कर सकते...। यह एक राष्ट्रीय समस्या है। हमने कभी नहीं कहा कि सारी समस्याओं का समाधान कर दिया गया है। हमने कहा कि हमारी कोशिश जारी है कि गरीबी को दूर कर सकें। जहां तक हमारे प्रयत्न हो सकते हैं, हम लगे हुए हैं। हम कभी नहीं कहते सभी को मकान दे दिया, खाने को पूरा भोजन दे दिया या पूरे साधन दे दिए। यह हमारा दावा नहीं है। हमारी कोशिश जरूर है। आपने हमारा ध्यान इस समस्या की तरफ दिलाया और कम समय में हमने पूरी कोशिश की कि राज्य सरकारों से संपर्क स्थापित करें। आप जानते हैं कि सब जगह राज्य सरकारें काम कर रही हैं। ...हमने राज्य सरकारों को कहा है कि पहचान कीजिए कहां-कहां लोग मरे हैं। उसके बाद अगर राज्य सरकारें कहेंगी कि इतने लोग मरे हैं, तो फिर विचार किया जाएगा। ...राज्य सरकारों के पास ऐसी विपदाओं से निपटने के लिए साधन हैं। और अगर उतने से काम नहीं चलता और वे हमसे कहेंगी, तो हम पुनः विचार कर सकते हैं। लेकिन इस गंभीर सवाल के साथ दूसरी बातों को कहना, जैसे इन्होंने एशियन गेम्स की बात कही, यह ठीक नहीं है। एशियन गेम्स की वजह से कम से कम मजदूरों को काम मिल रहा है, दिल्ली की सड़कें अच्छी हो रही हैं। इस बारे में विचारों का मतभेद हो सकता है। दूसरी समस्याओं को, जितने राजनीतिक सवाल हैं, सबको इसके साथ जोड़ दीजिए, तब तो विवाद का प्रश्न बनता है। इसलिए मैं कहता हूं कि इस बात की गंभीरता को हम समझते हैं। हमने राज्य सरकार से संबंध स्थापित किए हैं, फिर भी निर्देश दे रहे हैं कि जहां-जहां इस तरह की घटनाएं हुई हैं, जो भी परिवार प्रभावित हुए हैं, उनकी जो मदद हम कर सकते हैं, करनी चाहिए। जहां तक मानवीय दृष्टिकोण का सवाल है, हम आपकी भावनाओं के साथ हैं। ...हम इनकार नहीं करते कि लोगों के पास घर नहीं हैं पूरे, जो कि होने चाहिए। बुनियादी चीजें जो चाहिए, वह हम पूरी तरह से सबको नहीं मुहैया कर पाए हैं। हमारा प्रयत्न जरूर है। जिस तरह आपने चर्चा की, यह बात सही है कि हमने कई कार्यक्रम भी शुरू किए, अब कहां तक उसमें सफलता मिली है, उसका लेखा-जोखा करने की आवश्यकता है। यह बात नहीं है कि गरीबी दूर करने की तरफ हमारा प्रयास नहीं है। आपने रेडियो की चर्चा की। पांच डिग्री से नीचे जब पारा गिरता है, तो उसके बाद वह कहते हैं कि शीतलहर चलेगी। छह डिग्री से नीचे का अभी तक का उनका अनुमान है। आप मेरी राय से सहमत होंगे कि इसमें ऐसे ही लोग मरते होंगे, जिनके पास घर नहीं होता... भिखारी हैं, वह रेडियो कहां सुनने वाले हैं, उनको रेडियो कहां मिलता है? मौसम संबंधी सूचनाएं रोज ही रेडियो से प्रसारित होती रहती हैं, पर अभी तक मौसम विभाग के मापदंड के अनुसार, शीतलहर नहीं आई है। अगर किसी के पास कपड़ा न हो, तो थोड़ी सी ठंड में भी वह मर सकता है।

> हमने कभी नहीं कहा कि सारी समस्याओं का समाधान कर दिया गया है। हमने कहा कि हमारी कोशिश जारी है कि गरीबी को दूर कर सकें। जहां तक हमारे प्रयत्न हो सकते हैं, हम लगे हुए हैं। हम कभी नहीं कहते सभी को मकान दे दिया, खाने को पूरा भोजन दे दिया या पूरे साधन दे दिए। यह हमारा दावा नहीं है। हमारी कोशिश जरूर है। आपने हमारा ध्यान इस समस्या की तरफ दिलाया और कम समय में हमने पूरी कोशिश की कि राज्य सरकारों से संपर्क स्थापित करें। आप जानते हैं कि सब जगह राज्य सरकारें काम कर रही हैं। ...हमने राज्य सरकारों को कहा है कि पहचान कीजिए कहां-कहां लोग मरे हैं। उसके बाद अगर राज्य सरकारें कहेंगी कि इतने लोग मरे हैं, तो फिर विचार किया जाएगा। ...राज्य सरकारों के पास ऐसी विपदाओं से निपटने के लिए साधन हैं। और अगर उतने से काम नहीं चलता और वे हमसे कहेंगी, तो हम पुन: विचार कर सकते हैं। लेकिन इस गंभीर सवाल के साथ दूसरी बातों को कहना, जैसे इन्होंने एशियन गेम्स की बात कही, यह ठीक नहीं है।

नागरिक बोध

राम के समान महामानव दिखाई नही देता क्योकि राम अनुपमेय है

राम को पत्थरो में कैद कहने वाले यह भूल जाते है कि राम जी जैसा महामानव कई दिखाई नही देते जिसे राम के बराबर खड़ा किया जा सके।राम का व्यक्तिगत और कृतित्व अदभुत था। वैयक्तिक, पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक हर क्षेत्र मे राम के आदर्शो का अनुगमन करके सुखों को विस्तार दिया जा सकता है। राम का नाम अपने आप मे अत्यंत प्रभावशाली है। गोस्वामी तुलसीदास ने राम की महत्ता का संगान करते हुए बहुत ही मार्मिक अभिव्यक्ति की है-

राम नाम मणि दीप धरु, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरहु चाहसि उजियार।।

राम को मणिदीप कहा गया है। मणिदीप हवा तो क्या आंधी तूफान में भी नही बुझता। इसके प्रकाश में पतंगे भी जलकर नष्ट नही होते। देहरी द्वार पर रखा दीपक घर के भीतर और बाहर दोनों और के अंधकार का हरण करता है। इसी तरह नाम जापक के भीतर छिपी दीनता का नाश होगा, अंदर आनन्द की अनुभूति होगी और साधक के बाहरी जीवन की मलिनता मिटेगी। समृद्धि आती है तथा भीतर बाहर उजाला रहेगा। श्रद्धा और भक्ति के साथ जब व्यक्ति अपने मुंह से रा अक्षर का उच्चारण करता है तो रा के उच्चारण के समय बोलने वाले का मुंह खुलता है और मुहं खुलने के साथ भीतर में रहे हुए पापो का सारा कचरा बाहर निकल जाता है तथा म बोलते ही होठ बन्द हो जाते है तो म के किवाड़ लग जाने से बाहर निकले हुए पाप भीतर में पुनः प्रविष्ट नही करते है।

दुख में भी परम आनंद की अनुभूति

राम की उस स्थिति से जुड़े, जब उन्होंने दुख की प्रतिकूल परिस्थिति में भी परम आनंद की अनुभूति की थी। राम को राजगद्दी मिलनी थी। लेकिन रात भर में पासा पलट गया। प्रातःकाल होते ही चौदह वर्ष के वनवास की आज्ञा मिली। ऐसी विषम और प्रतिकूल परिस्थितियों मे भी और वनवास की सूचना पाकर तो राम आनन्द विभोर हो गए। वन में ऋ षियों का मिलना होगा।मुझसे ज्यादा भाग्यशाली कौन है?ऐसे में मैं भी वन को नही जाऊ तो मेरी गिनती मूर्खो में होगी।अयोध्या का राज राम ने बटाऊँ की तरह त्याग दिया।एक राम दशरथ का बेटा, एक राम घट घट में बैठा।एक राम का जगत पसारा, एक राम दुनिया से न्यारा। राम का अभिप्राय आत्मा से भी है।जगत में जो कुछ भी वैशिष्ट्य है, वह आत्मा राम के कारण ही तो है। सागर पार करते समय सेतु बन्द की दृष्टि से जब पत्थरो का उपयोग किया जाने लगा तो जिन पत्थरो पर राम अंकित था वे तीर गए एवम जो राम से पृथक या शून्य थे, वे डूब गए। राम के जीवन की विन्रमता, सरलता, सूझबूझ, उदारता और सद्गुण आदि के लिए जितना भी कहा जाए, कम है। राम के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को राममय बनाने का प्रयास करे। राम की प्रतिस्थापन हम अपने मन मन्दिर में कर देते है तो फिर हमारे मन मे विकृतियों एक पल के लिए नही ठहर पायेगी। मूल्यहीनता और भौतिकता प्रधान युग मे जो संवेदन शून्य स्थितियां देखने मे आ रही है। वह अत्यंत भयावह है। लगता है आज के युग मे राम के नाम की चर्चा मात्र रह गई है। जीवन की जो हमारी चर्चा है, वह राम नही वत है।यही कारण है कि आज स्वार्थों का साम्राज्य है। इसलिए तो राम और हिन्दू आस्था पर चोट कर अपना राजनीतिक करियर बनाना चाहते है।

पाकिस्तान में आटे की भारी किल्लत, सब्सिडी वाला एक पैकेट 3100 रुपये में, धक्कामुक्की में एक की मौत

इस्लामाबाद ।
पाकिस्तान में आए दिन आर्थिक स्थिति बिगड़ती ही जा रही है। महंगाई इस कदर बढ़ गई है कि भुखमरी की नौबत आ गई है। बताया जा रहा है कि करीब आधे पाकिस्तानी परिवारों को दो जून की रोटी पर आफत आ गई है। गेहूं की कीमत 5,000 रुपये प्रति मन पर पहुंचने के साथ, रावलपिंडी के खुले बाजार में आटा की दर 150 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शहर शहर में 15 किलो गेहूं का बैग 2,250 रुपये में बेचा जा रहा है। वहीं सब्सिडी वाले आटे जिससे लोगों को राहत मिल रही थी उसका भाव भी आसमान छूने लगा है। सब्सिडी वाले 25 किलो वाले पैकेट के आटे की कीमत 3100 रुपये प्रति पैकेट हो गई है।

आटे का पैकेट लेने के लिए धक्कामुक्की, एक की मौत - पाकिस्तान में आटे की बढ़ी कीमतों की वजह से हालात बिगड़ते ही जा रहे हैं। सब्सिडी वाला आटा का पैकेट पाने की कोशिश में धक्कामुक्की के दौरान सिंध प्रांत में एक व्यक्ति की जान चली गई। सिंध के मीरपुर खास में एक वाहन पर आटे के पैकेट लेकर कुछ लोग पहुंचे। कम कीमत पर आटे के पैकेट की घोषणा सुनते ही बड़ी संख्या में लोग जुट गए।

पाकिस्तान फ्लोर मिल्स एसोसिएशन का जवाब - पाकिस्तान फ्लोर मिल्स एसोसिएशन (पीएफएमए) के मुताबिक, खुले बाजार में गेहूं का आधिकारिक कोटा कम था और गेहूं 5,400 रुपये प्रति मन बेचा जा रहा था। रावलपिंडी के नानबाई एसोसिएशन ने कहा है कि अगर कीमतों को नियंत्रण में नहीं लाया गया, तो एसोसिएशन को फिर से आटे की दर 5 रुपये बढ़ाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

कीमतों में बढ़ोतरी के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा - कीमतों में बढ़ोतरी के लिए सरकार की ओर से कम गेहूं रिलीज को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। चक्की मालिकों के मुताबिक, पंजाब में आटे के दामों में बढ़ोतरी के लिए अनाज की कमी और गेहूं के ऊंचे समर्थन मूल्य जिम्मेदार हैं। पीएफएमए के पूर्व अध्यक्ष खलीक अरशद ने बताया कि पंजाब खाद्य विभाग द्वारा मुश्किल से 21,000-22,000 टन गेहूं जारी किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कोरोना संक्रमण के बीच चीन में अंतरराष्ट्रीय यात्रियों का स्वागत, सिंगापुर व टोरंटो से आए 387 यात्री

बीजिंग । अंतरराष्ट्रीय सीमाओं को खोलने के बाद रविवार को चीन ने विदेशी यात्रियों के पहले बैच का स्वागत किया। कोरोना के कारण तीन साल में यह पहली बार है कि जब अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को बिना अनिवार्य क्वारंटीन नियम के चीन में प्रवेश दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर से चीन ने यह प्रतिबंध ऐसे समय में हटाया है, जब देश में कोरोना संक्रमण हाहाकार मचा रहा है और बड़ी आबादी इससे संक्रमित हो चुकी है। इससे पहले पिछले साल चीन जीरो-कोविड पॉलिसी से भी कदम वापस खींच चुका है। राज्य द्वारा संचालित सीजीटीएन टीवी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की पहली उड़ानें दक्षिणी ग्वांगडोंग प्रांत के ग्वांगझू और शेनझेन में हवाई अड्डों पर उतरीं। अधिकारियों ने कहा कि टोरंटो और सिंगापुर की दो उड़ानों में 387 यात्री सवार थे। शनिवार से चीन का लूना न्यू ईयर शुरू हो चुका है। इसे 40 दिन का दुनिया का सबसे बड़ा विस्थापन कहा जाता है। दरअसल, यहां इस अवधि में बड़ी संख्या में लोग एक जगह से दूसरी जगह जाते हैं। 21 जनवरी से इसको लेकर आधिकारी छुट्टियां शुरू हो रही हैं। 2020 के बाद ऐसा पहली बार है कि चीन में बिना यात्रा प्रतिबंधों के लूना न्यू ईयर मनाया जाएगा। चीन के परिवहन मंत्रालय के एक अनुमान के मुताबिक, अगले 40 दिनों में 200 करोड़ से अधिक लोगों के यात्रा करने का अनुमान है। चीन के वर्तमान हालात इतने खराब हैं कि यहां सरकार लोगों के अंतिम संस्कार तक की व्यवस्था नहीं कर पा रही है। ट्विटर पर शेयर किए जा रहे वीडियो में सड़कों पर अस्थायी दाह संस्कार दिख रहे हैं। एक सड़क पर एक शव के चारों ओर लोग दिख रहे हैं, जिसके बाद उसमें आग लगा दी जाती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में अंतिम संस्कार के लिए काफी लंबी लाइनें हैं। लोगों को बस दस मिनट का ही समय दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि यहां के अंतिम संस्कार स्थलों पर सामान्य से पांच गुना शव पहुंच रहे हैं।

ड्रग सरगना के बेटे की गिरफ्तारी के बाद भड़की हिंसा, गोलीबारी में 10 सैन्यकर्मियों समेत 29 की मौत

मैक्सिको । मैक्सिको की जेल में बंदर ड्रग सरगना जोकिन एल चापो गुजमैन के बेटे ओविडियो गुजमैन

की गिरफ्तारी के बाद हिंसा भड़क गई है। ड्रग माफियाओं और सैन्यकर्मियों के बीच हो रही गोलीबारी में अब तक 29 लोगों की मौत हो चुकी है। रक्षा मंत्री लुइस क्रेंसेसियो सैंडोवल ने बताया, अब तक 10 सैन्यकर्मियों व 19 ड्रग गैंग के सदस्यों की मौत हो चुकी है। किसी नागरिक को नुकसान की खबर नहीं है। ड्रग सरगना की गिरफ्तारी के बाद पूरे शहर में अशांति फैल गई है। यहां ड्रग माफियाओं ने सड़कों पर अवरुद्ध कर दिया है और वाहनों में आग लगा दी है। इसके अलावा एक एयरपोर्ट को भी निशाना बनाए जाने की खबर है। जानकारी के मुताबिक, प्लेन पर भी गोलीबारी की गई है, जिसके बाद से सुरक्षा बल उन्हें काबू करने का प्रयास कर रहे हैं। एल चापो के बेटे ओविडियो को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। रक्षा मंत्री ने बताया, गुजमैन को हेलीकॉप्टर से ले जाया गया था।

हिजाब विरोधी प्रदर्शनों में शामिल दो और लोगों को दी गई फांसी, अर्धसैनिक बल के जवान की हत्या का था आरोप

दुबई । ईरान की सरकार हिजाब विरोधी आंदोलन में शामिल प्रदर्शनकारियों को चुन-चुनकर फांसी दे रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार को दो और प्रदर्शनकारियों को फांसी दे दी गई। इनकी पहचान मोहम्मद करमी और मोहम्मद हुसैनी के रूप में की गई है। इन पर हिजाब विरोधी प्रदर्शन के दौरान एक अर्धसैनिक बल की कथित रूप से हत्या का आरोप साबित हुआ था। इसे देश की व्यवस्था को चुनौती देने वाला अपराध माना गया। गौरतलब है कि ईरान पुलिस की हिरासत में महसा अमिनी की मौत के बाद देशभर में बड़े पैमाने पर आंदोलन हुए थे। इसी दौरान तीन नवंबर 2022 को तेहरान के बाहरी शहर कारज में ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक सदस्य रूहोल्लाह अजामियन की हत्या कर दी गई थी।

युद्धविराम के बावजूद यूक्रेन में तोप के गोलों की बारिश, यूक्रेनी नागरिक ठिकानों पर गोलाबारी जारी

कीव/मॉस्को ।
रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ऑर्थोडॉक्स क्रिसमस युद्धविराम के बावजूद यूक्रेनी बलों का दोनबास में नागरिक बस्तियों पर हमला जारी है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इसे युद्धविराम का उल्लंघन बताया जबकि यूक्रेन ने कहा कि रूसी सेना लगातार हमले जारी रखे है। इस बीच, अल जजीरा ने शनिवार को बताया कि रूस के एकतरफा युद्धविराम के बावजूद यूक्रेनी सीमा पर दोनों तरफ से गोलाबारी जारी रही। यहां बखमुत, क्रेमिना और दोनेस्क व लुहांस्क क्षेत्रों में तोपखानों से गोले दागे गए।

खेरसान और क्रामटोरस्क के शहरों में नागरिक क्षेत्रों पर रूसी रॉकेटों की बारिश

मॉस्को के समयानुसार दोपहर में खेरसान और क्रामटोरस्क के शहरों में नागरिक क्षेत्रों पर रूसी रॉकेटों की बारिश हुई। रिपोर्ट के अनुसार, युद्धविराम के पहले तीन घंटों में, रूसी सेना ने यूक्रेनी क्षेत्रों पर 14 बार विस्फोट किए और एक बस्ती पर तीन बार हमला किया। लुहांस्क के सीमावर्ती पूर्वी यूक्रेनी क्षेत्र के गवर्नर सेरही हैदाई ने भी इसकी तस्दीक की और बताया कि इसमें एक बचावकर्मी की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। यूक्रेन ने कहा है कि रूस खुद ही युद्धविराम का पालन नहीं कर रहा है।

इस बीच रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि उसने क्रीमिया के रूसी शहर सेवस्तोपोल के ऊपर वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा एक ड्रोन को मार गिराया है। सेवस्तोपोल के गवर्नर मिखाइल रजवोजायेव ने शनिवार तड़के टेलीग्राम पर बताया कि यूक्रेन ने हमारे नौसैनिक अड्डे पर हमले के लिए ड्रोन भेजा था।

युद्धविराम से पहले की कार्रवाई : रूस

रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, युद्धविराम से 24 घंटे पहले, रूसी सेना ने यूक्रेनी सैनिकों, टैंकों, बख्तरबंद कर्मियों के वाहक, अमेरिका निर्मित तोपखाने, ट्रकों और मिसाइलों को मार गिराया है। इसके अलावा हवाई हमलों में एक रडार को नष्ट करने का भी दावा किया गया है। रूस ने कहा कि उसकी एयर डिफेंस मिसाइलों ने एक यूक्रेनी एसयू-25 लड़ाकू विमान को भी नष्ट कर दिया है।

अमेरिका देगा यूक्रेन को 3 अरब डॉलर की अतिरिक्त सैन्य मदद

अमेरिका ने रूस की आक्रामकता के खिलाफ लड़ाई में मदद के लिए यूक्रेन को 3.75 अरब डॉलर से अधिक की अतिरिक्त सैन्य सहायता की घोषणा की है। इसके बाद यूक्रेन के खिलाफ कुल अमेरिकी सैन्य सहायता बढ़कर 24.9 अरब डॉलर की हो गई है। हालिया सहायता में पहली बार यूक्रेनी सेना के लिए 50 एम2-ए2 ब्रैडली बख्तरबंद वाहन शामिल किए जाएंगे। अमेरिकी रक्षा मुख्यालय पेंटागन ने कहा, अत्याधुनिक साजो-सामान से लैस ये बख्तरबंद वाहन एक इन्फैंट्री बटालियन के लिए पर्याप्त हैं। इस सहायता में रक्षा विभाग की प्रतिभूतियों से यूक्रेन को तुरंत प्रदान की जाने वाली 2.85 अरब अमेरिकी डॉलर की निकासी और दीर्घकालिक क्षमता निर्माण तथा यूक्रेन की सेना के आधुनिकीकरण का समर्थन करने के लिए विदेशी सैन्य वित्तपोषण में 22.5 करोड़ डॉलर की मदद शामिल है।

यूक्रेन में स्थायी शांति की बहाली पर भारत-अमेरिका सहमत

अमेरिकी बाइडन प्रशासन ने कहा है कि भारत और अमेरिका इस बात से 'बहुत अधिक सहमत' हैं कि यूक्रेन में स्थायी शांति की बहाली जरूरी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि उनका देश यूक्रेन संघर्ष पर भारत समेत अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ बहुत करीब से जुड़ा है और विश्व समुदाय इसके लिए रूस को जवाबदेह ठहराने की जरूरत पर अडिग है। उन्होंने कहा, हम भारत की इस बात से सहमत हैं कि यूक्रेन में स्थायी शांति की बहाली आवश्यक है। यही संदेश यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भी दिया है। प्राइस ने कहा, हम यूक्रेन के लोगों के लिए भारत के समर्थन का स्वागत करते हैं। भारत ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के क्रूर युद्ध को तत्काल समाप्त करने का आह्वान किया और उसे मानवीय सहायता भी प्रदान की।

हम प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी के इस कथन से भी बहुत अधिक सहमत हैं कि आज का युग युद्ध का युग नहीं है। बेशक, यह एक ऐसी टिप्पणी थी जिसकी गूंज जी-20 में हुई। हमने वह टिप्पणी संयुक्त राष्ट्र में भी सुनी है।

रसायनिक हमले की साजिश रचने का आरोप, जर्मनी में गिरफ्तार हुआ ईरानी नागरिक

जर्मनी ।
जर्मनी में पुलिस ने ईरानी मूल के एक नागरिक को गिरफ्तार किया है। पुलिस का आरोप है कि आरोपी व्यक्ति बड़े रसायनिक हमले की साजिश रच रहा था। जर्मनी के डोर्टमंड के कैस्ट्रोप रौक्सेल शहर में यह गिरफ्तारी हुई है। पुलिस ने इस मामले में ईरानी नागरिक के साथ ही एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया है।

जर्मन पुलिस ने अपने बयान में कहा है कि आरोपी इस्लामी कट्टरपंथ से प्रभावित होकर बड़े रसायनिक हमले की साजिश रच रहा था। इसके लिए आरोपी ने कथित तौर पर जहरीले केमिकल साइनाइड और रिसिन को इकट्ठा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी के पास से रसायनिक हमले से बचने का खास सूट भी बरामद हुआ है।

बता दें कि जर्मन पुलिस को आरोपी के बारे में खूफिया सूचना मिली थी। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। उल्लेखनीय है कि करीब 5 साल पहले भी जर्मन पुलिस ने रसायनिक हमले की साजिश रचने के आरोप में ही ट्यूटनिशिया मूल के एक व्यक्ति और उसकी पत्नी को गिरफ्तार किया था। दोनों पर आरोप साबित होने के बाद दोनों को 10 और 8 साल की सजा भी हुई थी।

बता दें कि ईरान में हिजाब के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। इन विरोध प्रदर्शनों में अभी तक सैंकड़ों लोगों की जान जा चुकी है। वहीं दर्जनों प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा दी जा चुकी है। इसे लेकर ईरान की सरकार दुनिया भर की सरकारों के निशाने पर है। बीते दिनों जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने भी ईरान सरकार की कड़ी निंदा की थी और ईरान को लोगों को अपना समर्थन दिया था। ओलाफ शोल्ज ने ईरान में हिंसा के लिए ईरान की सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। शोल्ज ने ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने की धमकी भी दी थी।

सरकार विरोधी आवाजों को कुचल रहा चीन, कोविड नीति की आलोचना करने वालों के सोशल मीडिया खाते किए बंद

बीजिंग ।
चीन ने कोविड-19 के प्रकोप को लेकर सरकार की नीतियों की आलोचना करने वाले 1,120 सोशल मीडिया खातों पर अस्थायी या स्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया है। ये खाते या तो निलंबित कर दिए गए हैं अथवा इन्हें बंद किया जा चुका है। देश के लोकप्रिय सिना वीबो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बताया कि विशेषज्ञों, विद्वानों और चिकित्साकर्मियों पर हमलों सहित 12,854 उल्लंघनों के मामले दर्ज किए गए हैं।

बता दें कि चीन में कोरोना के चलते हालात इतने खराब हो गए हैं कि कई लोगों ने सोशल मीडिया पर आवाज उठाना शुरू कर दिया। लेकिन सरकार विरोधी इन आवाजों को दबाने के लिए देश की कम्युनिस्ट सरकार ने यह कार्रवाई की है।

चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने कोरोना को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन, क्वारंटीन उपायों और सामूहिक परीक्षण जैसे अहम कदम उठाए थे, लेकिन गत माह सरकार ने काफी हद तक नियमों में ढील दे दी। जिसके बाद देश में बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण के नए मामले सामने आए। इसे लेकर लोगों में रोष भी देखा गया। जबकि पार्टी प्रत्यक्ष आलोचना की अनुमति नहीं देती है और अभिव्यक्ति की

आजादी पर भी सख्ती बरतती है।

सिना वीबो ने कहा कि कंपनी सभी प्रकार के अवैध कंटेंट की जांच और सफाई का काम जारी रखेगी। इसके साथ साइट पर सभी यूजरों के लिए एक सामंजस्यपूर्ण और मैत्रीपूर्ण वातावरण बनाएगी।

पिछले 24 घंटे में तीन मौतें दर्ज

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को कोविड-19 के 10,681 नए घरेलू मामलों की सूचना दी, जिससे देश में कुल पुष्ट मामलों की संख्या 4,82,057 हो गई। जबकि पिछले 24 घंटों में तीन नई मौतें भी दर्ज की गईं, जिससे आधिकारिक तौर पर कुल मृत्यु संख्या 5,267 हो गई। हालांकि चीन में कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या पर दुनियाभर में विवाद है और सभी देश इसे वास्तविक संख्या से बेहद कम मानते हैं।

बागवानी करने से कम होगा कैंसर का जोखिम, मानसिक सेहत रहेगी दुरुस्त

वॉशिंगटन ।
कसरत, अच्छा खाना, नए लोगों से दोस्ती और बागवानी ये आपको कैंसर सहित कई गंभीर रोगों के होने का जोखिम कम कर सकते हैं ऐसा करने वाले लोगों की मानसिक सेहत भी दुरुस्त रहती है। यह दावा एक शोध में किया गया है। अध्ययन के नतीजे हाल ही में लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित हुए। अमेरिकन कैंसर सोसाइटी की तरफ से वित्त पोषित सीयू बोल्डर संस्थान के पर्यावरण अध्ययन विभाग के शोधकर्ताओं ने पाया कि सामुदायिक बागवानी करने वाले ऐसे लोग, जिनके खाने में फाइबर की मात्रा ज्यादा रहती है और जो जमकर शारीरिक मेहनत करते हैं, उनमें कैंसर और पुरानी बीमारियों का जोखिम काफी कम हो जाता है। शोध टीम की अध्यक्षता करने वाले प्रो. जिल लिट ने बताया, वे लंबे समय से कैंसर व पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए किफायती, व्यापक और टिकाऊ तरीकों की पहचान करने में जुटे हैं। प्रो. लिट ने 41 वर्ष औसत उम्र के 291 वयस्कों को शोध में शामिल किया।

असल राज फाइबर में छिपा - बागवानी करने वाले समूह के लोग फल-सब्जियां ज्यादा खाने लगे। प्रो. लिट के मुताबिक, बागवानी के चुने गए लोग, दूसरे समूह की तुलना में प्रतिदिन सात फीसदी ज्यादा फल-सब्जियां खाने लगे। असल में फल-सब्जियों में फाइबर पर्याप्त मात्रा में होता है, जो प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं, चयापचय सहित पेट के पूरे माइक्रोबायोम पर प्रभाव दिखाता है।

कितना फाइबर जरूरी - चिकित्सकों के मुताबिक प्रतिदिन एक वयस्क को 25-40 ग्राम फाइबर लेना चाहिए। जबकि, औसतन एक व्यक्ति 16 ग्राम तक फाइबर ही लेता है।

तनाव व चिंता में आई कमी - बागवानी समूह के लोगों ने बताया, उन्होंने जबसे बागवानी शुरू की वे पहले से कम तनाव और चिंताग्रस्त रहने लगे। डेनवर अरबन गार्डन की निदेशक लिंडा एपल कहती हैं, उनके संगठन की मदद से हर साल 18,000 लोग सामुदायिक बागवानी कर अपने लिए फल-सब्जियां उगाते हैं। कई लोगों के लिए यह जिंदगी बदलने वाल हैं।

प्रिंस हैरी ने उड़ाई राजघराने की इज्जत की धज्जियां

अब निपटने के लिए शाही परिवार ने बनाया बड़ा प्लान

लंदन ।
अपने आगामी संस्मरण में, प्रिंस हैरी ने शाही परिवार के सदस्य के रूप में अपने जीवन की कई चुनौतियों के बारे में बता रहे हैं। उन्होंने खुलासा किया है कि कैसे शाही घराने में रहना उनके और उनकी पत्नी मेघन मार्कल के लिए बेहद कठिन रहा था। युगल ने 2020 की शुरुआत में शाही घराने को छोड़ दिया था। अब यह पता चला है कि शाही परिवार के वरिष्ठ सलाहकारों ने कथित तौर पर प्रिंस हैरी के संस्मरण के खुलासे के कारण किसी भी तरह के नतीजों से निपटने के लिए एक वास्तविक वॉर रूम स्थापित किया है।

प्रिंस हैरी की आत्मकथा के प्रिंस

हैरी ने भाई पर लगाए थे गंभीर आरोप

संस्मरण के प्रकाशित अंशों में से एक में, 10 जनवरी को, हैरी ने अपने भाई, प्रिंस विलियम द्वारा शारीरिक रूप से हमला किए जाने का वर्णन किया। अंश में, हैरी ने 2019 में केंसिंग्टन पैलेस के पास नॉटिंघम कॉटेज के अपने घर में एक कथित टकराव के बारे में लिखा, जिसके परिणामस्वरूप विलियम ने हैरी को फर्श पर गिरा दिया। एक अन्य उद्धरण में, हैरी ने लिखा कि कैसे वह पेरिस सुरंग से गुजरा, जहां उसकी मां, स्वर्गीय राजकुमारी डायना की मृत्यु एक दुर्घटना के बाद हुई थी, ताकि वह कुछ समापन पाने की आशा में अपने अंतिम क्षणों को

फिर से जी सके।

प्रकाशन पर रोक लगाने की योजना

एक रिपोर्ट के अनुसार, सैंड्रिंघम एस्टेट में संभावित स्थिति पर चर्चा करने के लिए शीर्ष कर्मचारियों के कई सदस्य बैठक कर रहे हैं, जहां महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद शाही परिवार अपना पहला क्रिसमस मनाने के लिए इकट्ठा हुआ था। रिपोर्टों से पता चलता है कि रॉयल्स और उनके कर्मचारी हर एक योजना को तैयार कर रहे हैं, जिससे प्रिंस हैरी की आत्मकथा स्पेयर के प्रकाशन पर रोक लगाया जा सके। शाही परिवार के लिए इसके परिणामों के बारे में बहुत ही ज्यादा सतर्क है।

प्रिंस हैरी की किताब हो सकते हैं चौंकाने वाले खुलासे

प्रिंस हैरी की किताब, स्पेयर, और अधिक विषयों पर प्रकाश डालती है, जिसमें जनता की नजरों में बढ़ने की चुनौतियां, और उनके और उनकी पत्नी मेघन मार्कल के उपचार शामिल हैं, जिसने उन्हें शाही परिवार के सदस्यों के रूप में पद छोड़ने के लिए प्रेरित किया। प्रिंस हैरी और मेघन मार्कल 19 मई, 2018 को शादी के बंधन में बंधे और उनके दो बच्चे हैं - आर्ची और लिलिबेट। जनवरी 2020 में, दंपति ने कामकाजी राजघरानों के रूप में पद छोड़ दिया और बाद में अमेरिका के कैलिफोर्निया में बस गए।

आठ महीने की सरकार है, फिर भाजपा आ रही है, मेरा नाम याद रखना : सांसद बालकनाथ

जयपुर (हिंस)। अलवर से सांसद महंत बालकनाथ ने रविवार को बहरोड़ थाने पहुंचकर डीएसपी आनंद राव को खूब धमकाया। सांसद ने डीएसपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि आपने नाजायज और निर्दोष लोगों को पकड़ा है। जब अपराधी पकड़े नहीं जाते, तो नाजायज लोगों को पकड़कर ले आए। मेरा नाम याद रखना ये 8 महीने की सरकार है, फिर भाजपा आ रही है। आपको यहां से जाने भी नहीं दूंगा। हमारे कार्यकर्ताओं को परेशान किया है। पुलिस ने एक गैंगवार मामले में भाजपा व कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया था। इससे सांसद बैखला गए। विवाद बढ़ता देख पुलिस ने चारों कार्यकर्ताओं को छोड़ दिया। सांसद ने कहा कि मेरा नाम याद रखना... मैं तुम तीन लोगों को कभी नहीं भूलूंगा। एक यहां के विधायक को, दूसरा पुराने एसएचओ को और आज सबसे पहले आप मेरी लिस्ट में हो गए हो। सबसे बड़ा गुंडा पुलिस वालों की वर्दी में तू है। आपके बच्चे भी ये तरस करेंगे कि तुम उनके बाप थे। छह जनवरी को हिस्ट्रीशीटर लादेन (विक्रम) पर फायरिंग हुई थी। पुलिस उसे जिला अस्पताल (बहरोड) मेडिकल चेकअप के लिए ले गई थी। वहां पहले से मौजूद बदमाशों ने लादेन पर फायरिंग कर दी। फायरिंग में लादेन बच गया, लेकिन वहां इलाज कराने आईं इमरती देवी एवं भूतेरी देवी के पैरों में गोली लग गई। बहरोड़ पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मामले की जांच को लेकर रविवार को सुबह आठ बजे कांग्रेस कार्यकर्ता एडवोकेट राजाराम यादव, भाजपा कार्यकर्ता एडवोकेट हितेन्द्र यादव, नूतन सैनी और निशांत यादव को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने दावा किया कि इनका कनेक्शन छह जनवरी को जिला अस्पताल में हिस्ट्रीशीटर विक्रम उर्फ लादेन पर हुई फायरिंग की घटना से हो सकता है। जब स्थानीय भाजपा-कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस कार्रवाई का पता लगा तो वे बहरोड़ थाने में जम गए। थाने के बाहर माहौल रविवार सुबह से शाम तक तनाव भरा रहा। डीएसपी आनन्द राव ने बताया कि फायरिंग की वारदात से एक दिन पहले 5 जनवरी को बहरोड़ राजकीय कॉलेज में छात्रसंघ शपथ ग्रहण समारोह हुआ था। इसका आयोजन कांग्रेस कार्यकर्ता एडवोकेट राजाराम यादव और भाजपा कार्यकर्ता हितेन्द्र यादव ने किया था। गांव जैनपुरबास निवासी हिस्ट्रीशीटर रहे जसराम गुर्जर का भाई रामफल गुर्जर काफिले के साथ कॉलेज पहुंचा था। वो मंच पर भाजपा जिलाध्यक्ष बलवान यादव सहित अतिथियों के साथ बैठा भी। इस कार्यक्रम के दूसरे ही दिन 6 जनवरी को विक्रम उर्फ लादेन पर हमला हो गया। इस मामले में पुलिस ने एक आरोपी सचिन कुमार को हथियार के साथ गिरफ्तार किया था। शुरुआती जांच में सामने आया है कि विक्रम की हत्या करने के लिए रामफल गुर्जर ने बदमाशों को भेजा, क्योंकि हिस्ट्रीशीटर लादेन पर हिस्ट्रीशीटर जसराम गुर्जर की हत्या करवाने का आरोप है। भाजपा जिलाध्यक्ष बलवान यादव, कांग्रेस नेता बस्तीराम यादव, पूर्व प्रधान रोहिताश यादव, अलवर जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, युवा नेता मोहित यादव, कांग्रेस के विधानसभा प्रत्याशी रहे डॉ. आरसी यादव, पूर्व जिला पार्षद महेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी और भाजपाई नेता-कार्यकर्ता थाने के बाहर नारेबाजी करते हुए जुट गए और सभी को रिहा करने की मांग की। थाने के अंदर जब पुलिस अधिकारियों से वार्ता की जा रही थी, तभी डीएसपी आनन्द राव और कांग्रेस नेता बस्तीराम यादव के बीच नोकझोंक हो गई। यहां भाजपाई एवं कांग्रेसी पुलिस अधिकारियों पर तानाशाही करने का आरोप लगाते दिखे। रविवार दोपहर करीब 3 बजे अलवर सांसद बहरोड थाने पहुंच गए। वहां उन्होंने डीएसपी आनन्द राव को जमकर धमकाया। कहा- हमारी सरकार आने वाली है। उसके बाद हम आपको यहां से जाने नहीं देंगे।

जोशीमठ हादसे से सभी पर्यटन स्थलों को सबक लेना जरूरी : मेहता

उदयपुर(हिंस)। झील संरक्षण समिति, चांदपोल नागरिक मंच एवं गांधी मानव कल्याण सोसाइटी के तत्वावधान में रविवार को आयोजित पर्यावरण संवाद में जोशी मठ आपदा पर गहन चिंतन हुआ तथा झील स्वच्छता श्रमदान का आयोजन किया गया। संवाद मे विद्या भवन पॉलिटेक्निक के प्राचार्य डॉ. अनिल मेहता ने कहा कि जोशी मठ जैसे हादसों से उदयपुर सहित उन सभी पर्यटक स्थलों को सबक लेना होगा जो अपनी धारण क्षमता से अधिक दबाव झेल रहे हैं व जहां प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ अनवरत जारी है। मेहता ने कहा कि होटल, रिसोर्ट बनाने के लिए पहाड़ों को काटा जा रहा है, बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स निर्माण में चट्टानों को खोद बेसमेंट बन रहे हैं, झीलों, नदी नालों के किनारे व भीतर सीमेंट कंक्रीट निर्माण हो रहे हैं। भविष्य में ये एक गंभीर आपदा लाएंगे। झील विकास प्राधिकरण के पूर्व सदस्य तेज शंकर पालीवाल ने कहा कि सीवरेज से भूजल जहरीला होता जा रहा है।

धर्म परिवर्तन की बात पर हंगामा, ईसाई धर्म का प्रचार कर रहे लोगों को भगाया

कैथल (हिंस)। रविवार को अर्जुन नगर के एक धर्म में धर्म परिवर्तन की बात को लेकर सनातनी सेना की मकान मालिक के साथ झड़प हो गई। धर्म परिवर्तन तराने की सूचना पाकर लोग एकत्र हो गए। इसी मुद्दे पर देर तक दोनों पक्षों की झड़प होती रही। पुलिस ने किसी भी तरह की दखलंदाजी से इनकार कर दिया। सनातनी सेना के पदाधिकारी मुकेश शर्मा ने बताया कि अर्जुन नगर स्थित एक घर में ईसाई धर्म प्रचार किया जा रहा था। लोगों को पैसों का लालच देकर उन्हें गुमराह किया जाता है और इसके बाद उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है। रविवार को भी इस घर में इसी उद्देश्य को लेकर भीड़ जमा की गई थी। ऐसा आज पहली बार नहीं हो रहा बल्कि लंबे समय से इसी प्रकार का प्रयास चल रहा है। सनातन धर्म में आस्था रखने वाले लोगों को बहकाया जाता है और फिर उनका माइंड वास कर उनका धर्म परिवर्तन कराया जाता है। वे लोगों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने देंगे और अपना विरोध जारी रखेंगे। मकान मालिक रीना अरोड़ा ने कहा कि इस घर में धर्म परिवर्तन कराने की बातें बिल्कुल निराधार हैं। ईसाई धर्म में विश्वास रखती हैं। जिस कारण वह हर रविवार प्रार्थना सभा आयोजित करती हैं। जिस में हिस्सा लेने के लिए कुछ श्रद्धालु यहां आते हैं।

जैसा प्रजा का चरित्र, वैसा ही चुना जाएगा जन प्रतिनिधि : डॉ. कमल गुप्ता

हिसार (हिंस)। शहरी स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि जनप्रतिनिधि समाज का प्रतिबिंब होता है। कहा जाता रहा है कि यथा राजा तथा प्रजा, परंतु आज नए युग में यह मान्यता बदल चुकी है। दुनिया की किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में जैसा प्रजा का चरित्र होता है, वैसा ही जनप्रतिनिधि चुना जाता है। वे रविवार को गुर्जर कल्याण सभा हिसार की ओर से सरदार बल्लभ भाई पटेल भवन में आयोजित जनप्रतिनिधियों के समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राधाकृष्ण खटाना ने की जबकि प्रताप सिंह चावड़ा ने कार्यक्रम में वरिष्ठ अतिथि के तौर पर शिरकत की। उन्होंने कहा कि आज की नई व्यवस्था नीचे से ऊपर तक चलती रहती है। समाज का आदमी यदि किसी पर भरोसा कर सकता है, तो वह अपने जनप्रतिनिधि पर ही भरोसा कर सकता है। हम सभी जानते है कि भारतवर्ष दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। इसमें जनप्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका हमेशा से रही है। उन्होंने कहा कि हमारा चुना हुआ नुमाईंदा समाज की धारा को बदल देगा, यह संभव नही हो सकता। इसके लिए तो हमें सब को मिल-जुलकर ही प्रयास करना होगा। कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र के महान व्यक्तित्व व राष्ट्र नायक सरदार बल्लभ भाई पटेल सभागार में यह आयोजन किया जा रहा है, उस महान शख्सियत को मैं बार बार नमन करता हूं। हर भारतवासी का मस्तिक उनके सम्मुख अपने आप नतमस्तक हो जाता है। डॉ. गुप्ता ने गुर्जर कल्याण सभा का आभार जताया कि उन्होंने पंच स्तर के भी जनप्रतिनिधियों को सम्मानित करने का कार्य किया है। डॉ. गुप्ता ने संस्था को पांच लाख रुपए अनुदान देने की घोषणा की।

सीएम मान का दबाव आखिरकार आया काम, अन्य मंत्री भी सहमे

जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर लिए गए कठोर स्टैंड का दबाव अंततः काम आ गया है। भगवंत मान सरकार ने दूसरे कैबिनेट मंत्री फौजा सिंह सरारी पर मुख्यमंत्री भगवंत मान लगातार इस्तीफा देने के लिए दबाव डाल रहे थे। मुख्यमंत्री भगवंत मान लगातार अपने भाषणों में कहते आ रहे थे कि वह भ्रष्टाचार को लेकर कोई समझौता नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री तो भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर पूर्व कांग्रेस मंत्रियों पर भी लगातार प्रहार कर रहे थे। ऐसे में विपक्ष के नेता फौजा सिंह सरारी के मामले को लेकर सरकार पर सियासी हमला बोलने में जुटे थे जिसका जवाब भगवंत मान ने आज अंततः फौजा सिंह सरारी से इस्तीफा दिलवा कर दे दिया है। भगवंत मान सरकार ने अब तक भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर कांग्रेस के पूर्व मंत्रियों डॉ. साधु सिंह धर्मसोत, भारत भूषण आशु, सुंदर श्याम अरोड़ा सहित कईयों पर केस दर्ज करवाए हैं। ऐसी स्थिति में वह अपनी सरकार के ऊपर विपक्ष के हमले को सहन नहीं कर सकते थे। कांग्रेस के कुछ पूर्व चेयरमैनों को भी भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार किया जा चुका है। अब चूंकि मुख्यमंत्री भगवंत मान को लेकर समूचे पंजाब में यह प्रभाव चला गया है कि वह भ्रष्टाचार को लेकर कोई समझौता करने वाले नहीं है। इससे उनके मंत्रिमंडल में शामिल अन्य मंत्री भी अब सहम गए हैं। अब उन्हें और भी सतर्कता के साथ चलना होगा क्योंकि यह प्रभाव तो सरकार में चला गया है कि मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार क मामले में किसी को भी बख्शने वाले नहीं हैं चाहे वह विपक्षी नेता हो या फिर अपनी ही सरकार में मंत्री ही क्यों न हो? पूर्व सरकारों के समय तो मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों को क्लीनचिट दे देते थे। मुख्यमंत्री के करीबियों ने बताया कि भगवंत मान ने विजीलैंस ब्यूरो को भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर खुला हाथ दिया हुआ है। इसलिए विजीलैंस ब्यूरो द्वारा भी अगले कुछ समय के दौरान कुछ और पूर्व मंत्रियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर बड़ी कार्रवाई की जा सकती है। इस पेटे में बोर्डों व कार्पोरेशनों के कई पूर्व चेयरमैन भी आ सकते हैं। भ्रष्टाचार को लेकर अब एक खुली जंग छिड़ गई है। सीएम भगवंत मान सरकार द्वारा एक बार फिर से भ्रष्टाचार को लेकर जंग शुरू कर देने के बाद कांग्रेस के पूर्व मंत्रियों में भी भारी हलचल देखी जा रही है। वह भी काफी सहमे हुए दिखाई दे रहे हैं क्योंकि 2-3 पूर्व मंत्रियों के खिलाफ विजिलेंस द्वारा आय से अधिक संपत्ति बनाने के मामलों को लेकर वैरीफिकेशन का कार्य चल रहा है। पूर्व मंत्री सुंदर श्याम अरोड़ा के खिलाफ तो 2 केस दर्ज हो चुके हैं। उनके खिलाफ भी एक अन्य केस आय से अधिक संपत्ति बनाने का भी विचाराधीन है। कुल मिलाकर कांग्रेस के कई पूर्व मंत्री भी अब रगड़े जाएंगे।

सिद्धू मूसेवाला के पिता विदेश से लौटे : हत्या मामलों में नाबालिगों के जुड़ने पर जताई चिंता

अमृतसर। सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह 16 दिनों के बाद विदेश से वापस लौट आए हैं। वापस लौटते ही सबसे पहले वह बेटे सिद्धू मूसेवाला की मजार पर गए। जिसके बाद हवेली में फैंस के साथ अपना दुख सांझा किया। बलकौर सिंह ने नाबालिगों के गैर-कानूनी कामों में जुड़ने और पंजाब में नशे को लेकर आप सरकार को घेरा। गौरतलब है कि 22 दिसंबर को सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह विदेश यात्रा पर गए थे। यह पहला मौका था जब वह अकेले विदेश गए थे, जबकि मां चरण कौर घर पर थी। नए साल पर रविवार को चरण कौर ने ही सिद्धू मूसेवाला के फैंस के साथ मुलाकात की थी। सिद्धू मूसेवाला के पिता ने फैंस से बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि वह उनके लिए 4 दिन पहले विदेश से लौटे हैं। फैंस के कारण ही उनका दर्द बंटा है और वह चाहते थे कि जल्द लौट सभी से मिला जाए। सिद्धू मूसेवाला के पिता ने गैंगस्टरों के नाबालिगों को बहला फुसलाकर गलत काम करवाने पर चिंता व्यक्त की। उनका कहना था कि पुलिस नाबालिगों से पूछताछ नहीं कर सकती, चाहे वे उनके घर पर ही बम फेंक आएं। भारत के नियम ही ऐसे हैं। सरकारें, जिन्हें नियम बनाने के लिए चुन कर भेजा, वे सभी भी चुप हैं। उन्होंने कहा कि हमारा कानून इस जुर्म के लिए नाकाफी है। रोज कत्ल हो रहे हैं। दो दिन पहले जगराओं में कत्ल हुआ, लेकिन हुआ क्या? कुछ भी नहीं। आसानी से यह गैंगस्टर कत्ल करके निकल जाते हैं। जग्गू व लॉरेंस पर 100 केस हैं, लेकिन आज तक उन्हें एक भी मामले में सजा नहीं हुई और न होगी। बलकौर सिंह ने इस दौरान विदेश में बसे एनआरआई की पंजाब के लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति पर चिंता को भी बयान किया। उन्होंने कहा कि एनआरआई भी पंजाब के हालातों को देख हैरान है। वह जानना चाहते हैं कि पंजाब में हो क्या रहा है। रोज ही इधर गोली लग गई, उधर गोली चल गई ही सुनने को मिलता है। पंजाब में बिक रहे नशे को लेकर बलकौर सिंह आप सरकार पर खूब बरसे। उनका कहना था कि पंजाब में तकरीबन साढ़े 12 हजार गांव है। अगर 5 ग्राम भी हेरोइन एक गांव में लगती है तो पूरे पंजाब के लिए ढाई क्विंटल हेरोइन चाहिए। इतना नशा रोज बॉर्डर पार से नहीं आ सकता।

राजस्थान में कोरोना के पांच नए मामले

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में रविवार को कोरोना के पांच नए संक्रमित मिले। ये संक्रमित जयपुर और उदयपुर जिलों में सामने आए। जबकि, 16 संक्रमित रिकवर हुए। इसके बाद सक्रिय मामले कम होकर 68 रह गए। चिकित्सा विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार रविवार को जयपुर में तीन और उदयपुर में दो नए मामले मिले। करीब छह हजार सैम्पल्स की जांच में दोनों जिलों में नए संक्रमित सामने आए। प्रदेश में रविवार को 16 संक्रमित रिकवर हुए। इसके बाद सक्रिय मामले कम होकर 68 रह गए। प्रदेश में सबसे ज्यादा 62 सक्रिय मामले अकेले जयपुर जिले में है।

परीक्षा पे चर्चा के लिए दें सुझाव मिलेगा पीएम से संवाद का अवसर

गुरुग्राम (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस वर्ष के परीक्षा पे चर्चा संवाद के लिए सभी को विशेष रूप से लगनशील परीक्षार्थियों, माता-पिता और शिक्षकों को अपने विचार सांझा करने के लिए आमंत्रित किया है। परीक्षा से पूर्व विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने में यह कार्यक्रम बेहद प्रभावी साबित हुआ है। इस वर्ष परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का 27 जनवरी को नई दिल्ली के ताल कटोरा स्टेडियम में आयोजन किया जाएगा। परीक्षा पे चर्चा के लिए पोर्टल पर जाकर पंजीकरण किया जा सकता है, इस पोर्टल पर पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी करने के साथ परीक्षा पे चर्चा के आगामी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री से संवाद करने का अवसर मिल सकता है। परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम युवाओं के लिए तनाव मुक्त माहौल बनाने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बड़े जनआंदोलन-एग्जाम वॉरियर्स का हिस्सा है। यह एक ऐसा जन आंदोलन है, जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छात्रों, माता-पिता, शिक्षकों और समाज को एक साथ लाने के प्रयासों से प्रेरित है। डीसी निशांत कुमार यादव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में माता-पिता और शिक्षकों के साथ भी बातचीत करेंगे, ताकि विद्यार्थियों को उनकी सभी आकांक्षाओं और लक्ष्यों को पूरा करने में सक्षम बनाया जा सके। परीक्षा पे चर्चा के छठे संस्करण में इस बार विशेष रूप से एग्जाम वॉरियर्स, माता-पिता और शिक्षकों को इस वर्ष की बातचीत के लिए अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया है। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में प्रत्येक बच्चे के व्यक्तित्व को प्रोत्साहित किया जाता है और खुद को पूरी तरह से अभिव्यक्त करने की अनुमति दी जाती है।

दुकानदार का ध्यान भटकाकर महिलाओं ने चुरा लिए 80 हजार के सूट

हिसार (हिंस)। शहर में कैमरी रोड स्थित एक दुकान से चार शातिर महिलाएं दुकानदार का ध्यान भटका कर 30 से 40 सूट चुराकर फरार हो गईं। दुकानदार दीपक के अनुसार 40 सूटों की कीमत करीब 80 हजार रुपए है। चारों महिलाएं दुकान में करीब आधे घंटे तक रुकीं। दुकानदार को चोरी का आभास शाम को हुआ जिस पर आजाद नगर थाने में मामला दर्ज करवाया। पुलिस को दी शिकायत में दुकानदार दीपक ने बताया कि दोपहर के समय वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। इस दौरान दो महिलाएं कपड़ा खरीदने के लिए आई। महिलाओं ने उससे कहा कि रिश्तेदारी में शादी है, भात भरने के लिए महंगे सूट दिखाओ।

पांच जिलों के 11 टोल प्लाजा पर धरने से करोड़ों का नुकसान, 15 को ही हटेंगे किसान

अमृतसर। मांगों को लेकर पिछले 23 दिन से किसान राज्य के पांच जिलों में 11 टोल प्लाजा पर धरना दे रहे हैं। इससे अब तक करोड़ों का नुकसान हो चुका है। नेशनल हाईवे अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआइ) ने सभी जिलों के डिप्टी कमिश्नरों को किसानों का धरना हटाने के लिए पत्र लिखा है, लेकिन किसी ने कोई कदम नहीं उठाया है। उधर, किसान नेताओं ने कहा है कि जिलाधीश कार्यालयों तथा टोल प्लाजा से धरना 15 जनवरी से पहले नहीं हटेगा। पहले से की गई गई घोषणा के तहत 15 जनवरी को ही धरना हटाया जाएगा। इसके बाद अगली रणनीति तय की जाएगी। पंजाब में 23 टोल प्लाजा केंद्र सरकार और 12 राज्य सरकार के अधीन चल रहे हैं। 15 दिसंबर से किसानों के धरने के कारण इस समय पांच जिलों अमृतसर, तरनतारन, जालंधर, होशियारपुर व बरनाला के 12 टोल प्लाजा से सभी वाहन बिना टोल दिए गुजर रहे हैं। अमृतसर जिले के टोल चार टोल प्लाजा पर 23 दिनों में नौ करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। इसी तरह तरनतारन में उस्मा टोल प्लाजा पर प्रतिदिन 14 से 15 लाख तथा मनन टोल प्लाजा पर 40 से 50 हजार रुपए का नुकसान हो रहा है। पिछले 23 दिनों में 3.68 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। जालंधर के कांवा वाला टोल प्लाजा पर किसानों के धरने के कारण अब तक 2.88 करोड़ के राजस्व का नुकसान हो चुका है। डीसी जसप्रीत सिंह के मुताबिक किसानों को टोल प्लाजा से हटने की चेतावनी दी गई थी। उन्होंने 15 जनवरी को टोल प्लाजा से धरना खत्म करने की घोषणा की है। होशियारपुर जिले के टटोल प्लाजा चौलांग टांडा, टोल प्लाजा हरसा मानसर मुकेरियां व टोल प्लाजा मानगढ़ गढ़दीवाला में भी अब तक सवा चार करोड़ का नुकसान हो चुका है। बरनाला में जगजीतपुरा टोल प्लाजा पर प्रतिदिन लगभग सवा तीन लाख रुपए का नुकसान हो रहा है। 29 को रेल रोकेंगे किसान दूसरी तरफ किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि 29 जनवरी को पूरे पंजाब में तीन घंटे के लिए दोपहर एक से तीन बजे तक ट्रेनों को रोका जाएगा। 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली फतेह दिवस के तौर पर मनाया जाएगा।

राजौरी में सेना ने दो घुसपैठियों को किया ढेर, हथियार व गोला-बारूद बरामद

राजौरी (हिंस)। सेना ने रविवार को पुंछ जिले के बालाकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास दो घुसपैठियों को मार गिराया। राजौरी जिले के डांगरी हमले के बाद पीर पंजाल क्षेत्र में आतंकियों को पकड़ने के लिए चलाए गए तलाशी अभियान के बीच सीमा पर चौकस जवानों ने घुसपैठ विफल कर दी। सेना के जवानों को घुसपैठियों के शव के पास से हथियार और गोला-बारूद भी बरामद हुआ है। सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल देवेंद्र आनंद ने बताया कि पुंछ जिले के उप जिला मेंढर में भारत-पाकिस्तान नियंत्रण रेखा पर बालाकोट सेक्टर में शनिवार देर शाम सेना ने एलओसी को पार करने की कोशिश कर रहे 2 घुसपैठियों की संदिग्ध गतिविधि देखी। बाड़ और एलओसी पर तैनात सैनिकों को शाम करीब 7.45 बजे सतर्क किया गया। इसके बाद जवानों ने हल्के हथियारों के साथ राकेट दागे। इसके बाद हरकत बंद हो गई। राष्ट्रीय राइफल्स 13 सेक्टर के कमांडर ब्रिगेडियर पी आचार्य ने बताया कि सेना के जवानों ने लगभग 7.50 बजे फिर बाड़ के पास हलचल देखी। जवानों ने हल्के हथियारों से संदिग्धों को रोकने के लिए गोलीबारी की। इसके बावजूद घुसपैठिए आगे बढ़ने से बाज नहीं आए, बल्कि फायरिंग शुरू कर दी। सेना के जवानों ने राकेट लांचर का प्रयोग करते हुए दो से तीन राकेट दागे। इस कार्रवाई में दो घुसपैठिए मारे गए।

कोहरे का कहर : गंगनहर में गिरी कार पंजाब के किसान समेत तीन की मौत

श्रीगंगानगर (हिंस)। श्रीगंगानगर में रविवार सुबह एक कार गंगनहर में गिर गई। इससे कार में सवार तीन किसानों की मौत हो गई। हादसा कोहरे के कारण हुआ। जानकारी के अनुसार साधुवाली गांव के पास गंगनहर पर गाजर धुलाई का काम चल रहा है। तीनों किसान कार में सवार होकर गंगनहर पर गए थे। धुंध की वजह से कार नहर में गिर गई। जब तक कार को बाहर निकाला जाता तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। मृतक किसानों में से दो साधुवाली गांव के थे और एक किसान पंजाब के गुमजाल गांव का था। वहीं, हादसे की खबर सुनकर मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग पहुंच गए। तीनों किसान कार में खेत से नहर की तरफ आ रहे थे। इस दौरान पुलिस पर कार चढ़ते ही बेकाबू हो गई, फिर नहर में जा गिरी। हादसे में मृत किसान रवींद्र (30) पुत्र सुभाष पंजाब के गांव गुमजाल का रहने वाला है। अजमेर सिंह(45) पुत्र सुरजीत सिंह और संजय (36) पुत्र पूर्ण सिंह साधुवाली के ही रहने वाले हैं। तीनों किसान अपने एक परिचित के खेत पर गए थे। खेत साधुवाली की गाजर मंडी से करीब आधा किलोमीटर दूर है। वहां से लौटते समय ये लोग खेत से नहर की पुलिया पर चढ़े ही थे। इस दौरान कार की स्पीड बढ़ाने से हादसा हो गया। कार के नहर में गिरते ही दरवाजा खुल गया, लेकिन केवल संजय ही कार से बाहर निकल पाया। अजमेर सिंह और रवींद्र सिंह कार में फंसे रह गए। संजय ने कार से निकलकर किनारे की तरफ जाकर मोबाइल की रोशनी की। इसी दौरान एक कार चालक नहर की पटरी पर जा रहा था। उसने नहर में मोबाइल की रोशनी देखी तो वह संजय को बचाने नहर में कूद गया। उसने संजय को बाहर निकाला। उसे अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टर ने संजय को मृत घोषित कर दिया। रात होने के कारण दोनों शवों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। रविवार सुबह नहर में दोबारा सर्च किया गया। घटनास्थल से कुछ दूरी पर अजमेर सिंह और रवींद्र के शव मिले। तीनों के शव श्रीगंगानगर के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। इनके पोस्टमार्टम की तैयारी की जा रही है। साधुवाली के रहने वाले संजय का एक पंद्रह साल का बेटा है। जबकि अजमेर सिंह के दो बेटे हैं। तीसरे मृतक रवींद्र का तीन साल का एक बेटा है। रवींद्र की पत्नी की कुछ समय पहले मौत हो चुकी है।

मन को पवित्र करना ही सबसे बड़ी साधना: बंडारू दत्तात्रेय

गुरुग्राम (हिंस)। ब्रह्माकुमारीज एक खुली किताब की तरह है। यह संस्था विश्व परिवर्तन के भगीरथ कार्य करने के निमित्त बनी है। वर्ष 1936 में लेगसी ऑफ ब्रह्मा बाबा ने आंतरिक बदलाव का इस संस्था के रूप में बीज बोया था। जो आज पूरे विश्व में एक वट वृक्ष की भांति फैल चुका है। वे रविवार को ब्रह्माकुमारीज के गुरुग्राम स्थित ओम शांति रिट्रीट (ओआरसी) सेंटर में ब्रह्मा बाबा के स्मृति दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भारतीय पुरातन दैवी संस्कृति को पुनर्जिवित करने का आधार ब्रह्मा बाबा ने रखा। यहां आकर उन्हें जीवन की गहराई को जानने का मौका मिला। राज्यपाल ने कहा कि आध्यात्मिकता ही मन को सच्ची शांति प्रदान कर सकती है। एक शांत मन ही कार्य को बेहतर ढंग से कर सकता है। मन ही सबसे बड़ी शक्ति है। मन को सकारात्मक और श्रेष्ठ दिशा प्रदान करना ही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। मन को पवित्र करना ही सबसे बड़ी साधना है। साधना एक दिन में नहीं होती। साधना के लिए लंबा समय चाहिए। श्री दत्तात्रेय ने कहा कि राजनीति में ब्रह्माकुमारीज द्वारा सिखाए जा रहे राजयोग की बहुत जरूरत है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति बहुत महान है। माता को प्रथम गुरु भी कहा जाता है। ओआरसी की निदेशिका आशा दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा गुरु नहीं थे। बल्कि हम सबके अलौकिक पिता थे। उन्होंने कहा कि ब्रह्मा बाबा ही वो माध्यम हैं, जिनके द्वारा परमात्मा ने सतयुगी दुनिया की स्थापना की। ब्रह्मा बाबा का पूर्व जीवन हम सबकी तरह एक साधारण मनुष्य के रूप में था। दादा लेखराज के नाम से समाज में एक प्रतिष्ठित जौहरी थे। स्वयं परमपिता शिव परमात्मा ने ही उनका अलौकिक नाम प्रजापिता ब्रह्मा रखा। और उनके द्वारा ज्ञान और सहज राजयोग की शिक्षा प्रदान की। ओआरसी की निदेशिका शुक्ला दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा वास्तव में दधीचि ऋषि की तरह थे। उन्होंने मानवता की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पण कर दिया था। उनके जीवन से त्याग, तपस्या और सेवा की प्रेरणा स्वत ही मिलती थी। उन्होंने कहा कि उनका ये जीवन ब्रह्मा बाबा के स्नेह और शिक्षाओं की ही धरोहर है। संस्था के दिल्ली, करोल बाग की निदेशिका बीके पुष्पा ने कहा कि बाल्यकाल से ही उन्हें ब्रह्मा बाबा का सानिध्य प्राप्त हुआ। ब्रह्मा बाबा सिर्फ शिक्षा ही नहीं देते थे। बल्कि एक मां की तरह स्नेह और वात्सल्य से भर देते थे। ब्रह्मा बाबा मन-वचन-कर्म से सदा ही विश्व सेवा में समर्पित रहे।

अमेरिका में बेरोजगारी 50 साल के निचले स्तर पर, महंगाई घटी, मगर टूटी नहीं

वाशिंगटन।
दिसंबर के महीने में अमेरिका में बेरोजगारी दर 50 साल के निचले स्तर पर आ गई है, जो कोविड-19 महामारी के प्रभाव और यूक्रेन युद्ध के कारण हाल ही में वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि से आर्थिक सुधार का निश्चित संकेत है। लेकिन महंगाई एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने शुक्रवार को अपनी टिप्पणी में देश को याद दिलाया कि उन्होंने नौकरियों पर आई नई रिपोर्ट का जश्न मनाया है। उन्होंने कहा, आज की रिपोर्ट हमारी अर्थव्यवस्था के लिए बहुत अच्छी खबर है और इस बात का अधिक प्रमाण है कि मेरी आर्थिक योजना काम कर रही है। बेरोजगारी दर 50 वर्षो में सबसे कम है। हमने इतिहास में नौकरियों में वृद्धि के दो सबसे मजबूत वर्ष पूरे किए हैं और हम एक परिवर्तन देख रहे हैं। लेकिन, बाइडेन ने आगाह किया : हमें अभी भी मुद्रास्फीति को कम करने के लिए काम करना है और जीवन यापन में दिक्कत महसूस कर रहे अमेरिकी परिवारों की मदद करनी है। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। श्रम विभाग की नवीनतम गणना के अनुसार, नवंबर में समाप्त हुए 12 महीनों के लिए मुद्रास्फीति 7.1 प्रतिशत थी, बाद में जनवरी में एक नया अनुमान आने की उम्मीद है। पिछले जून में यूएस फेड रिजर्व बैंक ने हस्तक्षेप शुरू किया था, क्योंकि मुद्रास्फीति 0.75 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 40 साल के उच्च स्तर 8.6 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 1994 के बाद से सबसे अधिक थी। दिसंबर के अंत में आधा प्रतिशत अंक था। अगले छह महीनों में इसमें कुछ और बढ़ोतरी हो सकती है। इन बढ़ोतरी का लक्ष्य क्रेडिट को महंगा बनाकर खर्च पर अंकुश लगाना है, लेकिन ऐसी आशंकाएं हैं कि वे उत्पादन को प्रतिबंधित कर सकते हैं – यदि उपभोक्ता खरीद नहीं करते हैं, तो कंपनियों के पास बेचने के लिए बहुत कुछ नहीं होगा और उत्पादन में कटौती होगी। इससे मंदी बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को धीमी कर देगी। फेड अपने शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय की 31 जनवरी-1 फरवरी की बैठक के बाद एक और दर वृद्धि की घोषणा करने के लिए तैयार है। लेकिन संकेत हैं कि इस सप्ताह जारी की गई निकाय की दिसंबर की बैठक के मिनट्स के अनुसार, बढ़ोतरी तिमाही प्रतिशत अंकों की सीमा में कम हो सकती है। मिनट्स (कार्यवृत्त) में कहा गया है, ज्यादातर प्रतिभागियों ने नीति को और अधिक प्रतिबंधात्मक रुख पर ले जाते समय लचीलेपन और वैकल्पिकता को बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। आगे कहा गया है, प्रतिभागियों ने मुद्रास्फीति को (फेडरल ओपन मार्केट) समिति के 2 प्रतिशत के उद्देश्य पर वापस लाने की अपनी मजबूत प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की। कई प्रतिभागियों ने इस बात पर जोर दिया कि स्पष्ट रूप से संवाद करना महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि दर में वृद्धि की गति में कमी अपने मूल्य स्थिरता लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समिति के संकल्प के कमजोर होने का संकेत नहीं है। बाइडेन प्रशासन ने 370 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम के माध्यम से मुद्रास्फीति पर भी निशाना साधा, जो अति-अमीरों पर उच्च करों द्वारा घाटे को कम करने, स्वास्थ्य देखभाल लाभों का विस्तार करने, कुछ नुस्खे वाली दवाओं के लिए कम कीमतों और स्वच्छ ऊर्जा में निवेश का एक ऐतिहासिक प्रयास है।

न्यूज़ ब्रीफ

22 राज्यों में व्यापार करते हैं, हर जगह बीजेपी नहीं, पीएम मोदी से नजदीकी पर क्या बोले अदाणी

नई दिल्ली । दुनिया के तीसरे सबसे अमीर शख्स गौतम अदाणी ने शनिवार को कई सवालों के जवाब दिए। एक मीडिया समूह को दिए साक्षात्कार में उन्होंने अदाणी समूह की सफलता के पीछे प्रधानमंत्री मोदी की नजदीकी के सवाल पर कहा कि यह बेबुनियादी बात है। हम 22 राज्यों में व्यापार करते हैं। सभी राज्यों में भाजपा की सरकार नहीं है। उन्होंने कहा, अदाणी समूह लेफ्ट शासित राज्य केरल, ममता दीदी के पश्चिम बंगाल, नवीन पटनायक के ओडिशा, जगनमोहन रेड्डी और यहां तक कि केसीआर के राज्य में भी व्यापार कर रहा है। किसी भी राज्य में हमें समस्या नहीं होती। अदाणी ने कहा, मैं आपको बताना चाहूंगा कि आप प्रधानमंत्री मोदी से व्यक्तिगत मदद नहीं ले सकते हैं। आप उनसे राष्ट्रीय नीतियों पर बात कर सकते हैं, लेकिन जब नीतियां बनती हैं तो वह सभी के लिए होती हैं, सिर्फ अदाणी समूह के लिए नहीं। साक्षात्कार के दौरान गौतम अदाणी ने राहुल गांधी द्वारा बार-बार लगाए जा रहे आरोपों पर भी खुलकर जवाब दिया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी एक सम्मानित नेता हैं और वह भी देश की प्रगति चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं उनके द्वारा लगाए गए आरोपों को सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी मानता हूं और इन बातों को गंभीरता से नहीं लेता। उन्होंने कहा, राहुल गांधी को एक राजनीतिक पार्टी चलानी है, उनकी विचारधारा की लड़ाई होती है। आरोप-प्रत्यारोप होते हैं। मैं एक सामान्य उद्योगपति हूं और अपना काम करता हूं, वहीं राहुल गांधी अपने हिसाब से काम करते हैं। गौतम अदाणी ने दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी को लेकर भी जवाब दिए। उन्होंने कहा, उनके पिता व रिलायंस इंडस्ट्रीज के संस्थापक धीरूभाई एक आदर्श हैं और हमारे लिए एक प्रेरणा हैं। उनके बेटे मुकेश अंबानी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं।

मैकडॉनल्ड्स के सीईओ बोले- जा सकती है कुछ लोगों की नौकरी,

नई दिल्ली । मैकडॉनल्ड्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रिस केम्पजिंस्की ने शुक्रवार को

कर्मचारियों को भेजे ज्ञापन में कहा है कि कंपनी अपने कुछ कॉरपोरेट कर्मचारियों में कटौती करने की योजना बना रही है। केम्पजिंस्की ने कहा, हम संगठन के कुछ हिस्सों में भूमिकाओं और स्टाफिंग स्तरों का मूल्यांकन करेंगे और कुछ कठिन फैसले भी लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा, कंपनी की कुछ पहलों को प्राथमिकता से हटा दिया जाएगा या पूरी तरह से रोक दिया जाएगा। उन्होंने कहा यह हमें एक संगठन के रूप में तेजी से आगे बढ़ने में मदद करेगा और हमारी वैश्विक लागत को कम करेगा। ऐसा होने से हमारे संसाधन विकास योजनाओं में निवेश करने के लिए मुक्त होंगे। केम्पजिंस्की ने कर्मचारियों को लिखा, हमारे पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है पर हम और भी बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। हम बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन हम और भी बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी को तेज, ज्यादा इनोवेटिव व और अधिक कुशल बनना होगा।

दक्षिण और पूर्वी एशिया में काम के घंटे सबसे ज्यादा, अमेरिका-यूरोप में स्थिति सबसे बेहतर

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने प्रति सप्ताह काम के औसत घंटों को लेकर रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण और पूर्वी एशिया में काम के घंटे सबसे ज्यादा हैं। जबकि उत्तरी अमेरिका, यूरोप और मध्य एशिया काम के घंटे सबसे कम हैं। वर्किंग टाइम एंड वर्क लाइफ शीर्षक वाली रिपोर्ट के अनुसार, विकसित देश भारत, चीन और ब्राजील के लोगों को अधिक समय तक काम करना पड़ता था। जबकि, 1970 में ब्राजील में काम के घंटे में गिरावट का ट्रेंड शुरू हुआ। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में वैश्विक स्तर पर थोक और खुदरा व्यापार में सबसे ज्यादा काम के घंटे थे। यहां लोगों को सप्ताह में औसतन 49.1 घंटे काम करना पड़ता था। इसके अलावा परिवहन व संचार में, 48.2 घंटे, मैन्यूफैक्चरिंग में 47.6 घंटे काम करना होता था। इसके अलावा सबसे छोटे काम के घंटे कृषि क्षेत्र में थे, जहां 37.9 घंटे काम करना होता था। इसके अलावा शिक्षा 39.3 घंटे में और स्वास्थ्य सेवाओं में 39.8 घंटे काम करना होता था। रिपोर्ट में कहा गया है कि काम के सबसे लंबे औसत घंटों वाला व्यावसायिक समूह प्लांट व मशीन ऑपरेटर और असेंबलर था, जो औसतन प्रति सप्ताह 48.2 घंटे काम करना था।

पेशाब कांड पर टाटा संस के चेयरमैन ने जताई चिंता, बोले- हम हालात से निपटने में विफल रहे

नई दिल्ली ।
एयर इंडिया के यात्री के पेशाब करने का मामला अब और तूल पकड़ता जा रहा है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन के बाद अब इस मामले में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नवंबर में न्यूयार्क से आ रहे एक विमान में एक यात्री के एक साथी महिला यात्री पर पेशाब करने का मामला उनके लिए व्यक्तिगत पीड़ा का विषय है। इससे पहले कल यानी शनिवार को एयर इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैंपबेल विल्सन ने इस पूरे मामले पर माफी मांगी थी। साथ ही उन्होंने चालक दल के चार सदस्यों और एक पायलट के खिलाफ हुई कार्रवाई के बारे में अवगत कराया था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि एयरलाइन उड़ानों में शराब परोसने की नीति की भी समीक्षा कर रही है।

टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने दी प्रतिक्रिया

26 नवंबर 2022 को न्यूयॉर्क और दिल्ली के बीच संचालित एआई 102 में हुई घटना के मामले में टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने अपने बयान में कहा इस पूरे मामले में एयर इंडिया की प्रतिक्रिया बहुत तेज होनी चाहिए थी। हम इस स्थिति को उस तरह से संबोधित करने में फेल रहे हैं जिस तरह से यह होना चाहिए था।

एयर इंडिया ने दी थी ये सफाई

इससे पहले एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, एयर इंडिया उड़ान के दौरान उन घटनाओं को लेकर बहुत चिंतित है जहां हमारे विमान में अपने सह-यात्रियों के निंदनीय कृत्यों के कारण यात्रियों को परेशानी पड़ रही है। हमें खेद है और हम इन अनुभवों से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि एयर इंडिया स्वीकार करती है कि वह इन मामलों को हवा और जमीन दोनों जगहों पर बेहतर तरीके से संभाल सकती थी।

वे इस मामले में कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। एयरलाइन की ओर से उपद्रवी यात्री की सूचना कानून प्रवर्तन अधिकारियों को तत्काल नहीं दिए जाने पर उठ रहे सवालों के बीच उन्होंने कर्मचारियों को सलाह दी कि वे किसी भी समझौते पर पहुंचने के बावजूद सभी घटनाओं की रिपोर्ट करें।

एयर इंडिया सीईओ ने कहा कि एक जिम्मेदार एयरलाइन ब्रांड के रूप में एयर इंडिया ने घटनाओं और अनियंत्रित यात्रियों से निपटने की नीतियों के बारे में चालक दल की जागरूकता और अनुपालन को मजबूत करने के लिए एक व्यापक शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से अधिक अच्छे तरीके से निपटा जा सके। इससे पहले नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गुरुवार को कहा था कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि एयर इंडिया ने विमान में अनियंत्रित यात्री से निपटने से संबंधित प्रावधानों का पालन नहीं किया है।

रिश्वत लेने के आरोप में चेन्नई के आयकर अधिकारी और सीए गिरफ्तार

नई दिल्ली ।
केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 2.25 लाख रुपये रिश्वत लेने के मामले में चेन्नई में एक आयकर अधिकारी और एक चार्टर्ड अकाउंटेंट को गिरफ्तार किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने बताया है कि सीपीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता संजय चिंचघरे, सहायक मूल्यांकन अधिकारी डी. मंजूनाथन और चार्टर्ड अकाउंटेंट सतगुरुदास और करदाता व संपत्ति मालिक सुरेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद ब्यूरो ने यह कार्रवाई की। चिंचघरे चेन्नई आयकर मूल्यांकन प्रकोष्ठ में जिला मूल्यांकन अधिकारी के पद पर भी तैनात थे। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने आरोपियों के खिलाफ जो मामला दर्ज किया था उसके अनुसार सुरेश ने अपने आयकर रिटर्न में ऊंची संपत्ति के लेन-देन की घोषणा की थी, जिसे नेशनल फेसलेस असेसमेंट सेंटर, नई दिल्ली ने आयकर मूल्यांकन प्रकोष्ठ को भेज दिया था। उन्होंने बताया कि मनुनाथन ने कथित तौर पर संपत्ति का निरीक्षण किया और संपत्ति के मूल्य में बदलाव को रेखांकित किया। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने कहा, मूल्यांकन को अंतिम रूप देने के लिए सक्षम प्राधिकारी चेन्नई के सीपीडब्ल्यूडी के एक अधीक्षण अभियंता (योजना) चिंचघरे थे। जो चेन्नई के आईटी मूल्यांकन प्रकोष्ठ के जिला मूल्यांकन अधिकारी (डीवीओ) का प्रभार संभाल रहे थे। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा, आयकर मूल्यांकन प्रकोष्ठ के अधिकारियों ने संपत्ति के मालिक सुरेश अवैध तरीके से पहुंचाने के लिए 3.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। सुरनेश ने अपने ऑडिटर/सीए सतगुरुदास को पैसा देने के लिए भेजा था।

उन्होंने बताया कि कथित रिश्वत लेन-देन के बारे में सूचना मिलने के बाद सीबीआई ने मंजूनाथन और सतगुरुदास को उस समय गिरफ्तारकिया जब कथित तौर पर पैसों का लेन-देन हो रहा था। प्रवक्ता ने कहा, एवीओ से 2.25 लाख रुपये की राशि वसूल की गई और उक्त संपत्ति के संबंध में जो आदेश जारी किया गया था उसे भी सीबीआई ने बरामद कर लिया है।

टॉप-10 में आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.06 लाख करोड़ घटा, इंफोसिस-टीसीएस को हुआ सबसे ज्यादा नुकसान

नई दिल्ली ।
सेंसेक्स की टॉप-10 कंपनियों में से आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.06 लाख करोड़ रुपये घट गया है। आंकड़ों के मुताबिक, सबसे ज्यादा नुकसान इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) तथा

एचडीएफसी बैंक को हुआ है। इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 25,185.37 करोड़ रुपये घटकर 6,09,687.79 करोड़ रुपये रह गया।

940.37 अंक लुढ़का था सेंसेक्स – बीते सप्ताह 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 940.37 अंक लुढ़क गया था, जिससे यह 1.55 प्रतिशत के नुकसान में रहा था। इसके चलते हिंदुस्तान यूनिलीवर और जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को छोड़कर अन्य कंपनियों का बाजार मूल्यांकन भी घट गया। इन्फोसिस के अलावा एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 18,375.41 करोड़ रुपये के नुकसान से 8,89,130 करोड़ रुपये पर आ गया। वहीं टीसीएस की बाजार पूंजीकरण 17,289.02 करोड़ रुपये घटकर 11,75,287.30 करोड़ रुपये पहुंच गया।

आईसीआईसीआई व एसबीआई को भी हुआ नुकसान – आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 14,447.69 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 6,07,140.65 करोड़ रुपये रह गया। तो भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार मूल्यांकन 11,245.01 करोड़ रुपये घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 7,408.2 करोड़ रुपये टूटकर 17,16,571.25 करोड़ रुपये रह गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एसबीआई, एचडीएफसी, एलआईसी और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

एयरटेल-जियो को टक्कर देगी बीएसएनएल : सरकारी टेलीकॉम कंपनी बीएसएनएल अप्रैल 2024 तक लॉन्च करेगी 5जी सर्विस

नई दिल्ली ।
एयरटेल और जियो के बाद अब सरकारी टेलीकॉम कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड भी अपनी 5जी सर्विस को लॉन्च करने की तैयारियां कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यूनियन एंड टेलीकॉम मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव ने इस बात को कंफर्म किया है।

बीएसएनएल 5जी सर्विस को अप्रैल 2024 तक पेश करेगा – रिपोर्ट में बताया गया है कि अश्विनी वैष्णव ने अनाउंसमेंट की है कि बीएसएनएल अपनी 5जी सर्विस को अप्रैल 2024 तक पेश कर देगा। फिलहाल, कंपनी 4जी लॉन्च पर ध्यान दे रही है। बीएसएनएल 4जी नेटवर्क लॉन्च होने के एक साल के अंदर ही इसको 5जी पर अपग्रेड कर दिया जाएगा।

4जी नेटवर्क लॉन्च करने पर काम कर रही बीएसएनएल – फिलहाल, बीएसएनएल टीसीएस के साथ मिलकर 4जी नेटवर्क लॉन्च करने पर काम कर रही है। अश्विनी वैष्णव के अनुसार, बीएसएनएल 5जी मार्च या अप्रैल 2024 से उपलब्ध होगा। उन्होंने ये भी बताया कि नेटवर्क अपग्रेडशन का काम काफी तेजी से हो रहा है। बीएसएनएल रैपिडली 4जी सर्विस को पेश करेगा और ऐसा ही 5जी के साथ भी होगा। अश्विनी वैष्णव ने एयरटेल और जियो 5जी सर्विस को ओडिशा में पेश करने के दौरान यह बातें कही हैं। उन्होंने ये भी दावा किया कि पूरे ओडिशा में बीएसएनएल 5जी सर्विस अगले 2 साल में उपलब्ध करा दी जाएगी। इससे पहले उन्होंने कहा था कि राज्य में 5जी सर्विस 26 जनवरी से उपलब्ध हो जाएगी।

एयरटेल और जियो को टक्कर देगी बीएसएनएल – बीएसएनएल 5जी सर्विस लॉन्च होने के बाद एयरटेल और जियो को टक्कर मिलेगी। आपको बता दें कि एयरटेल और जियो ने भारत में अक्टूबर में 5जी सर्विस को लॉन्च किया था। इसके बाद से अब तक एयरटेल और जियो दोनों कंपनियों ने कई शहरों में 5जी सर्विस लॉन्च कर दी है।

भारत में एयरलाइंस हर साल अपने बेड़े में जोड़ेंगी 100 से अधिक विमान

नई दिल्ली।
इंडिगो एयरलाइन ने अपने बेड़े में 300 विमानों का विस्तार किया है। विमानन क्षेत्र में वृद्धि के अनुसार देश की एयरलाइनों के बेड़े में अगले कुछ वर्षों तक हर साल 100 से अधिक विमान जुड़ने की संभावना है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि 2013 में करीब 400 विमान थे और 2021-22 में यह संख्या बढ़कर 700 हो गई। 2027 तक 1,200 विमानों के करीब हो जाएगी।

अधिकारियों ने कहा कि एयरलाइन के बेड़े के आकार का विस्तार एक व्यावसायिक निर्णय है और इसलिए प्रत्येक एयरलाइन वाणिज्यिक व्यवहार्यता, यातायात की मांग और अपनी व्यावसायिक योजना को ध्यान में रखते हुए विमानों को शामिल करने का निर्णय लेती है। कोविड काल को छोड़कर विमानन यातायात में लगातार वृद्धि देखी गई है। अगले कुछ वर्षों के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अखिल भारतीय यात्री वृद्धि 2023-24 में 371 मिलियन और 2024-25 में 412 मिलियन होने का अनुमान है। इसी तरह हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे में भी पिछले कुछ वर्षों में इसी तरह की वृद्धि दर्ज की गई है। अधिकारियों ने बताया कि हवाई अड्डों की कुल संख्या 2014 में 74 से लगभग दोगुनी होकर 2022 में 141 से अधिक हो गई है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गोवा में मोपा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया, जिसके लिए नवंबर 2016 में आधारशिला रखी गई थी। इसे लगभग 2,870 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश के पहले ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे, ईटानगर के डोनी पोलो हवाई अड्डे का उद्घाटन नवंबर, 2022 में किया गया था। विमानन यातायात में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए सरकार ने देश भर में 21 ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे स्थापित करने के लिए सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है।

इन 21 हवाई अड्डों में गोवा में मोपा, नवी मुंबई, महाराष्ट्र में शिरडी और सिंधुदुर्ग, कर्नाटक में कलाबुरगी, विजयपुरा, हासन और शिवमोग्गा, मध्य प्रदेश में डबरा (ग्वालियर), उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और नोएडा (जेवर), गुजरात में धोलेरा और हीरासर, पुडुचेरी में कराईकल, आंध्र प्रदेश में दगदर्थी, भोगपुरम और ओरवाकल (कुरनूल), पश्चिम बंगाल में दुगार्पुर, सिक्किम में पाक्योंग, केरल में कन्नूर और अरुणाचल प्रदेश में डोनी पोलो व ईटानगर शामिल है।

इनमें से दुगार्पुर, शिर्डी, कन्नूर, पाक्योंग, कालाबुरगी, ओरवाकल (कुरनूल), सिंधुदुर्ग, कुशीनगर और डोनी पोलो, ईटानगर और मोपा सहित कई ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे चालू हो गए हैं।

विमान और यात्री यातायात में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए विमानन नियामक ने 2021 में 862 लाइसेंस के मुकाबले 2022 में लगभग 1100 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस जारी किए हैं। इनमें से अमेठी (यूपी) में आईजीआयूए केंद्र सरकार के अधीन है, आठ राज्य सरकारों के अधीन हैं और 25 निजी क्षेत्र में हैं।

अधिकारियों ने कहा कि सरकार भारत में सार्वजनिक और निजी उद्यमों द्वारा एक क्षेत्रीय परिवहन विमान और संबंधित उपकरणों सहित विमान के निर्माण को बढ़ावा दे रही है और सुविधा प्रदान कर रही है।

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा विकसित हिंदुस्तान-228 (उन्नत) नागरिक विमान क्षेत्रीय कनेक्टिविटी के लिए उपयुक्त 19 सीटर टर्बो प्रॉप विमान है। एचएएल ने वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं (एनएएल) के साथ एक 19 सीटर लाइट ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट एसएआएएस एमके2 के डिजाइन, विकास और प्रमाणन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और बाद में इसका उत्पादन, विपणन और रखरखाव किया जाएगा।

वेब सीरीज फर्जी का टीजर जारी शाहिद नाराज

-निर्देशक से की इश्यों को काटने की माँग

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों बालीवुड एक्टर शाहिद कपूर की ओटीटी पर प्रदर्शित होने वाली वेब सीरीज फर्जी का टीजर जारी किया गया था। यह सीरीज अमेजन प्राइम पर 10 फरवरी को प्रदर्शित होने जा रही है। अब इसी बीच फर्जी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जानकारी के अनुसार शाहिद कपूर और निर्देशक राज और डीके के बीच कुछ क्रिएटिव तनाव पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार एक्टर और निर्देशक द्वय के बीच आई इस दरार का कारण विजय सेतुपति हैं। सूत्रों ने बताया शाहिद कपूर इस सीरीज में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं और पूरी सीरीज उन्हीं के नाम पर बिक रही है। इस सीरीज में विजय सेतुपति और उनके कैरेक्टर पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है जिसके कारण शाहिद कपूर को गलत तरीके से पेश किया गया है। शाहिद सीरीज में विजय के कैरेक्टर

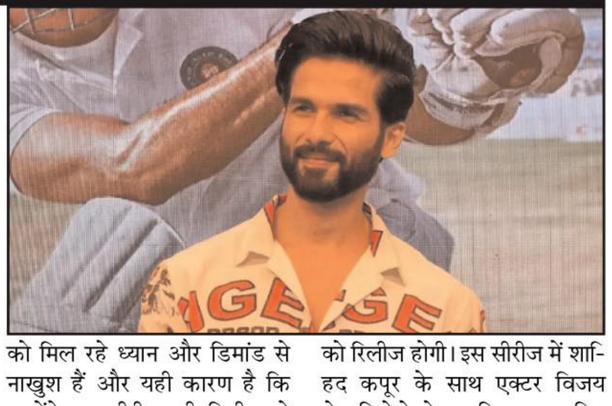

को मिल रहे ध्यान और डिमांड से नाखुश हैं और यही कारण है कि उन्होंने इस सीरीज की रिलीज से पहले कुछ सीन को कट करने की मांग की है। शाहिद की इस डिमांड से निर्देशक की जोड़ी नाखुश है और इस मामले में आराम से सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि रिलीज से पहले यह मामला गर्माता जा रहा है। ज्ञातव्य है कि अमेजन प्राइम वीडियो की यह सीरीज इसी साल 10 फरवरी को रिलीज होगी। इस सीरीज में शाहिद कपूर के साथ एक्टर विजय सेतुपति केके मेनन राशि खन्ना जाकिर हुसैन भुवन अरोड़ा अमोल पालेकर और कुब्रा सैत मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस सीरीज में शाहिद कपूर रफ एंड टफ लुक में नजर आएंगे। ज्ञता दें कि इस सीरीज का निर्देशन राज एण्ड डीके ने किया है जो अपनी पिछली सीरीज द फैमिली मैन को लेकर चर्चाओं में रहे हैं।

अवंतिका की नई पोस्ट से डेटिंग की अफवाहें तेज

- इमरान खान से हो चुकी है अलग

मुंबई (ईएमएस)। एक मिस्ट्री मैन के साथ बॉलीवुड एक्टर इमरान खान पत्नी अवंतिका की नई पोस्ट ने डेटिंग की अफवाहें तेज कर दी हैं। इस शख्स का नाम साहिल सिंह लांबा बताया जा रहा है। अंविता ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस शख्स के साथ कुछ तस्वीरें शेयर की है जो अब वायरल हो रही है। बता दें कि बॉलीवुड एक्टर इमरान खान ने 2011 में अवंतिका मलिक से शादी की थी। कुछ सालों बाद उनके रिश्ते में दरार आई और तभी से दोनों एक दूसरे से अलग रहे हैं। अवंतिका सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने अपने कई पोस्ट में शादी टूटने के दर्द को भी जाहिर किया है। अब एक मिस्ट्री मैन के साथ उनकी लेटेस्ट इंस्टा पोस्ट काफी वायरल हो रही है। यूजर्स अब कयास लगा रहे हैं कि अवंतिका की लाइफ में नए पार्टनर की एंट्री हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक

अवंतिका इमरान खान से अलग रह रही हैं। उन्होंने अपनी फैमिली साथ कुछ फोटो अपने इंस्टा हैंडल पर शेयर की। इन तस्वीरों में अवंतिका एक मिस्ट्री मैन के साथ नजर आ रही है। दावा किया जा रहा है कि इस शख्स का नाम साहिल सिंह लांबा है। अवंतिका ने #डिसेंबरडंप हैशटैग से अपने परिवार के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं।

उन्होंने अपनी बेटी इमारा के चार्मिंग क्रिसमस 2022 लुक भी शेयर किया है। उन्हेंने साहिल के साथ कुछ सेल्फी भी शेयर की है। एक कोलाज में अवंतिका साहिल मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। माना जा रहा है कि यह तस्वीरें उनके न्यू ईयर सेलिब्रेशन की हैं इमरान खान और अवंतिका मलिक ने 2011 में शादी की और 2014 में कपल एक बेटी के पेरेंट्स बने थे। फिर 2019 में कथित तौर पर दोनों अलग हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इमरान और अवंतिका अब साथ नहीं हैं। काफी समय से दोनों एक दूसरे से अलग रह रहे हैं। बताया जा रहा है कि अभी तक कपल ने तलाक के लिए अर्जी नहीं दी है।

तमिल सिनेमा के दो दिग्गज सितारों में बडा मुकाबला

नए साल में बड़ा मुकाबला तमिल सिनेमा के दो दिग्गज सितारों अजित और थलापति विजय के मध्य होने जा रहा है। इन दोनों सितारों की फिल्में आगामी बुधवार को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली हैं। बीते रोज थलापति विजय की फिल्म वरिसु का ट्रेलर जारी किया गया था। इस ट्रेलर को देखने के बाद ट्रेड विशेषज्ञों में इस बात की चर्चा होने लगी है कि इस बार एक साथ टकराव के चलते सिनेमाघरों में दर्शक बंट जाएंगे जिसके चलते दोनों फिल्मों को कारोबारी तौर पर नुकसान होगा। अगर यही दोनों फिल्में अलग-अलग समय पर प्रदर्शित होती तो बॉक्स ऑफिस मालामाल हो जाता। वलिमै फेम निर्देशक एच विनोद की यह एक्शन ड्रामा फिल्म 11 जनवरी को ही

रिलीज होगी। इस फिल्म में एक बार फिर अजित कुमार धुआंधार एक्शन करते दिखेंगे। अब थलापति विजय निर्देशक वामसी की फिल्म वरिसु के साथ सिनेमाघरों में पहुँच रहे हैं। विजय की यह फिल्म एक पारिवारिक ड्रामा है जिसे दक्षिण के दर्शक सबसे ज्यादा पसन्द करते हैं। इसी के चलते बॉक्स ऑफिस को उम्मीद है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर टकराव के बावजूद जबरदस्त कारोबार करने में सफल होगी।

नेहा और खुशी का नया गाना 'सवतीन राजा जी' हुआ रिलीज

भोजपुरी सिनेमा की सुपरसिंगर नेहा राज का नया गाना 'सवतीन राजा जी' वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज किया गया है। इसे दर्शकों का अच्छा खासा रिस्पांस मिला रहा है। गाने में नवोदित अभिनेत्री खुशी सिंह नजर आ रही हैं। गाने में खुशी अपने ऑनस्क्रीन पति गोल्डी जायसवाल को किसी और के साथ देख लेती हैं। इसके बाद वो पति से पूछती हैं, ह्नकईले बाड़ा हमसे धोखा हो... बात छुपाईला अनोखा हो...कहियो नाहि कईले रात रंगीन राजा जी...ससुरा में रखलो कहे सवतीन राजा जी.... ह्न गाने में खुशी अपने खास अंदाज से सभी का मनमोह ले रही हैं। गाने में उनके एक-एक एक्सप्रेशन दर्शकों को अपनी ओर खींच रहे हैं। गोल्डी के साथ उनकी जोड़ी खूब जच रही है। दोनों के बीच की प्यारी सी नोकझोंक दर्शकों को पसंद आ रही है। इस सांग में खुशी ने लाल साड़ी पहनकर जो अपनी कमर लचकाई है उसके क्या कहने। मानो जुबां पर शब्द ही नहीं आ रहे हैं। खैर गानों को बेहद ही खास लोकेशन पर फिल्माया गया है। इसमें खुशी के डांस मूव्स बेहद ही गजब के लग रहे हैं। उसके ऊपर उनके एक्सप्रेशन बहुत शानदार हैं। आने वाले समय की खुशी सुपरस्टार है। वही नेहा राज इंडस्ट्री की सुपरसिंगर बन बन गई हैं। इसमें खुशी यादव की परफॉर्म एक मेच्योर कलाकार की तरह दिखाई दे रही है। वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स प्रस्तुत 'परदेसिया ना अइले' की सिंगर नेहा राज हैं। इसके लेखक गौतम राय हैं। इसका संगीत नीलेश शर्मा ने दिया है और निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं।

रणवीर और जाह्नवी के साथ बनेगी तेजाब का रीमेक

-फिर हो रही माधुरी-अनिल की तेजाब के रीमेक की चर्चा

मुंबई (ईएमएस)। वर्ष 1988 में आई अनिल कपूर माधुरी दीक्षित स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म तेजाब के रीमेक की घोषणा निमार्ता मुराद खेतानी ने की थी। खेतानी इस रीमेक को कार्तिक आर्यन और श्रद्धा कपूर के साथ बनाने जा रहे थे। अब एक बार फिर से मुराद खेतानी का कहना है कि वे तेजाब के रीमेक पर काम शुरू करने वाले हैं। अब फिल्म के लिए रणवीर सिंह और जाह्नवी कपूर के साथ काम करने का विचार बनाया जा रहा है। जाह्नवी और रणवीर से संपर्क करने का फैसला किया है। इस फिल्म के लिए मेकर्स की पहली पसंद कार्तिक और श्रद्धा ही थे लेकिन किन्हीं कारणों के कारण मेकर्स जाह्नवी कपूर और रणवीर सिंह को कास्ट कर रहे हैं। हालांकि अभी तेजाब के रीमेक की फाइनल कास्ट को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यदि फिल्म के लिए रणवीर के साथ जाह्नवी कपूर को कास्ट किया गया तो यह दोनों पहली बार बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे। जिस तरह से अभी तक तेजाब के रीमेक के लिए स्टार कास्ट फाइनल नहीं हो पाई उसी तरह से अभी तक इस फिल्म के लिए लेखक निर्देशक की भी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वर्ष 1988 में प्रदर्शित हुई तेजाब का निर्देशन एन.चन्द्रा ने किया था। यह उनकी पहली ब्लॉकबस्टर फिल्म रही थी। इससे पहले उन्होंने नाना पाटेकर निशा सिंह मदन जैन अभिनीत फिल्म अंकुश का निर्देशन किया था। यह उनकी पहली डेब्यू निर्देशक फिल्म थी। ज्ञातव्य है कि रणवीर सिंह पिछले दिनों रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस में दोहरी भूमिका में नजर आए थे। सर्कस वर्ष 2022 की असफलतम फिल्मों की सूची में टॉप में रही थी। इस फिल्म में रणवीर के साथ एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडिस पूजा हेगड़े और वरुण शर्मा भी मुख्य भूमिका निभाते नजर आए थे। वहीं दूसरी जाह्नवी कपूर की बात करें तो आखिरी बार जाह्नवी हाल ही में ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित हुई फिल्म मिली में नजर आई हैं।

सुनीता राव को याद आया अपना पहला ऑडिशन

पॉप सिंगर सुनीता राव ने अभिनय के प्रति अपने झुकाव का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वह 1987 की फिल्म जलवा का हिस्सा नहीं बन सकीं। सुनीता राव अपने ट्रैक परी हू मैं अब के बरस वादा करो तलाश और कई अन्य गानों के लिए मशहूर हैं। उन्होंने बताया मुझे टीनएजर से ही एक्टिंग करना पसंद था। मैं लगभग 15-16 साल की थी जब मैंने अपना पहला स्क्रीन टेस्ट दिया था लेकिन दुर्भाग्य से यह रोल मुझे नहीं मिला यह अर्चना पूरन सिंह को मिल गया। मुझे नहीं पता कि अर्चना जी को यह बात याद है या नहीं यह जलवा के लिए था। मैं मॉडल नहीं थी लेकिन मैंने इस प्रक्रिया

का पूरा आनंद लिया। यह सुनने के बाद अर्चना ने जवाब दिया: बहुत सारे मॉडल थे जिन्होंने इस रोल के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन मुझे क्या पता था कि सुनीता भी उनमें से एक थी। सुनीता शब्बीर कुमार अल्ताफ राजा और श्वेता शेट्टी के साथ द कपिल शर्मा शो में सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर आ रहे हैं।

आलिया ने ट्विटर पर शाहरुख के साथ किया हंसी-मजाक

बालीवुड एक्ट्रेस आलिया ने ट्विटर पर शाहरुख खान के साथ हंसी-मजाक किया जहां अभिनेता ने ट्विटर पर आस्क एसआरके सत्र के साथ अपने प्रशंसकों को ट्वीट किया। आलिया सत्र में शामिल हुई उन्होंने एक प्रशंसक को जवाब दिया जिसने शाहरुख से पूछा था आलिया आपको सिर्फ एसआर क्यों कहती है? आलिया ने शाहरुख को केवल एसआर क्यों कहा इसका जवाब देते हुए अभिनेता ने ट्वीट किया कि एसआर का क्या मतलब हो सकता है। उन्होंने लिखा मीठा और रोमांटिक या शायद वरिष्ठ और सम्मानित या शायद सिर्फ शाहरुख। आलिया ने खुलासा किया कि एसआर का क्या मतलब है और

उन्होंने ट्वीट किया मीठा और सम्मानित लेकिन 25 जनवरी से मैं आपको पठान बुलाने जा रही हूं। देखिए मैं बहुत रचनात्मक हूं ना। आलिया द्वारा शाहरुख के लिए अपने नए नाम की घोषणा करने के बाद वह भी आलिया के लिए एक नाम लेकर आए। आलिया की बेटी राहा कपूर के संदर्भ में उन्होंने ट्वीट किया बच्ची अब मैं तुम्हें छोटी अम्मा (मां) भट्ट कपूर कहने जा रहा हूं!

98 सेकेंड में बिक गई आरआरआर की पूरी टिकट्स

फिल्म आरआरआर के नाम एक और रिकॉर्ड जुड़ गया है। फिल्म की हाल ही में लॉस एंजिलिस के एक चीनी थिएटर में स्क्रीनिंग की गई। इस थिएटर की खास बात यह है कि यह दुनिया का सबसे बड़ा आइमैक्स थिएटर है जिसमें 932 लोग एक साथ बैठ कर फिल्म देख सकते हैं। आरआरआर के लिए जब टिकट की बुकिंग शुरू की गई तो सिर्फ 98 सेकेंड में पूरी की पूरी टिकट्स बिक गई। फिल्म की स्क्रीनिंग करने वाले आयोजक वियॉन्ड फेस्ट के मुताबिक ये किसी भी इंडियन फिल्म के बेहद ऐतिहासिक पल है। वियॉन्ड फेस्ट ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी देते हुए लिखा ये ऑफिशियल और ऐतिहासिक है कि टीसीएल चाइनीज थिएटर में आरआरआर के सभी टिकट्स सिर्फ 98 सेकेंड में बिक गए। इससे पहले कोई भी इंडियन फिल्म ये उपलब्धि नहीं हासिल कर पाई है क्योंकि इससे पहले क्रक्रक्र जैसी फिल्म भी कभी नहीं बनी। बता दें कि बाहुबली सीरीज से चचाओं में आए निर्देशक एसएस राजामौली की फिल्म आरआआर लगभग 10 महीने पहले प्रदर्शित हुई थी।

निर्माताओं ने दीपिका को दी जन्मदिन की बधाई

- पोस्टर में दीपिका को दिखाया फाइटर के तौर पर

मुंबई (ईएमएस)। हाल ही में बालीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपना जन्म दिन मनाया। दीपिका पादुकोण के जन्म दिन के अवसर पर उनकी आगामी फिल्म प्रोजेक्ट के निर्माताओं ने फिल्म से उनकी पहली झलक साझा करते हुए उन्हें जन्म दिन की बधाई दी। इस पोस्टर में दीपिका पादुकोण फाइटर के तौर पर नजर आ रही हैं। हालांकि इस पोस्टर में मेकर्स ने अदाकारा दीपिका पादुकोण का चेहरा फिलहाल नहीं दिखाया है। पोस्टर लिखा है-ए होप इन द डार्क- पोस्टर के बैकग्राउण्ड में बादलों की ओट से बाहर निकलते सूरज की पीली रोशनी दिखाई दे रही है। दीपिका पादुकोण को एक ऊँची पहाड़ी के किनारे पर सूरज को देखते हुए दिखाया गया है। दीपिका के इस पोस्टर को देखने के बाद दीपिका के प्रशंसक उनकी इस फिल्म के लिए

बेकरार नजर आ रहे हैं। पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। अदाकारा दीपिका पादुकोण का ये लुक जारी कर फिल्म की निमार्ता कंपनी वैजयंती मूवीज ने ट्वीट शेयर कर लिखा दीपिका पादुकोण को जन्मदिन की ढेरों बधाई। गौरतलब है कि इस फिल्म में बाहुबली साहो और राधेश्याम में हिन्दी भाषी दर्शकों के सामने आ चुके अभिनेता प्रभास लीड रोल में हैं। अदाकारा के जन्मदिन पर सुपरस्टार प्रभास ने भी उन्हें खास अंदाज में बधाई दी है। फिल्म स्टार ने इंस्टास्टोरी पर ये पोस्टर शेयर कर लिखा सुपर गॉर्जियस और टैलेंटेड दीपिका पादुकोण को जन्मदिन की खास बधाई। ये साल सफलता भरा रहे। साल 2023 अदाकारा दीपिका पादुकोण के लिए बेहद खास होने वाला है। इस साल एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म पठान में नजर आएंगी। ये फिल्म इसी महीने जनवरी में सिनेमाघर पहुंचने वाली है।

तुनिषा के पास अक्सर नहीं होते थे पैसे कुछ दिन पहले ही सोनिया से उधार लिए थे 3 हजार रुपए

-दिवंगत अभिनेत्री को लेकर नजदीकी दोस्त ने किए हैरान कर देने वाले खुलासे

मुंबई (ईएमएस)। टीवी एक्ट्रेस तुनिषा शर्मा 24 दिसंबर को अपने शूटिंग सेट पर मृत पाई गई थीं। अभिनेत्री अपने को-एक्टर और बॉयफ्रेंड शीजान खान के मेकअप रूम में मृत मिलीं जिसके बाद पूरी इंडस्ट्री में हलचल मच गई। तुनिषा के जाने के बाद अभिनेत्री की मां वनिता शर्मा ने शीजान और उनके परिवार पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। वनिता ने शीजान पर तुनिषा को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया है जिसके बाद से शीजान पुलिस की गिरफ्त में हैं। इस बीच तुनिषा की फ्रेंड सोनिया सिंह ने भी दिवंगत एक्ट्रेस को लेकर कुछ हैरान कर देने वाले खुलासे किए हैं। सोनिया ने बताया कि तुनिषा ने कुछ समय पहले उनसे 3 हजार की आर्थिक मदद मांगी थी। सोनिया तुनिषा के साथ काम कर चुकी हैं और दोनों में काफी गहरी दोस्ती थी। दोनों अक्सर एक-दूसरे से मिलती थीं। लेकिन पिछले कुछ समय से दोनों के बीच कम बात हो रही थी। सोनिया ने तुनिषा से जुड़ी कई बातों पर चर्चा करते हुए बताया कि दोनों के बीच कैसे रिश्ते थे और पिछले कुछ समय में तुनिषा के व्यवहार में क्या बदलाव आए थे। सोनिया ने कहा-तुनिषा जब भी फ्री होती थी मुझे कॉल करती थी मुझसे मिलती थी।

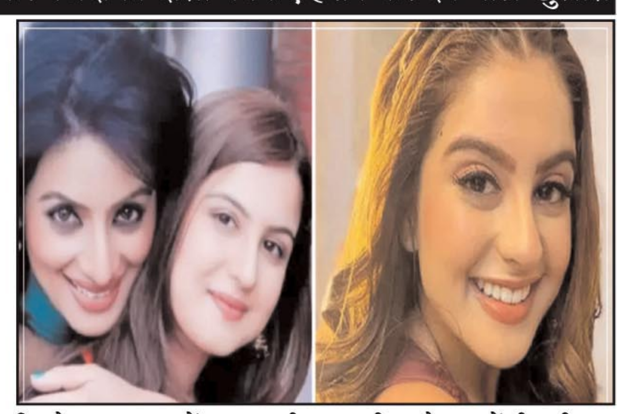

पिछले कुछ समय में वह काफी व्यस्त हो गई थी इसे लेकर मैं कभी-कभी उसे ताने भी मारती थी। वह शीजान के साथ बहुत खुश थी हालांकि मैं कभी शीजान से पर्सनली नहीं मिली लेकिन उसने मेरी उससे एक-दो बार वीडियो कॉल पर बात कराई थी। दिसंबर में भी हमारी मुलाकात हुई थी। 14 दिसंबर को वह मुझसे मिलने एक सैलून पहुंची थी जहां उसने मुझे बताया कि शीजान उससे स्पेस मांग रहा है। तुनिषा ने कहा- शीजान स्पेस मांग रहा है तो दे रही हूं। कुछ दिन और उससे बात नहीं करूंगी फिर कर लूंगी। वो कहता है कि मैं हर वक्त प्यार मोहब्बत की बातें नहीं कर सकता। मैंने उसे बताया कि रिलेशनशिप में ऐसा होता रहता है। वह शीजान के प्यार में थी शादी करके सेटल होना चाहती थी। हालांकि इन सबके लिए वह अभी बहुत छोटी थी। तुनिषा के पास ज्यादातर वक्त पैसे नहीं होते थे। उसने कुछ वक्त पहले ही मुझसे 3 हजार मांगे थे। तब मैंने उससे पूछा कि ऐसा क्या हुआ कि उसके पास बिलकुल पैसे नहीं हैं। सोनिया ने बताया कि तुनिषा ने सुसाइड से एक दिन पहले उन्हें कॉल किया था और कहा था कि अगर उनके पास उनकी मां का कॉल आता है तो वह उनसे कह दें कि वह उनके साथ है और दोनों गोलगप्पे खाने गए हैं। सोनिया दूसरे दिन इस झूठ के पीछे कि वजह पूछने के लिए तुनिषा को कॉल करने ही वाली थीं लेकिन तभी उन्हें पता चला कि तुनिषा अब इस दुनिया में नहीं है।

सूडोकु नवताल- 6307

★★★ मध्यम

		8				1	5	
2					1	8		
3			4		6	7		9
5					9			
	9		2	3	4		7	
			1					8
4		7	6		5			1
		6	7					4
	5	3				2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6306 का हल

3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7054

अ	ट	र	प	ट	र	धि	अ	र	प	अ
न	ग	क	म	इं	डो	ने	फ	ति	मा	ना
अ	दा	ल	ला	मा	ग	अं	रा	ह	प	प
आ	ग	ल	ब	जा	न	स	त	ह	अ	श
ना	न	अ	र	ग	न	मे	फ	का	ग	ना
जा	अं	न	र	व	ल	का	री	ह	र	प
ना	ज	ल	फा	व	अ	ला	र	मा	म	ग
आ	र	पा	र	न	प	स	रा	ल	ग	ला
अ	पं	बा	अ	लं	न	र	ह	न	र	दे
र	ज	ति	मा	अ	द	ली	ब	द	ली	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	र	र

शब्द जाल में 10 जोड़ीदार शब्द ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

आना जाना, अदली बदली, अगर मगर, अंजर पंजर, अफरा तफरी, आर पार, अगल बगल, आनन फानन, अटर पटर अनाप शनाप

शब्दजाल - 7053 का हल

म	अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	य
रा	वि	ली	प्रे	दि	ला	व	र	ज	कां	ड़
न्यौ	छा	व	र	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	ता
इं	नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क
डि	आ	मु	नी	श्व	र	न	न	न	भ	त
या	ल	मो	र	रा	क	ली	ट	ण	घ	व
द	स	न	न	ट्रे	जो	रा	व	र	व	र
क	रो	ऊ	ई	स	ब	क	र	चो	श	क
रा	व	तु	ला	रा	रो	ते	या	औ	र	आ
क	र	ल	प	लि	जी	व	भ	म	प	द
क	ड	क	अ	धी	श्व	र	र	ब	त	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6007

3			6	4		1
4	33	4	40	7	31	2
	2	6	3		1	
1	29		37		35	5
	1		4	3	5	
6	30	2	24	1	30	3
5		1	4			7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6006 का हल

1	2	3	7	5	6	4
3	29	6	37	2	31	1
4	3	7	1	6	2	5
5	29	1	33	4	37	6
6	1	2	5	7	4	3
2	33	4	31	3	30	7
7	6	5	4	1	3	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

चेतन शर्मा फिर बने चीफ सेलेक्टर : बीसीसीआई ने नई सेलेक्शन कमेटी घोषित की; शिवसुंदर दास, सलिल अंकोला सहित चार और मेंबर्स

मुंबई।
भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने नई सीनियर सेलेक्शन कमेटी की घोषणा कर दी है। पूर्व तेज गेंदबाज चेतन शर्मा फिर से कमेटी के चेयरमैन यानी चीफ सेलेक्टर बनाए गए हैं। उनके अलावा शिवसुंदर दास, सलिल अंकोला, सुब्रतो बनर्जी और श्रीधरन शरत कमेटी के अन्य चार मेंबर्स हैं।

ऑस्ट्रेलिया में हुए पिछले टी-20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद बोर्ड ने तत्कालीन सेलेक्शन कमेटी को बर्खास्त कर दिया था। चेतन शर्मा उस कमेटी के भी चेयरमैन थे।

600 आवेदन आए, 11 शार्टलिस्ट हुए थे - बोर्ड ने जारी बयान में बताया कि, क्रिकेट एडवाजरी कमेटी को करीब 600 आवेदन प्राप्त हुए। शशिकला नायक, अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे की एडवाजरी कमेटी ने 5 नाम रिकमेंड किए हैं।

शर्मा के सामने ये चैलेंज

पहला: बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी : ऑस्ट्रेलिया-भारत के बीच खेली जाने वाली इस बाइलेटर सीरीज की मेजबानी भारत कर रहा है। कंगारू टीम अगले महीने भारतीय दौरे पर आ रही है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम होगी। फाइनल पहुंचने की स्थिति में उसे चैंपियन बनाने की जिम्मेदारी भी अहम होगी।

दूसरा : एशिया कप : सितंबर महीने में पाकिस्तान की मेजबानी में एशिया कप होने जा रहा है। वनडे वर्ल्ड कप से ठीक पहले होने वाले इस टूर्नामेंट को जीतना भी जरूरी होगा।

तीसरा : वनडे वर्ल्ड : एशिया कप के बाद अक्टूबर-नवंबर महीने में आईसीसी वर्ल्ड कप होगा। ऐसे में चेतन शर्मा के सामने बेहतर टीम तैयार करने की चुनौती होगी।

शर्मा ने 148 इंटरनेशनल विकेट लिए हैं - चेतन शर्मा ने अपने 11 साल के करियर में 148 इंटरनेशनल विकेट चटकाए हैं। वे 23 टेस्ट 65 वनडे मैचों में भारतीय टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज हैं - चेतन शर्मा ने वर्ल्ड कप में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज हैं। उन्होंने 1987 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के खिलाफ हैट्रिक ली थी। 16 साल की उम्र में चेतन ने हरियाणा के लिए फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया था। उन्होंने दिसंबर, 1983 में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया था।

2 साल पहले भी बने थे चीफ सेलेक्टर - चेतन शर्मा दूसरी बार भारतीय क्रिकेट टीम के चीफ सेलेक्टर बने हैं। 2 साल पहले वे ऑल इंडिया सेलेक्शन कमेटी के चेयरमैन बनाए गए थे।

न्यूज ब्रीफ

भारत को हॉकी विश्व कप दूसरे खिताब की तलाश, सबसे ज्यादा बार टूर्नामेंट में खेली है टीम इंडिया

नई दिल्ली । भारत की मेजबानी में चौथी बार हॉकी विश्वकप का आयोजन 13 से 29 जनवरी तक होगा। विश्वकप के 15वें संस्करण के मुकाबले ओडिशा के राउरकेला और भुवनेश्वर में खेले जाएंगे। सबसे ज्यादा 14 बार विश्वकप खेलने वाली भारतीय टीम को 48 वर्ष से अपने दूसरे खिताब की तलाश है। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य जीतने और 2021-22 एफआईएच प्रो हॉकी लीग में तीसरे नंबर पर रहने के बाद उम्मीद जगी है कि भारतीय टीम इस बार विश्वकप में पदक जीत सकती है। भारत ने अंतिम बार 1975 में सुरजीत सिंह रंधावा और अशोक कुमार के गोल की मदद से पाकिस्तान को 2-1 हराकर विश्व खिताब जीता था। भारत ने 1971 में कांस्य और 1973 में रजत पदक जीता था। सबसे ज्यादा विश्वकप खेलने और मेजबानी करने का रिकॉर्ड भारत के नाम है। भारत के बाद स्पेन ने 13 बार विश्वकप खेला है। स्टार ड्रैगफ्लिकर हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई में भारतीय टीम इस बार क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाने की बाधा को तोड़ सकती है। 1975 का विश्वकप जीतने के बाद भारत सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सका है। इसके बाद 1982 और 1994 में पांचवें स्थान पर रहकर भारत का श्रेष्ठ प्रदर्शन रहा है। पिछली बार 2018 में भुवनेश्वर में हुए विश्वकप में भारत छठवें स्थान पर रहा था। भारतीय टीम को अंतिम समय में गोल खाने की कमी पर काम करने की जरूरत है। हालांकि हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में हुई पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम भले ही 1-4 से हार गई थी, लेकिन उसने अंतिम समय में गोल भी किए। विशेषकर पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

तीसरे टी-20 के दौरान मैदान में घुसा युवकः उमरान मलिक के पैर पकड़े, श्रीलंकाई खिलाड़ी ने कब्जे में किया

राजकोट। भारत और श्रीलंका के बीच खेले गए तीसरे टी-20 मैच में खिलाड़ियों की सुरक्षा में बड़ी

चूक सामने आई थी। राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए इस मैच के खत्म होते ही एक युवक सुरक्षाकर्मियों को चकमा देते हुए मैदान में घुस गया। उस समय श्रीलंका और भारतीय टीम के खिलाड़ी मैदान पर ही थे। ऐसे में सुरक्षाकर्मी तुरंत हरकत में आए और युवक को पकड़ कर मैदान से बाहर किया। युवक गुलाटी मारते हुए टीम इंडिया के खिलाड़ियों के पास जा पहुंचा। युवक ने मैदान में मौजूद उमरान मलिक के पैरों को पकड़ लिया। उसके बाद वह मैदान में दौड़ने लगा। सुरक्षाकर्मियों को पकड़ने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालांकि, इसी दौरान श्रीलंका के एक खिलाड़ी ने उसे पकड़ लिया और बाउंसर के हवाले कर दिया। यह पहला मौका नहीं है, जब कोई फैन ग्राउंड में घुस गया हो। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया में हुए टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान भारत-जिम्बाब्वे मैच के दौरान एक भारतीय फैन रोहित शर्मा से मिलने पहुंच गया। बाद में मैदान पर सिक्योरिटी गार्ड्स ने उसे पकड़ लिया और बाहर निकाला। फैन पर 6.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। वहीं साल 2021 में लॉर्डस में खेले एक टेस्ट मैच के दौरान एक फैन ग्राउंड में पहुंच गया था। आईसीसी ऐसी घटनाओं पर नजर रखता है। बीसीसीआई पैनल अंपायर राजीव रिसोड़कर बताते हैं कि सिक्योरिटी ब्रेक की घटनाओं पर होस्ट ग्राउंड को माइनस पॉइंट दिए जाते हैं। लगातार तीन घटनाओं के बाद उस ग्राउंड को बैन कर दिया जाता है। उनका मानना है कि इंटरनेशनल मैच के दौरान ऐसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीती सीरीजः साउथ अफ्रीका ने तीसरा टेस्ट ड्रॉ कराया, दूसरी पारी में 2 विकेट पर 106 रन बनाए

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच सिडनी में खेला गया तीसरा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। बारिश से बाधित रहे इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी 4 विकेट पर 475 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। वहीं अफ्रीका की पहली पारी 255 रन पर सिमट गई। आखिरी दिन ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को फॉलोऑन दिया। अफ्रीका ने दिन का खेल समाप्त होने तक 2 विकेट पर 106 रन बना कर कंगारुओं के क्लीन स्वीप के मनसूबे पर पानी फेर दिया। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज 2-0 से अपने नाम कर लिया। ब्रिस्बेन में खेला गया पहला मैच कंगारुओं ने छह विकेट से जीता था, वहीं मेलबर्न में खेले गए मैच को ऑस्ट्रेलिया ने 182 रनों अपने पक्ष में किया था। अफ्रीकी टीम 1992 के बाद से पहली बार ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट सीरीज में एक भी मैच नहीं जीत पाई। ओवरऑल यह छठा मौका है जब अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर बिना एक भी टेस्ट जीते लौटना पड़ रहा है।

तीसरे टी-20 में बने 10 बड़े रिकॉर्ड

सूर्या ने 6 महीने में जड़ दिए 3 शतक पिछली 11 सीरीज से अजेय है भारत

राजकोट।
भारत ने श्रीलंका के खिलाफ राजकोट में तीसरा टी-20 मैच 91 रन से जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। साल की पहली टी-20 सीरीज के आखिरी मैच में 10 बड़े रिकॉर्ड्स बने। इनमें श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका का भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा छक्के मारने वाला खिलाड़ी बनना, युजवेंद्र चहल का भारत के लिए टॉप विकेट टेकर बनना और सूर्यकुमार यादव का 6 महीने के अंदर तीसरा टी-20 शतक जमाना शामिल है। हम सभी 10 रिकॉर्ड को एक-एक जानेंगे।

1. सबसे पहले युजवेंद्र चहल का रिकॉर्ड - भारत के युजवेंद्र चहल ने तीसरे मैच में 2 विकेट हासिल किए। इसके साथ ही टी-20 इंटरनेशनल में उनके 90 विकेट पूरे हो गए। उन्होंने भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भुवनेश्वर कुमार की बराबरी कर ली। चहल ने 74 मैचों में 90 विकेट लिए। भुवी ने 87 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में भारत के लिए 90 विकेट लिए हैं। इन दोनों के बाद रविचंद्रन अश्विन ने 65 मैचों में 72 विकेट लिए हैं। चहल ने 3 ओवर में 30 रन पर 2 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया।

2. शनाका बने भारत के खिलाफ सिक्सर किंग - श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने सीरीज के तीनों मैचों में ताबड़तोड़ बैटिंग की। आखिरी मैच में उन्होंने 2 छक्कों के साथ 17 बॉल पर 23 रन बनाए। दूसरा छक्का लगाते ही टी-20 इंटरनेशनल में भारत के खिलाफ उनके 22 मैचों में 29 छक्के पूरे हो गए। वह भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टी-20 छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गए। शनाका के बाद वेस्टइंडीज के एविन लुईस ने 9 मैच और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने 19 मैच में 28-28 छक्के लगाए हैं। वेस्टइंडीज के ही कायरन पोलार्ड ने भारत के खिलाफ 17 टी-20 में 27 छक्के जड़े हैं।

3. श्रीलंका के खिलाफ दूसरी सबसे बड़ी जीत - भारत ने श्रीलंका को 91 रन से हराया। यह श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया की दूसरी सबसे बड़ी जीत है। हमने इससे पहले 20 दिसंबर 2017 को श्रीलंका के खिलाफ 93 रन से मैच जीता था। भारत की ओवरऑल सबसे बड़ी जीत आयरलैंड के खिलाफ आई थी। टीम ने जून 2018 में उन्हें 143 रन से हराया था। श्रीलंका को सबसे बड़े अंतर से ऑस्ट्रेलिया ने हराया है। कंगारुओं ने उन्हें अक्टूबर 2019 में 134 रन से हराया था।

4. लगातार 12 होम टी-20 सीरीज से अजेय है भारत - भारत ने श्रीलंका के खिलाफ घर में लगातार 5वीं टी-20 सीरीज जीती। इसके साथ ही टीम इंडिया घर में पिछली 12 टी-20 सीरीज से अजेय है। इस दौरान टीम ने 10 सीरीज जीतीं और 2 ड्रॉ कराईं। भारत को आखिरी बार फरवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से टी-20 सीरीज हराई थी। देश-विदेश में भारत पिछली 11 सीरीज से अजेय है। इनमें 10 हमने जीतीं और एक ड्रॉ रही। टीम को आखिरी बार श्रीलंका ने जुलाई 2021 में 2-1 से हराया था। यह सीरीज श्रीलंका में खेली गई थी। इसे मिलाकर भारत पिछली 20 टी-20 सीरीज में से 17 जीत चुका है, 2 ड्रॉ रहीं और एक ही में हार मिली।

5. पंड्या की कप्तानी में लगातार तीसरी सीरीज जीते - इस जीत के साथ भारत ने लगातार 7वीं टी-20 सीरीज जीती है। जून 2022 में भारत ने आखिरी बार साउथ अफ्रीका के खिलाफ 2-2 से टी-20 सीरीज ड्रॉ खेली थी। इससे पहले 2017-18 और 2019-21 के दौरान भारत ने लगातार 6 टी-20 सीरीज जीती थी। इस बार के रिकॉर्ड में हार्दिक पंड्या की कप्तानी में 2 सीरीज जीत आईं। ओवरऑल हार्दिक की कप्तानी में भारत ने लगातार तीसरी टी-20 सीरीज जीती। हार्दिक ने पहली बार जून 2022 में आयरलैंड के खिलाफ 3 टी-20 की सीरीज में भारत की कप्तानी की थी। यह सीरीज हमने 3-0 से जीती। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद न्यूजीलैंड में भी हार्दिक ने कप्तानी की थी। यह सीरीज हमने 1-0 से जीती। अब श्रीलंका के खिलाफ भी 3 मैचों की सीरीज में हार्दिक ने कप्तानी की। सीरीज 2-1 से जीती।

6. श्रीलंका को 19वां टी-20 हराया - आखिरी मैच में जीत के साथ भारत ने श्रीलंका को 19वीं बार टी-20 में हराया। इसके साथ ही टीम इंडिया ने किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत का रिकॉर्ड बनाया।

नाओमी ओसाका और वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलिया ओपन से बाहरः ओसाका 2 बार की विजेता, वीनस पिछले हफ्ते चोटिल हो गई थीं

मुंबई।
दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका और वीनस विलियम्स ने चोट की वजह से इस साल के ऑस्ट्रेलियन ओपन से अपना नाम वापस ले लिया है। साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन 16 से 29 जनवरी के बीच खेला जाना है। ओसाका 2019 और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब अपने नाम कर चुकी हैं। ओसाका पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीसरे दौर में उलट-फेर की शिकार हुईं थी। उन्हें अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा से 4-6, 6-3, 7-6(5) से हार का सामना करना पड़ा था। ओसाका के हटने से यूक्रेन की दयाना यास्त्रेम्स्का मुख्य ड्रॉ में पहुंच गई हैं।

7 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं विलियम्स - 42 साल की विलियम्स एक हफ्ते पहले ऑकलैंड में खेले मैच में चोटिल हो गई थीं। उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपरन में वाइल्ड कार्ड से एंट्री मिली थी। विलियम्स विमेंस में 7 ग्रैंड स्लैम जीत चुकी हैं। उन्होंने 2001, 2003, 2009 और 2010 में विंबलडन का खिताफ अपने नाम किया था। जबकि 2000 और 2001 में यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया है। हालांकि, वह अब तक ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब नहीं जीत पाई है। वह दो बार 2003 और 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंची थीं।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज भी ले चुके हैं अपना नाम वापस - दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज भी ऑस्ट्रेलियन ओपन से अपना नाम वापस ले चुके हैं। 19 साल के अल्कराज सबसे कम उम्र में वर्ल्ड नंबर वन पर पहुंचने वाले टेनिस खिलाड़ी हैं। अल्कराज ने कहा, सीजन ट्रेनिंग के दौरान मेरे दाहिने पैर की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया है। मैंने ऑस्ट्रेलिया ओपन के लिए तैयारी की थी। मैं पेट की चोट की वजह से पहले फाइनल और उसके बाद डेविस कप में नहीं खेल पाया था। मैं ऑस्ट्रेलिया ओपन से नए साल में वापसी करना चाहता था। ट्रेनिंग में मैं बेहतर कर रहा था। दुर्भाग्य से मेरे पैर में चोट लग गई है, जिसकी वजह से मुझे साल के पहले इवेंट से बाहर होना पड़ रहा है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 30 जनवरी से 11 फरवरी के बीच, मशाल, थीम सांग और मस्कट का अनावरण

भोपाल ।
खेला इंडिया यूथ गेम्स 2023 की तैयारी पूरी हो चुकी है। इस टूर्नामेंट का आयोजन 30 जनवरी से 11 फरवरी के बीच होगा। भोपाल के शौर्य इस्मारक में

खेला इंडिया यूथ गेम्स 2023 की मशाल, थीम सांग और मस्कट का अनावरण किया गया। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रिमोट का बटन दबाकर यूथ गेम्स के थीम सांग का अनावरण किया और अमरकंटक मशाल को रवाना किया।

इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनवरी मध्य प्रदेश के लिए स्वर्णिम महीना है। इस महीने हो रहे कई आयोजनों से मध्य प्रदेश उत्साह और उमंग से भरा है। यूथ गेम्स के आयोजन से प्रदेश में खेलमय वातावरण है। मैं खिलाड़ियों को कहता हूं कि खूब पढ़ो और खेलो भी। हम खेलों के लिए कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

शिवराज ने कहा कि भोपाल को खेलों का हब बनाया जाएगा। उन्होंने मध्य प्रदेश में यूथ गेम्स आयोजित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय खेल मंत्रालय को धन्यवाद कहा। इस मौके पर केंद्रीय खेल राज्य मंत्री निशिथ प्रमाणिक, खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया, चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग सहित मंत्रीगण पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया, राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और बृजेंद्र सिंह यादव उपस्थित थे।

डीएसपी की नौकरी और पांच लाख रुपये

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि जो खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय और ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर आएगा, मध्य प्रदेश सरकार की ओर से उसे पांच लाख रुपये प्रशिक्षण के लिए दिए जाएंगे। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सीधे डीएसपी और डिप्टी कलेक्टर के पद पर नौकरी दी जाएगी। अब बच्चों के सामने खेल भी करिअर बनाने का एक विकल्प है।

सात हजार से अधिक खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

केंद्रीय खेल राज्य मंत्री निशिथ प्रमाणिक ने कहा कि इस बार का यूथ गेम्स पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ेगा। इसमें सात हजार से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे और नया इतिहास रचा जाएगा।

अफ्रीका में मिनी आईपीएल : मैनेजमेंट, ब्रॉडकास्टिंग सब हमारे ही भरोसे

मुंबई।
दक्षिण अफ्रीका में 10 जनवरी से नई क्रिकेट लीग एसए 20 का आगाज होगा। इसका पहला संस्करण 13 फरवरी तक चलेगा। इस दौरान 6 टीमों के बीच 33 मुकाबले खेले जाएंगे। इस लीग में फैंस को मिनी-आईपीएल की झलक देखने को मिलेगी। टूर्नामेंट की सभी टीमों का मालिकाना हक मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद समेत 6 आईपीएल फ्रैंचाइजी के पास है। इसके अलावा लीग की सफलता भी भारतीय मैनेजमेंट और ब्रॉडकास्टिंग कंपनियों पर निर्भर करेगी। यानी सबकुछ हमारे भरोसे। एसए 20 लीग के डायरेक्टर और पूर्व अफ्रीकी क्रिकेटर ग्रीम स्मिथ के मुताबिक, वे इस लीग को आईपीएल के बाद सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाना चाहते हैं। द. अफ्रीकी बोर्ड के भविष्य के लिए यह लीग कितनी अहम है, इसका अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि उसने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

वनडे सीरीज भी रद्द कर दी। यह सीरीज वर्ल्ड कप सुपर लीग का हिस्सा थी और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन के लिए अहम थी। दर्जनों ऐसे विदेशी खिलाड़ी ऐसे खेल रहे हैं, जो आईपीएल की टीमों में खेलते हैं। जैसे ड्वेन प्रिटोरियस, क्लासेन, होल्डर, टॉप्ले, प्लेसिस, तीक्ष्णा, ब्रुक, फेरेरा, रबाडा, लिविंगस्टन, सैम करन, ओडियन स्मिथ, ब्रेविस, बटलर, मैकॉय, नॉर्किया, रूसो, साल्ट, जोश लिटिल, आदिल रशीद, विल जैक्स, मार्क्रम, यंसेन, स्टब्स। हालांकि बीसीसीआई की इजाजत न मिलने से इसमें कोई भारतीय खिलाड़ी नहीं खेल रहा है। प्राइम टाइम में मैच, रिलायंस मेन ब्रॉडकास्टर एसए20 लीग के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स रिलायंस के स्वामित्व वाली वायकॉम-18 ने खरीदे हैं। 10 साल की डील 800 करोड़ रु. में हुई है। मैच भारतीय समयानुसार शाम 5 और 9 बजे शुरू होंगे।आईपीएल की इनामी राशि 46.5 करोड़ रु. के मुकाबले लीग की 33 करोड़ है। फ्रैंचाइजी ने टीमों की एक जैसी पहचान के लिए ग्लोबल कोच नियुक्त किए हैं। टीमों के लोगो, जर्सी भी आईपीएल जैसे हैं। ललित मोदी के करीबी रहे सुंदर रमन करेंगे लीग का संचालन, 20प्रतिशत हिस्सेदारी होगी दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड पहले भी दो बार टी20 लीग शुरू कर चुका है, पर वे कमजोर मैनेजमेंट से ठंडे बस्ते में चली गईं। 2017 में ग्लोबल लीग को ब्रॉडकास्टर और स्पॉन्सर नहीं मिले। मजांसी सुपर लीग कोविड के कारण बंद करनी पड़ी। ऐसे में एसए20 को सफल बनाने की जिम्मेदारी आईपीएल के सीओओ रहे सुंदर रमन को दी है। उन्हें लीग में 20प्रतिशत हिस्सेदारी मिली है। रमन 7 साल आईपीएल के सीओओ रह चुके हैं। ललित मोदी के करीबी रहे हैं।

बेटिंग एप टाइटल स्पॉन्सर, वहां सट्टेबाजी लीगल - लीग का टाइटल स्पॉन्सर ऑनलाइन बेटिंग और गेमिंग कंपनी बेटवे है। दोनों ने मल्टी-ईयर की डील साइन की है।

रियल मैड्रिड के 121 साल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

शुरुआती एकादश में नहीं था कोई स्पैनिश खिलाड़ी

विलारियाल ।
स्पेन के फुटबॉल लीग ला लिगा में एक अजीबोगरीब वाकया देखने को मिला। 35 बार ला लिगा जीतने वाली टीम रियल मैड्रिड ने विलारियाल के खिलाफ स्पेन के एक भी खिलाड़ी को शुरुआती एकादश में जगह नहीं दी। मैनेजर कार्लो एंसोलोटी ने हैरानी भरा फैसला लिया। रियल मैड्रिड के 121 सालों के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब शुरुआती एकादश में स्पेन का कोई खिलाड़ी नहीं था। कार्लो एंसोलोटी ने शुरुआती एकादश में थिबाउट कोर्त्वा (बेल्जियम), एडर मिलिताओ (ब्राजील), एटोनी रूड्रिगर (जर्मनी), डेविड अलाबा (ऑस्ट्रेलिया), फेरलैंड मेंडी (फ्रांस), टोनी क्रूस (जर्मनी), ऑरेलियन टचौमेनी (फ्रांस), लुका मोद्रिच (क्रोएशिया), फेड्रिको वेलवेर्दे

(उरुग्वे), करीम बेंजेमा (फ्रांस), विनिसियस जूनियर (ब्राजील) को उतारा।

सब्सीट्यूट के रूप में उतरे स्पेन के दो खिलाड़ी

एंसोलोटी ने इनमें से चार खिलाड़ियों को सब्सीट्यूट किया। उन्होंने 64वें मिनट में टचौमेनी की जगह लुकस वाजकेज को भेजा। लुकस वाजकेज मैच में उतरने वाले स्पेन के पहले खिलाड़ी थे। 64वें मिनट में ही फेरलैंड मेंडी को बाहर किया गया। उनके स्थान पर ब्राजील के रोड्रिगो को उतारा गया। 70वें मिनट में लुका मोद्रिच की जगह फ्रांस के एडुआर्डो कामाविंगा और 82वें मिनट में फेड्रिको वेलवेर्दे की जगह स्पेन के मार्को असेंसियो को भेजा गया। इस तरह पूरे मैच में रियल मैड्रिड के 15 खिलाड़ियों में सिर्फ दो ही स्पेन के थे।

मैच में क्या हुआ

मैच में पहला गोल विलारियाल के येरेमी पिनो ने 47वें मिनट में किया। उनके बाद 60वें मिनट में करीम बेंजेमा ने पेनल्टी पर गोल करके मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। 63वें मिनट में जेरार्ड मोरेनो ने पेनल्टी पर गोल कर विलारियाल को 2-1 से आगे कर दिया। इसके बाद मैच में कोई गोल नहीं हुआ और विलारियाल की टीम जीत गई। इस हार के साथ रियल मैड्रिड की टीम को अंक तालिका में बड़ा नुकसान हुआ। उसके 16 मैच में 38 अंक ही हैं। चिर-प्रतिद्वंद्वी बार्सिलोना के 15 मैचों में 38 अंक है। वह एटलेटिको मैड्रिड के खिलाफ अगर मैच नहीं हारता है तो उसे रियाल पर बड़ी बढ़त मिल जाएगी।

पॉपुलर होगा एथलीस्योर स्टाइल

किसका मन नहीं करता कि अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में कुछ ऐसा पहनें जिसमें स्टाइल भी हो और कंफर्ट भी। पर ये सोचना जितना आसान हैं, अपने कपड़ों को स्टाइल के साथ पहनना उतना ही मुश्किल और किसी तरह नए-नए स्टाइल अपना भी लें तो उन स्टाइलिश कपड़ों की देखरेख काफी भारी पड़ती है। लेकिन अब यह मुश्किल आसान करने के लिए एक खास प्रोडक्ट आ चुका है। यह है पीएंडजी का प्रोडक्ट एरियल। एरियल ने इंटरनेशनल डिजाइनर के साथ मिलकर एथेलीस्योर यानी की एथलेटीक और लेजर स्टाइल के कपड़े निकाले हैं। अब आप सोच रहे होंगे की यह नया नाम क्या है? आपको बता देते हैं एथेलीस्योर फैशन इंडस्ट्री में लेटेस्ट ट्रेंड हैं। इसमें स्पोर्ट्स वियर और रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाले कपड़ों के स्टाइल को मिलाकर एक नया क्लोदिंग रेंज तैयार किया जाता है। मशहूर ब्रिटिश फैशन डिजाइनर जाइल्स डीकन के इस रेंज को बाजार में उतारने से पहले पी एंड जी ने लोगों की पसंद के मुताबिक पहने जाने वाले कपड़ों पर एक सर्वे किया। सर्वे के मुताबिक 71 प्रतिशत लोग ऐक्टिविटीज इंस्पायर्ड कपड़े पहनना पसंद करते हैं। 27 प्रतिशत लोगों का मानना है कि लेगिंग्स उनको काफी आरामदायक लगती है। 56 प्रतिशत लोग यात्रा के दौरान पहने जाने वाले लोग कपड़ों की खास रेंज चाहते हैं। इस सर्वे के नतीजों को ध्यान में रखकर ही इंटरनेशनल डिजाइनर जाइलज डीकन ने एथेलीस्योर की पूरी क्लोदिंग रेंज तैयार की है। फैशन एक्सपर्ट्स की मानें तो एथेलीस्योर स्टाइल 2020 में सबसे ज्यादा पॉपुलर हो जाएगा। योगा पैंट्स, इंडियन और वेस्टर्न कपड़ों के साथ पहने जाने वाली लेगिंग्स और जग्गिंग्स इन्ही कपड़ों के उदाहण हैं।

गणित के हिसाब से शादी की उम्र...

शादी जिंदगी भर का बंधन है और इसका फैसला सोच-समझकर करना चाहिए। शादी की सही उम्र वही होती है, जब आप इसके लिए पूरी तरह से तैयार हों, लेकिन गणित इस बारे में कुछ और कहता है। गणित कहता है शादी की सही उम्र 28 ओर 32 के बीच है। इस उम्र में तलाक की आशंका सबसे कम होती है। इस उम्र तक आते-आते आप मानसिक, शारीरिक और सामजिक रूप से मजबूत हो चूके होते हैं और यही क्वॉलिटी आपको अच्छा जीवनसाथी बनाती हैं। उटाह यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक जो लोग 28 और 32 के बीच शादी करते हैं वह अपनी शादी सफलता के साथ निभाते हैं। यह एक नया परिवर्तन है।

आमतौर पर माना जाता रहा है कि देर से शादी करना, शादी को निभाने काबिल बनाता है। यह अध्ययन लोगों के मानसिक बदलाव को दर्शाता है। टीन ऐज में शादी करने से अधिकतर लोगों की पसंद-नपसंद में बदलाव आता है, जिसकी वजह से तलाक होते हैं। बढ़ती उम्र यानी 28, 30 और 40 से पहले कि उम्र में व्यक्ति शांत और स्थिर हो जाता है और यही उसे अच्छा जीवनसाथी बनाने में सहायक होते हैं। यह शोध दी जनरल प्रो-मैरिज इंस्टीट्यूट आफ फैमिली स्टडीज द्वारा प्रकाशित किया गया है।

पॉप कलर्स के वूलन्स..

विंटर्स में वूलन्स में जो ट्रेंड सबसे ज्यादा चलन में है, वह है पॉप कलर्स। यानी ब्राइट कलर्स के वूलन्स। पीला ब्राइट ओवरकोट आप पर तब अच्छा लगेगा, जब आप इसके साथ डार्क कलर की एसेसरी इस्तेमाल करेंगी। आप हैंडबैग और फुटवियर का कलर भी डार्क रख सकती हैं। आजकल स्लिमफिट वूलन कुर्तियां भी चलन में हैं। आप इन्हें डेनिम के साथ कैरी कर सकती हैं। यह आपको कैजुअल लुक देगा, इसलिए इसके साथ आपको ज्यादा एसेसरीज की जरूरत नहीं। मेकअप सिंपल रखें। यदि ऑफिस के लिए ब्राइट कलर कैरी करना चाहती हैं तो कोट या जैकेट सबसे अच्छा विकल्प है। इसके साथ आप हैंडबैग, ब्रेसलेट कैरी कर सकती हैं। फुटवियर में हाई हील कैरी करें और कलर डार्क चुनें। इसके साथ ज्वैलरी भी मैच कराई जा सकती है। कोट के साथ बालों को खुला न रखें। ईवनिंग आउट या फिर पार्टीज के लिए आप निटेड पुलओवर चुनें। यह आपके स्टाइल स्टेटमेंट को निखार देगा।इस पर ट्राइबल ज्वैलरी या एथनिक ज्वैलरी अच्छी लगेगी। पुलओवर पसंद नहीं तो आप श्रग भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

खतरनाक है डॉक्टर गूगल...

कई लोग सर्च इंजन गूगल को डॉक्टर समझकर उस पर छोटी-मोटी बीमारी के लिए दवाएं सर्च करने लग जाते हैं। यह सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि हो सकता है जिस बीमारी के लक्षणों के चलते आप गूगल पर उसका इलाज खोज रहें हैं वे लक्षण किसी और बिमारी के हों। ऐसे में अगर कोई बिना डॉक्टर की सलाह के गूगल पर अपनी बीमारी के लक्षण के अनुसार दवाई लेना शुरू कर देगा तो यह स्वास्थ के लिए घातक हो सकता है। एक और खतरा सामने आया है वह यह कि एशिया में 90 फीसदी डॉक्टर्स भी गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं।

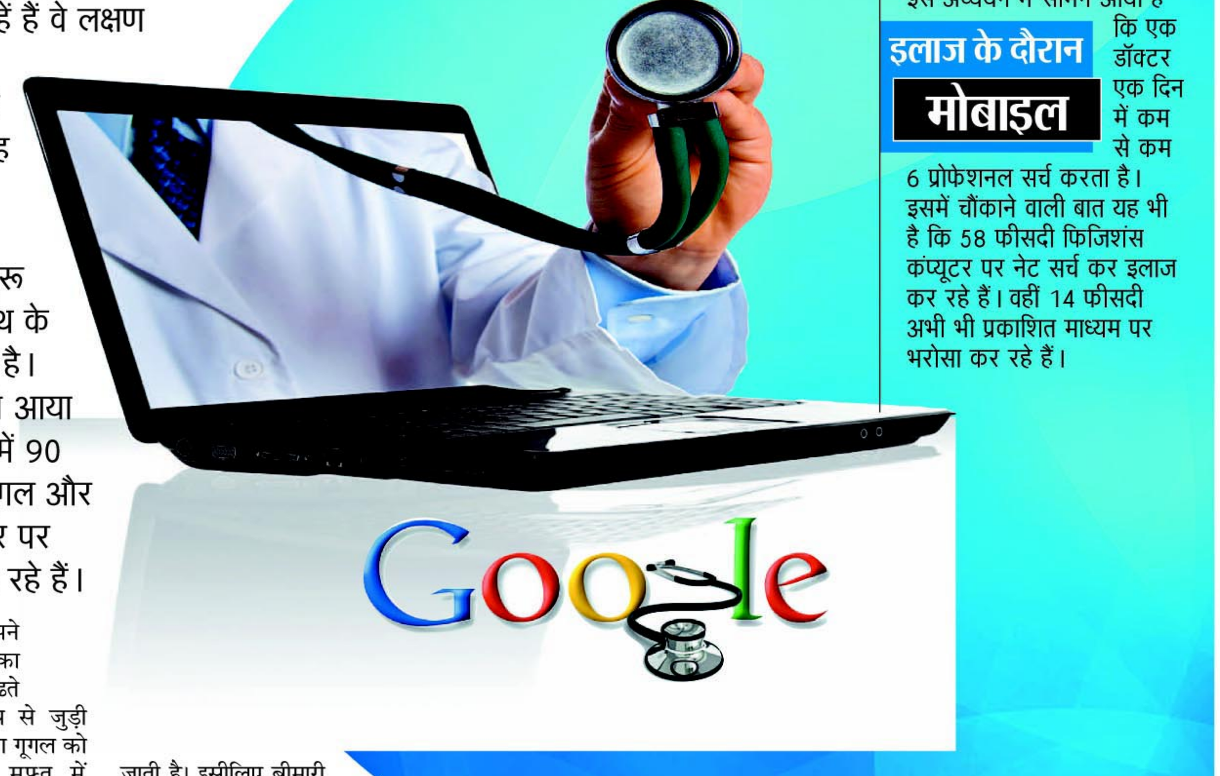

वर्तमान दौर में लोग अपने जीवन से जुड़े हर सवालों का जवाब सर्च इंजन गूगल पर ढूंढते हैं, लेकिन जहां तक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारियों की बात है, तो लोग गूगल को अपना चिकित्सक मानकर मुफ्त में मुसीबत मोल लेते हैं। हालात यह है कि शरीर में एक छोटी सी फुंसी को वे कैंसर और सिरदर्द को ब्रेन ट्यूमर समझकर मानसिक अवसाद तक के शिकार हो जाते हैं।

शरीर में किसी प्रकार की समस्या होने पर गूगल पर उसके बारे में टोह लेने में कोई समस्या नहीं है, लेकिन इसके बाद लोगों को यह पता नहीं होता कि उन्हें कहां पर रुकना है। सही तरीका तो यही है कि जब चिकित्सक किसी को किसी बीमारी की पुष्टि कर दे, तब सर्च इंजन पर जाकर उससे संबंधित जानकारियां जुटाना फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन चिकित्सक के पास जाने के बजाय लक्षणों के आधार पर अपना इलाज खुद करना खतरनाक साबित हो सकता है।

युवाओं में है चलन

सबसे बड़ी समस्या यह है कि इंटरनेट पर अथाह सूचनाएं मौजूद हैं, जो सही भी हो सकती हैं, लेकिन जब हमारी बीमारी का लक्षण किसी दूसरी बीमारी के लक्षणों से मेल खाता है, तब भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसीलिए बीमारी की सही जांच बेहद जरूरी है। कई युवा ऐसे हैं जो अपनी छोटी से छोटी शारीरिक समस्या के समाधान के लिए इंटरनेट से चिपके रहते हैं। 25-40 वर्ष आयु वर्ग के लोग लक्षणों के आधार पर इंटरनेट पर बीमारी का पता लगाने के चक्कर में पड़ रहते हैं, जिसका कोई परिणाम नहीं निकलता, सिवाय वे चिंतित होकर अपने स्वास्थ्य को और बिगाड़ते हैं।

मुफ्त में परेशानी

लोगों को इस बात से सावधान होना चाहिए कि वे ऐसा कर मुफ्त में परेशानी मोल लेते हैं।

छोटी से छोटी बीमारी के लक्षणों को भयंकर बीमारी मानकर वे मानसिक अवसाद की स्थिति में चले जाते हैं, क्योंकि विभिन्न रोगों के लक्षणों में अक्सर समानता होती है। डॉक्टरों के मुताबिक गूगल को चिकित्सक मानने के जाल से लोगों को सावधान रहना चाहिए, क्योंकि इससे कुछ अच्छा होने के बदले आपका बड़ा नुकसान हो सकता है।

इस अध्ययन में यह भी खुलासा हुआ है कि तीन में एक डॉक्टर इलाज के दौरान अपने हाथ में मोबाइल फोन अथवा टैबलेट रखता है तथा कोई भी समस्या होने पर इलाज सर्च कर लेते हैं। इस अध्ययन में सामने आया है

इलाज के दौरान मोबाइल

कि एक डॉक्टर एक दिन में कम से कम 6 प्रोफेशनल सर्च करता है। इसमें चौंकाने वाली बात यह भी है कि 58 फीसदी फिजिशंस कंप्यूटर पर नेट सर्च कर इलाज कर रहे हैं। वहीं 14 फीसदी अभी भी प्रकाशित माध्यम पर भरोसा कर रहे हैं।

डॉक्टर भी गिरफ्त में

भले ही यह बात चौंकाने वाली लगे लेकिन सच है, कि एशिया में 90 फीसदी से अधिक डॉक्टर्स गूगल और इंटरनेट सर्च के आधार पर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एशियाभर में हुए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। हालांकि इसें डिजिटल क्रांति कहें या मेडिकल क्षेत्र की बेबसी, लेकिन रेफरेंस ड्यूरिंग ट्रीटमेंट एंड सर्जरी के तहत किए गए एक अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है। स्टडी में यह बात सामने आई है कि डॉक्टर्स इलाज के दौरान गूगल और इंटरनेट बीमारी का उपाय खोजते हैं।

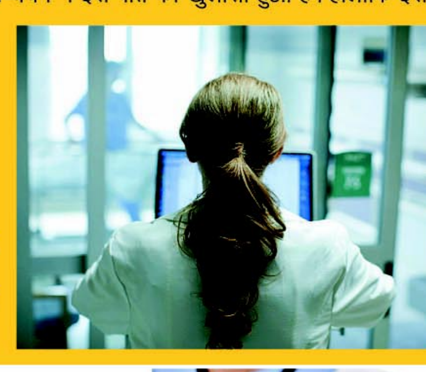

ब्यूटी स्पॉट को लेकर सावधान...

चेहरे या शरीर के किसी अन्य हिस्से पर दिखने वाले तिल या मस्से हमेशा ब्यूटी स्पॉट नहीं होते। अगर 20 की उम्र के बाद ऐसे तिल या मस्से शरीर के किसी भी हिस्से में निकलते हैं तो उनके प्रति सचेत रहना बेहद जरूरी है, क्योंकि वो खतरे की घंटी हो सकते हैं। इस समस्या के बारे में जानना बेहद जरूरी है। फिल्म अभिनेत्री रेखा के होठों के ऊपर का तिल और रति अग्निहोत्री के चेहरे का तिल अनायास ही लोगों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। यह सच है कि चेहरे के किसी विशिष्ट स्थान का ब्यूटी स्पॉट आकर्षण का केंद्र होता है, लेकिन अगर आपके चेहरे पर अचानक से ही कोई तिल निकल आये तो आपको खुश नहीं होना चाहिए, बल्कि सावधान हो जाना चाहिए।

कब मिले डॉक्टर से

कई बार अचानक ही चेहरे पर तिल और मस्सा निकलने लगता है। अगर जन्म के समय से ही आपके चेहरे पर मस्सा या तिल है तो वह हानिकारक नहीं होता, लेकिन अचानक से ही चेहरे पर बहुत ज्यादा तिल निकलने लगे तो यह खतरे की निशानी हो सकते हैं। जैसे ही आपके चेहरे पर तिल या मस्सा निकले तो आप उसका निरीक्षण करें। अगर उसमें बदलाव होने लगे तो फिर तुरंत ही त्वचा रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। इस बात का पता चल जाने पर कि आपके चेहरे पर निकला ब्यूटी मार्क हानिकारक है, उसे निकाल कर शरीर के दूसरे हिस्सों में होने वाले संक्रमण को रोका जा सकता है।

निगरानी जरूरी

अधिकतर ब्यूटी स्पॉट 20 साल तक की उम्र में निकल जाते हैं, जो आमतौर पर हानिकारक नहीं होते, लेकिन अगर 20 साल के बाद अचानक से ही आपके चेहरे पर ब्यूटी स्पॉट यानी तिल या मस्सा निकले तो उसकी निगरानी जरूरी है। यह जरूरी नहीं कि आपके शरीर पर ब्यूटी स्पॉट खतरे की निशानी ही हो, लेकिन डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

कैंसर का कारण तो नहीं

तिल या मस्से को कई बार लोग बिना किसी चेकअप के लेजर तकनीक से हटवा लेते हैं, जो गलत है। तिल या मस्से को हटवाने से पहले जांच करवा लेनी चाहिए, ताकि पता चल सके कि वह कैंसर का कारण तो नहीं। जब चेहरे पर कोई तिल या मस्सा निकलता है तो छोटे आकार में हल्के भूरे रंग का होता है, लेकिन समय के साथ यह अलग आकार और रंग में बदल सकता है। यह बदलाव ब्यूटी स्पॉट के रूपरंग पर निर्भर करता है। जो मोल्स जन्म के समय से ही शरीर पर होते हैं, उन्हें कंजेनिटल मोल्स के तौर पर जाना जाता है। एक प्रतिशत लोग ही ऐसे होते हैं, जिनके शरीर पर जन्म के समय कोई तिल या मस्सा होता है। आगे चल कर यह त्वचा संबंधी समस्या का कारण बन सकता है, लेकिन यह जरूरी नहीं है।

धूप से बचाव जरूरी

जब चेहरे पर एक साथ बहुत सारे तिल या मस्से निकल आएं तो इसे एक्वायर्ड मोल्स के नाम से जाना जाता है। यह बहुत ज्यादा धूप में रहने की वजह से भी हो जाते हैं। इससे बचने के लिए धूप से बचाव जरूरी है। ये खतरनाक नहीं होते। कई बार चेहरे पर असामान्य आकार के स्पॉट नजर आने लगते हैं, जो या तो गहरे भूरे रंग के होते हैं या फिर लाल रंग के। इनका आकार बढ़ता जाता है। अगर आपके चेहरे पर इस तरह के निशान नजर आएं तो डॉक्टर से संपर्क करें।

ये पाबंदियां दिलचस्प हैं...

देश बड़ा हो या छोटा, हर किसी के अपने ही कायदे-कानून है। इन कानूनों को तोड़ने पर सजा का प्रावधान भी है।

कई देशों ऐसे भी हैं जहां कुछ चीजों के इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है जो सच में हैरान करने वाली हैं। केवल हमारे ही देश में नहीं बल्कि दुनियाभर में तरह तरह की चीजों पर पाबंदियां हैं। आज हम आपको ऐसी बैन की हुई चीजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

माथे पर त्यौरी चढ़ाना

इटली के महानगर मिलान में माथे पर त्यौरी चढ़ाने पर सख्त मनाई है। यहां चेहरे पर हर समय स्माइल होना बहुत ही जरूरी है। केवल अस्पताल और शोक सभा में ऐसा न करने की छूट है। इस नियम को तोड़ने पर जुर्माना लग सकता है।

समोसे पर रोक

सोमालिया में जाकर आप टेस्टी समोसा नहीं खा सकते। यहां पर ट्रैंगल शेप के इस टेस्टी समोसे पर रोक इसलिए क्योंकि इसकी आकृति ईसाइयों के पवित्र ट्रिनिटी जैसी है। इसे पकाने, खाने, खरीदने पर सजा हो सकती है।

जॉगिंग पर पाबंदी

बुरुंडी के राष्ट्रपति ने 2014 को जॉगिंग करने पर यह कह कर रोक लगा दी कि समाज विरोधी गतिविधियां छिपाने के लिए लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां तक कि समूह में जॉगिंग करने वाले कई सदस्यों को जेल में भी डाल दिया गया है।

स्पाइकी हेयरकट करने पर रोक

ईरान में बाल खड़े करने पर रोक है। ईरानी युवक इन दिनों लोकप्रिय स्पाइकी हेयर कट यानी की बालों को खड़े करने वाले हेयरस्टाइल के अलावा पोनीटेल और टैटू भी नहीं बनवा सकते हैं। उनका मानना है कि ऐसे हेयरस्टाइल शैतान की पूजा और समलैंगिक व्यवहार को प्रदर्शित करता है।

वीडियो गेम पर पाबंदी

ग्रीस में वर्ष 2002 में सरकार ने गैर कानूनी रूप से जुआ खेलने वालों पर काबू पाने के लिए इलैक्ट्रॉनिक और सॉफ्टवेयर की मदद से खेली जाने वाली गेम पर पाबंदी लगा दी थी, जिसके तहत वीडियो गेम खेलना अवैध है।

फ्लश पर पाबंदी

स्विजरलैंड में किसी भी अपार्टमैंट बिल्डिंग में रात के 10 बजे के बाद टॉयलेट फ्लश करना मना है। वहां की सरकार इसे ध्वनि प्रदूषण मानती है। वैसे यह रोक सच में हैरान करने वाली है।

शुगर स्तर कम करने में मदद करता है जीरा

जीरा न सिर्फ भोजन के स्वाद को बेजोड़ बनाता है बल्कि कई बीमारियों में भी बहुत लाभदायक होता है। डायबिटीक लोगों के लिए जीरा अत्यंत लाभकारी है। यह खून में शुगर स्तर को कम करने में मदद करता है। जीरे में आयरन भरपूर मात्रा में होता है जिससे यह खून की कमी यानी एनीमिया को दुरुस्त करता है और रक्त में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है।

यह शरीर में ऑक्सीजन का सभी हिस्सों में पहुंचना सुचारू करता है। दमे के मरीजों को इसके भरपूर लाभ मिलते हैं। इसमें थायमोजयीनॉन नामक एक खास तत्व होता है जो दमे को रोकने बहुत कारगर है। भारतीय पाक कला में मसालों के इस्तेमाल का अलग ही महत्व है। मसाले न सिर्फ स्वाद बढ़ाने का काम करते हैं बल्कि ये

स्वास्थ्य के लिए भी बेजोड़ होते हैं। हमारे खाने में कई पकवान तो इन मसालों के नाम पर ही जाने जाते हैं जैसे ज्यादातर पसंद किया जाने वाला जीरा राइस। सही समझे आप, जीरे में कई तरह के गुण छुपे हुए हैं जिनसे आपकी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो सकती हैं। जीरा काला, सफेद और मटमैले रंग में उपलब्ध होता है। जीरे के स्वास्थ्य संबंधी गुण इसे न केवल भारतीय खाने का अहम हिस्सा बनाते हैं बल्कि पुराने समय में यह रोमन, ग्रीक और मिस्र संस्कृति का भी खास हिस्सा था। इतना खास कि यह करंसी के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। जीरा शरीर के सभी अंगों के लिए बहुत फायदेमंद है क्योंकि इसकी तासीर गर्म होती है और इसके उपयोग से कई प्रकार के लाभ होते हैं। हमारे शरीर में विभिन्न कारणों से गंदगी आ जाती हैं जिन्हें शरीर पसीने और फुंसियों के रूप में बाहर निकालता है। जीरे का नियमित इस्तेमाल शरीर की शोधन करने की प्रक्रिया को तेज करता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)